Ranchi ● Tuesday, 01 July 2025 ● Year : 03 ● Issue : 166 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published From Ranchi
डॉक्टर्स डे आज

SHARE

सेंसेक्स	:	83,606.46
निफ्टी	:	25,517.05

SARAFA

सोना	:	9,095
चांदी	:	119.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा पर प्रतिबंध हटा

DEHRADUN : उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते चारधाम यात्रा को पिछले 24 घंटों के लिए स्थगित किया गया था। अब चारधाम यात्रा से प्रतिबंध हटा लिया गया है। मौसम को देखते हुए यात्रा मार्ग पर वाहन रोकने के निर्देश दिए गए हैं। गढ़वाल मंडल के कमिश्नर विनय शंकर शंकर पांडेय ने यह जानकारी दी। कमिश्नर विनय शंकर पांडेय ने बताया कि चारधाम यात्रा पर 24 घंटे का प्रतिबंध हटा लिया गया है। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले जिलों के जिलाधिकारियों को अपने-अपने जिलों में मौसम की स्थिति के आधार पर वाहनों को रोकने के निर्देश दिए गए हैं। गढ़वाल कमिश्नर ने बताया कि वर्तमान मौसम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की जानमाल की सुरक्षा के मद्देनजर एहतियाती कदम उठाया जाया जा रहा है ताकि मार्गों पर फंसे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जा सके।

चार बांग्लादेशी घुसपैठियों को पुलिस ने दबोचा

MANKACHAR : दक्षिण शालमारा-मानकाचर जिले के भारत-बांग्लादेश सीमा से सटे झगरारचर इलाके से चार बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और मानकाचर पुलिस की संयुक्त टीम ने एक गुप्त सूचना के आधार पर की। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिकों में दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। चारों अवैध रूप से भारतीय सीमा में प्रवेश कर चुके थे। लेकिन बीएसएफ और स्थानीय पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए इन्हें समय रहते पकड़ लिया। फिलहाल सभी को संजय सादु बीएसएफ कैंप में रखा गया है। पुलिस की गिरफ्त में आए चारों धुसपैठियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद वापस बंग्लादेशियों भेजा जाएगा।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार, बम निष्क्रिय

IMPHAL : उग्रवाद विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा एक बम को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि इंफाल पश्चिम जिले में एक संयुक्त टीम ने लामडेंग अवांग लेईकाई से एक उग्रवादी युमनाम प्रेमकुमार सिंह उर्फ नोंगथांग (31) को गिरफ्तार किया। इसके अलावा इंफाल ईस्ट जिले के नोंगपोक संजेनबाम खुल्लेन से कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी-नोयोन/एमएफएल) से जुड़े मनोहरमायुम कबीचंद्र शर्मा उर्फ राजो (28) को गिरफ्तार किया। एक अन्य अभियान में पीआरओ के एक कैडर कंगाबाम राजू सिंह उर्फ पुरेल (42) को इंफाल पश्चिम के सिंगजामेई पुलिस स्टेशन अंतर्गत हीरांगोइथोंग में फिश आर्केड शॉप के पास से पकड़ा गया।

भोगनाडीह में होने वाले कार्यक्रम के पूर्व जमकर हुआ हंगामा, प्रशासन ने किया बल प्रयोग

हूल दिवस पर ग्रामीणों और पुलिस में झड़प चले तीर-पत्थर, दागे गए आंसू गैस के गोले

PHOTON NEWS SAHIBGANJ : सोमवार को हूल दिवस के अवसर पर भोगनाडीह में होने वाले कार्यक्रम के पूर्व जमकर हंगामा हुआ। बताया जा रहा है कि भोगनाडीह स्थित सिदो-कान्हू पार्क का ताला टूटने से आदिवासी समुदाय के लोग भड़क गए। उन्होंने पुलिस जवानों पर तीर-पत्थर से हमला कर दिया। इसमें तीन पुलिस जवान घायल हो गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। घायल पुलिस जवानों को इलाज के लिए भेजा गया है। घटना के बाद भोगनाडीह में बड़ी संख्या में पुलिस तैनात कर दी गई है। मौके पर डीसी हेमंत सती, एसपी अमित कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी पहुंच गए। हालांकि अब स्थिति सामान्य है। ताला खुलने के बाद लोग पार्क पहुंचे और सिदो कान्हू, चांद भैरव व फूलो झानो की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

पुलिस के तीन जवान हो गए घायल, घटना के बाद बड़ी संख्या में पुलिस बलों को किया गया तैनात

सिदो-कान्हू पार्क का ताला टूटने से भड़क गए आदिवासी समुदाय के लोग

घटनास्थल पर पहुंचे डीसी, एसपी व अन्य अधिकारी, स्थिति सामान्य

हर साल की तरह इस वर्ष भी हो रहा था कार्यक्रम

फाउंडेशन के समर्थकों का कहना है कि हर साल की तरह इस बार भी वे हूल दिवस पर कार्यक्रम कर रहे थे। लेकिन, प्रशासन ने उनकी अनुमति को दरकिनार कर देर रात पंडाल हटा दिया। इसी बात को लेकर आक्रोश फूटा। स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस की ओर से 10 राउंड आंसू गैस के गोले छोड़े गए।

पूजा करने की प्रशासन ने नहीं दी अनुमति

हूल दिवस पर वंशज मंडल मुर्मू के परिजन और परिवार के अन्य सदस्य सिदो-कान्हू की पूजा करते हैं और गंगा के पवित्र जल में स्नान कराते हैं। उसके बाद ही मुख्यमंत्री या कोई अन्य पूजा व माल्यार्पण करता है। इस बार जिला प्रशासन ने वंशजों को इसकी अनुमति नहीं दी गई। प्रशासन के मौखिक आदेश पर सुबह 10 बजे से पहले और शाम 4 बजे के बाद पूजा करने की अनुमति दी गई थी। इसको लेकर वंशज के परिजन पिछले तीन दिनों से आक्रोशित हैं। पुलिस ने अस्थायी पंडाल को हटा दिया था। इसके विरोध में वंशज के परिजन व समर्थकों ने सोमवार की सुबह सिदो कान्हू भोगनाडीह पार्क में ताला जड़ दिया। साथ ही किसी के लिए भी पूजा की अनुमति पर रोक लगा दी गई।

पंडाल बना रहे 13 मजदूरों को पुलिस ने लिया था हिरासत में

पहले दिन मंडल मुर्मू के नेतृत्व में पैदल मार्च निकाला गया। इसके जरिए पुलिस प्रशासन का विरोध किया गया। शनिवार की रात कार्यक्रम के लिए पंडाल बना रहे 13 मजदूरों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। इसके विरोध में सिदो-कान्हू के वंशज मंडल मुर्मू के नेतृत्व में बड़ी संख्या में आदिवासियों ने पारंपरिक हथियारों के साथ प्रदर्शन किया। उन्होंने जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और पार्क में ताला जड़ दिया। साथ ही चुड़का खोदकर सरकारी कार्यक्रम के लिए जिला प्रशासन द्वारा बनाए जा रहे पंडाल के काम को रोक दिया। इस मामले में पुलिस प्रशासन और शहीद के वंशज मंडल मुर्मू व अन्य लोगों से वार्ता हुई। लेकिन, आंदोलनकारी 13 मजदूरों को छोड़ने और कार्यक्रम की अनुमति देने पर अड़े रहे। बाद में हिरासत में लिए गए मजदूरों को छोड़ा गया और कार्यक्रम की मौखिक अनुमति दी गई। लेकिन, इसके बाद हंगामा हो गया।

संगारेड्डी जिले में रासायनिक प्रतिक्रिया के कारण अचानक हुआ हादसा

तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में ब्लास्ट 12 मजदूरों की दर्दनाक मौत, 34 जख्मी

- कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी धमाके की आवाज, स्थानीय लोगों में दहशत
- घंटों मशक्कत के बाद दमकल की 10 गाड़ियों ने विस्फोट के बाद लगी आग पर पाया काबू
- मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मिलेंगे दो-दो लाख रुपये

AGENCY HYDERABAD : सोमवार को तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में एक दवा उत्पादन संयंत्र में संदिग्ध रासायनिक प्रतिक्रिया के कारण हुए विस्फोट में हो गया। इसकी चपेट में आकर 12 मजदूरों की मौत हो गई। 34 अन्य घायल हो गए। तेलंगाना के मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने यह जानकारी दी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घटना पर दुख जताया और अधिकारियों को फंसे हुए श्रमिकों को बचाने के लिए हरसंभव कदम उठाने तथा उन्हें आधुनिक उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री नरसिम्हा ने संवाददाताओं से कहा, 12 लोगों की मौत हो गई और 34 लोग उपचाराधीन हैं। हमें उम्मीद है कि अब और कोई मौत नहीं होगी। श्रम मंत्री जी विवेक वेंकटस्वामी ने कहा, सुबह आठ लोगों की मौत हो गई। अब और चार शव बरामद किए गए हैं। दोनों मंत्रियों ने घटनास्थल का दौरा किया। यह विस्फोट पशम्यलारम औद्योगिक क्षेत्र में सिगाची दवा कंपनी के संयंत्र के एक रिएक्टर में संदिग्ध रासायनिक प्रतिक्रिया के कारण हुआ। विस्फोट के कारण वहां आग भी लग गयी।

फैक्ट्री में 150 लोग थे मौजूद, घायलों को आधुनिक उपचार उपलब्ध कराने का निर्देश

पीएम मोदी ने जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हादसे पर दुख व्यक्त किया और इस घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की।

धमाके से कई मीटर दूर जा गिरे मजदूर

एक मजदूर ने बताया कि मैं सुबह 7 बजे नाइट शिफ्ट पूरी करके बाहर निकला था। सुबह की शिफ्ट का स्टाफ अंदर आ चुका था। धमाका करीब करीब 8 बजे हुआ। शिफ्ट में मोबाइल जमा हो जाता है, इस वजह अंदर काम कर रहे लोगों की कोई खबर नहीं मिल पाई। एक मजदूर की महिला परिजन ने बताया कि उनके परिवार के चार लोग फैक्ट्री में काम करते हैं। इनमें उनका बेटा, दामाद, जेठ और देवर शामिल हैं। इनमें से तीन सुबह की शिफ्ट में थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक धमाका इतना तेज था कि वहां काम कर रहे मजदूर करीब 100 मीटर दूर जाकर गिरे। विस्फोट की वजह से रिएक्टर यूनिट तबाह हो गई है।

'हूल हमारी ताकत हूल हमारी पहचान'

सोमवार को सीएम हेमंत सोरेन ने नई दिल्ली में 1855 में स्वतंत्रता की लड़ाई के अग्रगण्य भारत माता के वीर सपूत सिदो-कान्हू को माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान सीएम ने कहा कि हूल दिवस हमारे लिए संकल्प का दिन है, हूल हमारी ताकत है, हूल हमारी पहचान है। उन्होंने कहा कि आदरणीय बाबा दिशोम गुरुजी अभी अस्वस्थ हैं, इस कारण भोगनाडीह की क्रांतिकारी, वीर भूमि पर नहीं आ पाए।

सिदो-कान्हू को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दी श्रद्धांजलि

रांची में हुई 198 प्रतिशत से अधिक औसत बारिश

RANCHI : झारखंड में सबसे अधिक राजधानी रांची में बारिश हुई है। रांची में अब तक औसत से 198 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है। रांची में 190 .7 मिमी की तुलना में 568 .4 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। यह आंकड़ा मौसम विभाग की ओर से एक जून से 29 जून तक दर्ज की गई है। वहीं राज्य के जिन जिलों में अधिक बारिश दर्ज की गई है, उनमें लातेहार में औसत से 190, सरायकेला-खरसावां में 144,रामगढ़ में 136, पूर्वी सिंहभूम में 137, लोहरदगा में 108, सिमडेगा 91, पश्चिमी सिंहभूम में 84 और खूंटी 89 प्रतिशत अधिक औसत बारिश रिकॉर्ड की गई है। वहीं पूरे झारखंड में 181.4 मिमी के मुकाबले 327 .5 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है। यह औसत बारिश से 81 प्रतिशत अधिक है। इधर, रांची सहित कई जिलों में भारी बारिश को लेकर एक जुलाई को ऑरेंज अलर्ट और दो जुलाई को येलो अलर्ट जारी किया है।

डॉक्टर्स डे स्पेशल

प्राकृतिक चिकित्सा की ओर लौटता विश्वास

Phyto-Biotic चिकित्सा प्रणाली – जब प्रकृति बन जाए सबसे बड़ा चिकित्सक

विशेषज्ञ : डॉ. पिंकी
(Phytobiotic Specialist & Food Science Expert)

आज के आधुनिक युग में जब दवाइयों और मशीनों की भरमार है, तब भी कई बार इलाज अधूरे रह जाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जो बीमारियाँ आधुनिक विज्ञान भी पूरी तरह नहीं समझ पाया -- उनका समाधान प्रकृति के पास सदियों से मौजूद है?

Dr. Pinky और **Phyto-Veda** के विशेषज्ञ इसी सिद्धांत पर कार्य करते हुए, प्राकृतिक जड़ वाले वृक्षों, जड़ी-बूटियों और खनिजों को आधुनिक वैज्ञानिक दायरों में प्रस्तुत करते हैं।

प्रकृति क्यों है सबसे श्रेष्ठ चिकित्सक?

1. हर बीमारी का इलाज प्रकृति में उपलब्ध है
- चाहे सूजन हो, मेटाबॉलिज्म की समस्या हो, हार्मोनल असंतुलन या मानसिक विकार - पेड़-पौधे, जड़ी-बूटियाँ और प्राकृतिक खनिज इन सभी का समाधान हैं।

2. बिना साइड इफेक्ट का इलाज
- Phyto-Biotic फॉर्मूले 100% प्राकृतिक होते हैं, और ये शरीर के साथ तालमेल बनाकर काम करते हैं - किसी तरह की निर्भरता या नुकसान नहीं होता।

3. बीमारी की जड़ तक असर
- यह केवल लक्षणों को दबाने की बजाय, बीमारी की जड़ को पहचान कर उसे दूर करने में मदद करता है।

4. कुल स्वास्थ्य संतुलन
- Phyto-Biotic उपचार शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को संतुलित रखते हुए समग्र कल्याण प्रदान करता है।

Phyto-Veda में Phyto-Biotic क्यों चुनें?

Dr.Pinky के मार्गदर्शन में, Phyto-Veda ने 3000+ बीमारियों पर शोध करके इनमें उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए हैं। इनमें शामिल हैं: ऑटिज्म, थायरॉइड विकार, कैंसर, पीसी ओडी, डिप्रेशन, लिवर सिरोसिस, हार्मोनल असंतुलन आदि।

* यह उपचार न केवल शरीर को स्वतंत्र बनाता है, बल्कि इसे आत्म-उपचार की क्षमता से लैस करता है। Phyto-Veda की हर बूँद में है प्राकृतिक जीवनशक्ति, जो आधुनिक दवाओं की तुलना में कहीं अधिक प्रभावशाली और सुरक्षित है।

डॉक्टरों के लिए एक नई चिकित्सा दिशा

इस डॉक्टर्स डे पर, आइए हम यह संकल्प लें कि हम अपने रोगियों को सिर्फ एलोपैथिक दबाव या दवा नहीं, बल्कि प्राकृतिक उपचार की गहन शक्ति भी प्रदान करेंगे। Dr.Pinky और Phyto-Veda की टीम मानती है कि 7 II/Phyto-Biotic उपचार भविष्य की चिकित्सा प्रणाली की नींव है-जहाँ प्रकृति स्वयं चिकित्सक बने।

'जहाँ विज्ञान थम जाता है, वहाँ से प्रकृति का चमत्कार आरंभ होता है।'
Dr.Pinky एवं Phyto-Veda आपके जीवन का प्राकृतिक संरक्षक।

advt

चिंताजनक अंधाधुंध विकास के लेटेस्ट मॉडल ने पैदा किया बड़ा खतरा

वायुमंडल में खतरे की सीमा को टच कर रहा कार्बन डाइऑक्साइड

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : वायुमंडल में मौजूद हवा एक ऐसा मिश्रण है, जिसमें प्राण वायु ऑक्सीजन भी है और जल निर्मित करने वाली गैस हाइड्रोजन भी। इसके साथ ही हवा में प्राणियों के शरीर से निकली कार्बन डाइऑक्साइड गैस भी है। हवा में इन सभी गैसों की मात्रा का संतुलन सभी जीवों के लिए जरूरी है। संतुलन बिगड़ने से जीवन के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो जाता है। विगत दशकों में तमाम विकास के कार्यों और मानव की अनपेक्षित गतिविधियों के कारण वायुमंडल की हवा में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा का बढ़ना भविष्य के लिए खतरनाक संकेत है। हाल में हुए रिसर्च में इस खतरे की विस्तार से जानकारी दी गई है। रिसर्च से मिली जानकारी के अनुसार, वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ती मात्रा अब खतरे की अंतिम सीमा को छूने लगी है। मई 2025 में इसका स्तर 430 भाग प्रति मिलियन (पीपीएम) के पार चला गया, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह न केवल पृथ्वी के तापमान को बढ़ा रहा है, बल्कि समुद्री जीवन से लेकर मौसमी बदलाव तक व्यापक स्तर पर तबाही का कारण बन रहा है।

मई 2025 में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर पहुंचा 430 भाग प्रति मिलियन के पार

पिछले साल की तुलना में इस बार पर्यवेक्षण में 3.6 पीपीएम पाया गया है अधिक

- लंबे समय से पृथ्वी के नॉर्मल टेंपरेचर में लगातार देखी जा रही वृद्धि की तेज गति
- समुद्री जीवन से लेकर मौसमी बदलाव तक व्यापक स्तर पर बन रहा तबाही का कारण
- कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के स्क्रिप्स ओशियानोग्राफी संस्थान व अमेरिकी एनओएए के वैज्ञानिकों ने किया विशेष अध्ययन

औद्योगिक उत्पादन और अनियंत्रित परिवहन व्यवस्था में तत्काल परिवर्तन की जरूरत

समुद्रों में घट रही ऑक्सीजन की मात्रा

वायुमंडलीय सीओ2 न केवल पृथ्वी की सतह पर तापमान बढ़ा रही है, बल्कि समुद्रों के लिए भी गंभीर खतरा बन चुकी है। जब सीओ2 समुद्री जल में घुलती है, तो वह उसे अधिक अम्लीय बना देती है। इससे झींगे, सीप, मूंगे जैसे जीवों के खोल कमजोर हो जाते हैं। इससे समुद्रों में ऑक्सीजन की मात्रा भी घट रही है। यह समुद्री जीवन के लिए अत्यंत घातक है।

मौना लोआ वेधशाला का वातावरण

मई 2025 के दौरान हवाई स्थित मौना लोआ वेधशाला पर किए गए पर्यवेक्षण में पाया गया कि वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) का औसत स्तर 430 .2 पीपीएम तक पहुंच गया। यह जानकारी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के स्क्रिप्स ओशियानोग्राफी संस्थान और अमेरिका की राष्ट्रीय समुद्री वायुमंडलीय संस्था (एनओएए) के वैज्ञानिकों ने दी है। मौना लोआ वेधशाला वातावरण में मौजूद सीओ2 की निगरानी के लिए दुनिया की सबसे अहम जगह मानी जाती है। एनओएए के अनुसार, मई 2025 में यह औसत 430 .5 पीपीएम दर्ज किया गया। यह मई 2024 की तुलना में 3 .6 पीपीएम अधिक है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी के लहजे में बताया है कि इस संकट के लिए जिम्मेदार कोई और नहीं, बल्कि मानव समाज खुद है। जीवाश्म ईंधनों जैसे कोयला, डीजल, पेट्रोल का अत्यधिक इस्तेमाल, तेजी से होती वनों की कटाई, बढ़ते औद्योगिक उत्पादन और अनियंत्रित परिवहन व्यवस्था ने धरती को इस स्थिति तक पहुंचाया है।

प्रिंस खान पर कसा शिकंजा भाई ऋतिक के घर की हुई कुर्की

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, वासेपुर में अपराधियों को दिया कड़ा संदेश

PHOTON NEWS DHANBAD : धनबाद में अपराध और गैंगस्टर नेटवर्क के खिलाफ पुलिस ने एक और सख्त कदम उठाया है। सोमवार को कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान के भाई ऋतिक खान के घर पर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश पर भूली ओपी पुलिस द्वारा वासेपुर के कमर मुखदमी रोड स्थित मकान पर की गई।

ऋतिक खान पर 2019 में दो मामलों में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ था। आरोपी पर अवैध हथियार रखने और गैंग से जुड़े अपराधों में संलिप्त रहने का आरोप है। लंबे समय से फरार चल रहे ऋतिक को भगोड़ा घोषित किया जा चुका है।

पुलिस ने पहले ही कुर्की नोटिस चिपकाया था और आत्मसमर्पण के लिए समय दिया था। समर्पण न करने पर कोर्ट के निर्देश पर सोमवार सुबह कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस ने फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान, दस्तावेज समेत कई घरेलू वस्तुओं को जब्त किया।

कुर्की-जब्ती करते पुलिस के जवान ● फोटोन न्यूज

स्थानीय लोगों की भीड़ जुटने के बावजूद पुलिस ने शांति और सख्ती से ऑपरेशन पूरा किया। भूली थाना प्रभारी अभिनव कुमार ने कहा कि हमारी कार्रवाई कोर्ट के आदेश पर आधारित है। ऋतिक खान की गिरफ्तारी नहीं हो सकी, इसलिए कुर्की-जब्ती की प्रक्रिया की गई है। अपराधियों को चेतावनी दी जाती है कि कानून से बचना अब मुमकिन नहीं।

पुलिस ने दी चेतावनी

इस कार्रवाई से एक बार फिर साफ हो गया है कि धनबाद पुलिस संगठित अपराधियों और उनके सहयोगियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए है। वासेपुर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में यह कार्रवाई एक मजबूत चेतावनी है। पुलिस ने स्पष्ट कर दिया है कि फरार और घोषित अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा।

तीन किलो अफीम होने की सूचना पर चली गई ग्राम प्रधान की जान

हाट में रची साजिश, घटना का मास्टरमाइंड निकला मिशनरी स्कूल का शिक्षक

PHOTON NEWS KHUNTI : खूंटी जिले के मारंगहादा थाना क्षेत्र अंतर्गत काड़ेतुबिद गांव के ग्राम प्रधान बलराम मुंडा की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी गई कि हत्यारों को यह जानकारी मिली थी कि बलराम मुंडा के घर में तीन किलो अफीम है। वही अफीम लूटने के लिए बलराम मुंडा के घर में अपराधियों ने डाका डाला था, जब तमाम खोजबीन और ग्राम प्रधान से पूछताछ के बाद भी अफीम नहीं मिला, तो अपराधियों ने ग्राम प्रधान की हत्या गोली मारकर और टांगी से काटकर कर डाली। बलराम के भांजा आचू मुंडा को घायल कर दिया। ये बातें एसपी मनीष टोप्पो ने सोमवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में पत्रकारों को बताईं।

एसपी ने बताया कि ग्राम प्रधान हत्याकांड का मास्टरमाइंड बुधराम मुंडा उर्फ मास्टर है, जो मारंगहादा थाना क्षेत्र के गड़ामड़ा गांव का रहने वाला है। एसपी ने बताया कि घटना के बाद उन्होंने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक के नेतृत्व में त्वरित छापामारी टीम गठित की। जांच के क्रम में पुलिस ने काडेतुम्बीद व गाडामाड़ा गांव से तीन अभियुक्तों बीरबल मुंडा, सीनु मुंडा और बुधराम हेस्सा उर्फ मास्टर को गिरफ्तार किया। इन तीनों ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए कांड में प्रयुक्त हथियार और गोली की बरामदगी में पुलिस का सहयोग किया। वह मिशनरी स्कूल का शिक्षक है।

पकड़े गए अभियुक्तों के बयान के आधार पर छापेमारी अभियान को आगे बढ़ाते हुए खूंटी थाना क्षेत्र के मोहना टोली में छापेमारी की गई, जहां से सात अन्य अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से भी भारी मात्रा में हथियार और अन्य आपराधिक सामग्री बरामद की गई।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

ये आरोपी किए गए गिरफ्तार

बीरबल मुंडा (काड़ेतुबिद), सिनू मुंडा (काड़ेतुबिद), बुधराम हेस्सा (शिक्षक, गाड़ामाड़ा), केदार मुंडा (सिदमा), अलिफ पुरती (मुटूदा), अभिषेक हेस्सा (कुबरसाल), पाव पाहन (गितिलबेड़ा), पातरस पाहन (कोजरोंग), पलटन मुंडा (जोरको), पुष्पेंद्र यादव (बंदगांव), इसके अतिरिक्त मोहना टोली से पांच और संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है, जिनसे पूछताछ जारी है।

BRIEF NEWS

डीसी-एसपी ने सिदो-कान्हू को अर्पित किए श्रद्धासुमन

HAZARIBAG : हूल दिवस पर सोमवार को उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह व पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने पीडब्ल्यूडी चौक स्थित सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर जिले के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं आमजन भी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने अपने संदेश में कहा कि सिदो-कान्हू ने 30 जून 1855 में ब्रिटिश शासन के खिलाफ हूल विद्रोह का नेतृत्व कर आदिवासी समाज में जागरूकता और स्वतंत्रता की अलख जगाई। यह आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जो हमें अन्याय के खिलाफ संघर्ष और आत्मसम्मान की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम सामाजिक एकता, समरसता और स्वतंत्रता के मूल्यों को बनाए रखें और सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें।

रजक समाज ने की आषाढ़ी पूजा

JAMSHEDPUR : बर्मामाइंस में रजक समाज ने सोमवार को पारंपरिक आषाढ़ी पूजा का आयोजन किया। यह पूजा समाज में प्रकृति, वर्षा और फसल की समृद्धि के लिए की जाती है, जिसमें हर वर्ग और उम्र के लोग एक साथ आकर सामूहिक रूप से ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

दलमा सुरक्षा मंच की हुंकार रैली आज

JAMSHEDPUR : दलमा क्षेत्र ग्राम सभा सुरक्षा मंच (कोल्हान) के नेतृत्व में 1 जुलाई को उपायुक्त कार्यालय, जमशेदपुर के समक्ष जनविरोध प्रदर्शन किया जाएगा। मंच के सदस्यों ने बताया कि यह प्रदर्शन दलमा इको-सेंसेटिव जोन के नाम पर आदिवासी परिवारों के घरों को तोड़े जाने और उन्हें जंगलों से उजाड़ने की सरकारी योजनाओं के खिलाफ किया जा रहा है। इस प्रदर्शन में कोल्हान प्रमंडल से सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता और दलमा वन क्षेत्र के हजारों निवासी शामिल होंगे। यह प्रदर्शन जल, जंगल, जमीन और जीवन की रक्षा के लिए सामूहिक एकजुटता का प्रतीक होगा।

घाटशिला के आदिवासी बच्चों ने देखी फिल्म

JAMSHEDPUR : हूल दिवस पर घाटशिला के ग्रामीण बच्चों ने सोमवार को गोलमुरी में आमिर खान की नई फिल्म सितारे जमीन पर दिखाई गई। घाटशिला प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, धातकीडीह के बच्चे और लिटिल इप्टा, जमशेदपुर के बाल कलाकारों के साथ मेधाविनी कलामंदिर की बच्चियां भी फिल्म देखने आई थीं। बच्चों ने सोनारी स्थित ट्राइबल कल्चर सेंटर का भी भ्रमण किया।

पेड़ से टकराई अनियंत्रित बाइक, तीन की हुई मौत

घटनास्थल पर पड़ी बाइक व शव ● फोटोन न्यूज

KHUNTI : कर्रा थाना क्षेत्र के सांगोर गांव के पास सोमवार दोपहर हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों में रोहित मिंज, अभिषेक मिंज और रेला मिंज शामिल हैं और तीनों कर्रा प्रखंड की मेहा पंचायत के मालगो गांव के थे। रेला मिंज और रोहित मिंज पिता-पुत्र थे, जबकि अभिषेक मिंज रेला का भतीजा था। जानकारी के अनुसार एक बाइक(जेएच 01डीटी 6962) से बिरदा से अपने गांव मालगो लौट रहे थे। सांगोर गांव के पास तेज रफ्तार के कारण बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई, जिससे बाइक सवार तीनों व्यक्तियों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। कर्रा थाना की पुलिस तीनों को पहले कर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। बाद में पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेज दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों युवक दूर जा गिरे।

बर्खास्त 251 अनुसेवकों ने किया समाहरणालय परिसर में प्रदर्शन

एकमुश्त मांगा मार्च से बकाया वेतन, वरना इच्छामृत्यु की मांगी अनुमति

AGENCY PALAMU : सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद पलामू के बर्खास्त 251 अनुसेवक चतुर्थवर्गीय पद पर हो रही बहाली में समायोजन की मांग को लेकर लगातार आन्दोलन कर रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को पलामू समाहरणालय परिसर में प्रदर्शन किया और उपायुक्त कार्यालय के समक्ष सामूहिक रूप से आत्मदाह करने की चेतावनी दी। 25 और 26 जून को बर्खास्त अनुसेवकों ने समाहरणालय परिसर में ही धरना दिया था और समायोजन के साथ साथ एक मार्च से एकमुश्त वेतन भुगतान की मांग की थी। मांगों की पूर्ति नहीं होने पर इच्छामृत्यु की मांग की थी। आत्मदाह की चेतावनी दी थी। मांगों को लेकर सोमवार को एक बार फिर सारे बर्खास्तकर्मी राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर से मुलाकात की। अनुसेवकों का आरोप है कि मंत्री ने सीधे तौर पर अपना पल्ला झाड़ लिये, जबकि पिछले दिनों वित्त मंत्री ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया था कि कैबिनेट की बैठक में 251 बर्खास्त अनुसेवकों को समायोजित करते हुए सरकार पुनर्विचार याचिका दायर करेगी, लेकिन ऐसा अबतक नहीं हुआ। मंत्री से वार्ता सार्थक नहीं होने पर सारे कर्मी समाहरणालय में जमा हुए और प्रदर्शन किया। सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गयी। एक सप्ताह के भीतर मांगों पर विचार नहीं करने पर सामूहिक रूप से डीसी कार्यालय के सामने आत्मदाह करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि नौकरी से हटाए जाने के बाद उनकी आर्थिक स्थिति काफी दयनीय हो गयी है और बेटी-बेटा की शादी, बच्चों की पढाई, परिवार चलाने का खर्च सहित अन्य जरूरी कार्य नहीं कर पा रहे हैं। कर्मियों ने कहा कि उपायुक्त पलामू की ओर से निकाले गए चतुर्थवर्गीय पद पर बहाली रद्द करने के लिए वित्त मंत्री एवं मुख्यमंत्री ने संयुक्त बयान जारी किया था। मुख्यमंत्री ने ट्वीट भी किया था।

समाहरणालय परिसर के बाहर प्रदर्शन करते बर्खास्त कर्मी ● फोटोन न्यूज

मूढ़ी के बोरों में छिपाकर डोडा की तस्करी का हुआ भंडाफोड़, दो तस्कर गिरफ्तार

PHOTON NEWS KHUNTI : खूंटी जिले के अड़की थाना क्षेत्र में पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। मूढ़ी के बोरों में छिपाकर डोडा की तस्करी की जा रही थी, जिसे पुलिस ने तड़के कार्रवाई कर पकड़ा। पुलिस ने सोमवार सुबह एक ट्रक को सेरेंगहातु चौक के पास बैरिकेडिंग कर रोका, जिसमें 40 बोरों में छिपाकर रखा गया 909.570 किलोग्राम डोडा बरामद किया गया।

जब्त डोडा की बाजार में कीमत करीब 1 करोड़ 35 लाख 83 हजार 550 रुपये बताई गई है। यूपी के नंबर वाले ट्रक में सवार उत्तर प्रदेश के दो तस्करों, जितेंद्र पाल उर्फ अनिल कुमार और आकाश (दोनों निवासी बैरूली, मीरगंज, बरेली) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने डोडा के साथ मूढ़ी के 40 बोरे और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है। जांच में पाया गया कि ट्रक के आगे की नंबर प्लेट अधूरी थी, जिससे नंबर स्पष्ट नहीं दिख रहा था, यह संदेह और बढ़ा रहा है। पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि सोमवार सुबह डोडा की तस्करी की गुप्त सूचना मिलने पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक के नेतृत्व में विशेष छापामारी टीम बनाई गई। टीम ने सेरेंगहातु चौक के पास चेकिंग अभियान चलाया और संदिग्ध ट्रक को रुकने का इशारा किया। ट्रक चालक भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों तस्करों को मौके पर ही पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले भी अड़की क्षेत्र से नौ क्विंटल डोडा बरामद किया गया था। लगातार हो रही इन बरामदगियों से सवाल उठ रहे हैं कि क्या स्थानीय सहयोग के बिना इतनी बड़ी तस्करी संभव है?

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसपी मनीष टोप्पो ● फोटोन न्यूज

ट्रक की चपेट में आकर बुजुर्ग की हो गई मौत

LOHARDAGA : लोहरदगा-गुमला मुख्य मार्ग पर लोहरदगा शहरी क्षेत्र के मुख्य चौराहा पावरगंज के पास ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार बुजुर्ग की मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद सदर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान शहर के संजय गांधी पथ निवासी तसर केंद्र से सेवानिवृत्त सरकारी कर्मी (वर्तमान में गिरवर शिशु सदन विद्यालय के संचालक) रामवल्लभ भारती के पुत्र चंदन भारती के रूप में हुई। बताया जाता है कि सोमवार सुबह चंदन भारती सब्जी लेने मोटरसाइकिल से बाजार जा रहे थे। इसी क्रम में लोहरदगा के रास्ते घाघरा की ओर जा रहे ट्रक ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया।

जंगल में दफनाए गए युवक का शव निकाला, दोस्त हिरासत में

मृतक की फाइल फोटो

KHUNTI : खूंटी जिले के अड़की थाना क्षेत्र अंतर्गत डोल्डा और ओटो गांव के बीच जंगल में दफनाए गए युवक का शव पुलिस ने सोमवार को जमीन खोदकर निकाला। मृतक की पहचान कोचाटोली, हाड़दलामा निवासी 20 वर्षीय एसी हालू के रूप में हुई है। उसका पूरा शरीर जमीन में दबा था, लेकिन घुटना मिट्टी से बाहर निकला हुआ था, जिससे शव का पता चला। मृतक एसी हालू का पिता लक्ष्मण दिव्यांग है। उसकी पत्नी और एक छोटी बेटी भी है। इस मामले में पुलिस ने मृतक के दोस्त 'गांजा' को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एसी हालू का शव काफी सड़ा-गला था, जिसे पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। स्थानीय ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, 14 जून को एसी हालू अपने दोस्त गांजा के साथ बारूहातू गांव में आयोजित एक शादी समारोह में गया था। उसी रात से वह लापता हो गया। जब वह कई दिनों तक घर नहीं लौटा, तो उसकी मां एसी लोकमा ने गांजा से पूछताछ की। गांजा ने बताया कि उसे कुछ पता नहीं है, क्योंकि वह शराब पीकर सो गया था। बेटे के अचानक गायब होने से चिंतित मां को अनहोनी की आशंका हुई। उसने गांववालों से मदद मांगी और आसपास के जंगलों में बेटे की तलाश शुरू की। डोल्डा और ओटो गांवों के बीच जंगल में खोज के दौरान एक जगह ताजा खुदी मिट्टी नजर आई। पास जाने पर वहां किसी व्यक्ति का घुटना मिट्टी से बाहर दिखा।

निर्मल महतो अस्पताल में मरीजों ने किया हंगामा, बिना जांच कराए लौटे

PHOTON NEWS DHANBAD : शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज-अस्पताल के ओपीडी में सोमवार को जमकर हंगामा हुआ। प्रथम पाली के तहत दोपहर 12 बजे रजिस्ट्रेशन काउंटर और दवाखाना बंद हो गया था, जबकि सोमवार होने के कारण ओपीडी में मरीजों की काफी भीड़ थी। लगभग डेढ़ सौ से ज्यादा लोग रजिस्ट्रेशन नहीं कर पाए। ऐसे लोगों ने ओपीडी के समय को लेकर नाराजगी जताई और इसका समय दोपहर एक बजे तक करने की मांग रखी।

अस्पताल में सुबह 8 से 12 और शाम 3 से 6 बजे तक ओपीडी का समय निर्धारित किया गया है। ऐसे में 12 बजते ही रजिस्ट्रेशन काउंटर बंद हो जा रहा है। सोमवार को 150 से ज्यादा लोग अस्पताल से लौट गए।

ओपीडी में हर दिन लगभग 1400 मरीज आ रहे हैं। सोमवार और मंगलवार को काफी भीड़ होती है। फिलहाल यहां आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत ऑनलाइन पर्ची काटी जा रही है। लेकिन, पर्ची कटाने में कई मरीज सक्षम नहीं हैं। इसके लिए अस्पताल प्रबंधन की ओर से कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं। लेकिन, इसमें काफी समय लग जा रहा है। इस वजह से लोगों को परेशानी हो रही है।

अस्पताल के ओपीडी में हंगामा करते लोग ● फोटोन न्यूज

> ओपीडी का समय विभागीय आदेश पर किया गया है। ओपीडी के समय को लेकर स्थानीय स्तर पर कुछ नहीं किया जा सकता है। मरीज को परेशानी ना हो इसके लिए लगातार कोशिश हो रही है।
> – डॉ. सीएस सुमन, वरीय अस्पताल प्रबंधक

हर सहिया को 10-10 गर्भवती को बुलाने का था निर्देश, अस्पताल में नहीं थी जांच की सुविधा, किया हंगामा

सदर अस्पताल में बुला ली गईं 200 से ज्यादा गर्भवती महिलाएं

PHOTON NEWS DHANBAD : सदर अस्पताल में संस्थागत प्रसव की संख्या बढ़ाने को लेकर सदर अस्पताल प्रबंधन के निर्देश पर काफी संख्या में सहिया अपने इलाके की गर्भवती महिलाओं को अस्पताल लेकर पहुंचीं। लेकिन, यहां अस्पताल में भारी अव्यवस्था के कारण गर्भवती महिलाओं को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। कोई गर्भवती महिला तीन तो कोई चार घंटे तक अस्पताल में इलाज के लिए इंतजार करती रही। हूल दिवस पर अवकाश होने के कारण सदर अस्पताल में भीड़ को नियंत्रित करने वाले कोई डॉक्टर और कर्मचारी भी नहीं थे। परेशान होकर विभिन्न जगहों से आईं सहिया और मरीज के परिजनों ने हंगामा किया। अस्पताल में तैनात होमगार्ड के जवान बार-बार लोगों को समझते रहे। किसी तरीके से मामले को शांत करते रहे। 200 से ज्यादा गर्भवती महिलाएं यहां इलाज के लिए पहुंची थीं।

अस्पताल परिसर में जमीन पर बैठीं गर्भवती महिलाएं ● फोटोन न्यूज

अस्पताल में जब व्यवस्था नहीं, तो क्यों बुलाया : बलियापुर से आई सहिया संध्या देवी ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन ने निर्देश दिया था कि एक सहिया को 10-10 गर्भवती महिला को लाना है। नहीं तो वेतन और प्रोत्साहन राशि नहीं मिलेगा। 30 जून को सभी को सदर अस्पताल बुलाया गया था। ऐसे में अपने-अपने प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को छोड़कर सभी सदर अस्पताल पहुंची। लेकिन, सदर अस्पताल में पैथोलॉजी और रेडियोलॉजी जांच की सुविधा नहीं है। जब मरीज को यहां पर लेकर आया, तब बताया गया कि एंड्रायड मोबाइल होना जरूरी है, तभी पर्ची कटेगी। जांच करने पहुंची तो पता चला सभी जांच की सुविधा यहां नहीं है। गर्भवती रीता देवी ने बताया कि वह सुबह 9 बजे अस्पताल पहुंची है और दोपहर 12 बजे तक जांच नहीं हुई है। उसकी तबीयत लगातार खराब हो रही है। गर्भवती मेहरून निशा ने भी कहा कि वह गोविंदपुर से आई है। कहा गया कि सदर अस्पताल जाना होगा। लेकिन, यहां अस्पताल प्रबंधन की ओर से कोई व्यवस्था नहीं है।

उपाधीक्षक को खोजते रहे लोग खाली था चैंबर

सदर अस्पताल पहुंचकर गर्भवती महिलाएं उनके स्वजन और सहिया दोपहर 2 बजे अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. संजीव कुमार को खोजते रहे। लेकिन उनका चैंबर खाली था। अस्पताल के सुरक्षा कर्मियों ने बताया कि अभी कोई पदाधिकारी यहां नहीं है। अवकाश होने के कारण कार्यालय भी बंद था। दूसरी और पूरा बरामदा और परिसर गर्भवती महिलाओं से भरा पड़ा था।

BRIEF NEWS

भाजपा कार्यकर्ताओं को हेमंत सरकार में बनाया जा रहा निशाना: बाबूलाल

RANCHI : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि आदिवासी समाज के भाइयों, विशेष रूप से भाजपा से जुड़े कार्यकर्ताओं को झामुमो-कांग्रेस गठबंधन की सरकार में लगातार निशाना बनाया जा रहा है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर सोमवार को लिखा है कि हमारे भाजपा परिवार के सदस्य खूंटी जिला निवासी बलराम मुंडा की नृशंस हत्या अत्यंत पीड़ादायक है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। इस दुःखद घड़ी में प्रदेश भाजपा पूरी तरह से शोकाकुल परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा है कि झारखंड पुलिस दोषियों को अविलंब गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित करें।

हूल दिवस पर झामुमो ने सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि

RANCHI : हूल क्रांति दिवस के अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) जिला समिति की ओर से सोमवार को कांके रोड स्थित सिदो-कान्हू उद्यान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। साथ ही सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके शौर्य और बलिदान को नमन किया गया। मौके पर पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि सिदो, कान्हू, चांद, भैरव, फूलो और झानो जैसे वीरों के अद्भुत संघर्ष ने न सिर्फ अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दी, बल्कि झारखंड के आदिवासी समाज को आत्मगौरव और अस्मिता से जोड़ने का काम किया। हूल दिवस हमारे लिए क्रांति का प्रतीक है। हम यह संकल्प लेते हैं कि चाहे हम सत्ता में हों या नहीं, राज्य के लोगों के हक-अधिकार की लड़ाई निरंतर जारी रहेगी।

आज राजधानी के कई इलाकों में बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

RANCHI : विद्युत सब स्टेशन-रांची सदर से निकलने वाले 11 केवी चडरी फीडर में एक जुलाई को दोपहर दो बजे से चार बजे तक यूजी केबल से संबंधित कार्य किया जाएगा। इसलिए इस दौरान थड़पखना, एचबी रोड, चडरी, बीएसएनएल सहित विभिन्न मोहल्लों की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी सोमवार को जिला प्रशासन की ओर से जारी की गई है। विद्युत सब स्टेशन शक्ति उपकेंद्र-पॉलिटेक्निक से निकलने वाले 11 केवी मेन रोड फीडर में भी एक जुलाई की सुबह 10.30 बजे से 12.30 बजे तक यूजी केबल से संबंधित कार्य किया जाएगा। इसलिए इस दौरान अंजुमन कॉलोनी, कोनका रोड, कोनका सीरमटोली, सेंट्रल स्ट्रीट, इमली टोला, चर्च कॉम्प्लेक्स, सैनिक मार्केट, बेलियर अपार्टमेंट, राज हॉस्पिटल, रोसपा टावर, कैपिटल हिल सहित विभिन्न इलाकों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इस संबंध में जिला प्रशासनिक की ओर से संबंधित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से बिजली से जुड़े जरूरी काम उक्त समय से पूर्व करने की अपील की गई है।

सदर में लगी मैमोग्राफी मशीन, बीपीएल वाले मरीजों का फ्री टेस्ट

PHOTON NEWS RANCHI : महिलाओं में बढ़ते ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को देखते हुए रांची सदर अस्पताल में सोमवार को डिजिटल मैमोग्राफी मशीन 'वीनस डीआरवी प्लस' का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि डीजी रोटेरियन बिपिन चाचन, फर्स्ट लेडी रोटेरियन शिल्पी चाचन, रोटरी अध्यक्ष गौरव बागरॉय, सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार, डिप्टी सुपरिटेंडेंट डॉ. विमलेश सिंह ने संयुक्त रूप से मशीन का उद्घाटन किया। यह मशीन रोटरी क्लब ऑफ रांची ने उपलब्ध कराई है, जिसकी कीमत लगभग 45 लाख रुपये है। इसका उद्देश्य महिलाओं को सस्ते दर पर ब्रेस्ट कैंसर की शुरूआती जांच की सुविधा देना है। ऐसे में बीपीएल और आयुष्मान वाले मरीजों का फ्री में टेस्ट किया जाएगा। वहीं 1100 रुपये में सामान्य मरीजों की जांच की जाएगी। सिविल सर्जन ने बताया कि हमलोगों ने रोटरी से रिक्वेस्ट किया था। इसके बाद ये मशीन डोनेट की गई है। वहीं रोटरी के गवर्नर बिपिन चाचन ने कहा कि रोटरी क्लब रांची के प्रेसिडेंट गौरव बागरॉय का इसमें अहम रोल है। उन्होंने इसके लिए लगातार प्रयास किया। वहीं मरीजों के हित को देखते हुए ये मशीन हमलोगों ने सदर में इंस्टॉल कराया है। जिससे आर्थिक से रूप से कमजोर लोग भी ब्रेस्ट कैंसर के लिए स्क्रीनिंग करा सकेंगे। इस दौरान लेटेस्ट कंप्यूटर मशीन और एक वाटर प्यूरीफायर भी सदर को डोनेट किया गया।

सामान्य रोगियों के लिए निर्धारित की गई है 1100 रुपये की जांच राशि

उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित डॉक्टर व अतिथि • फोटोन न्यूज

कुछ मिनटों में मिलेगी रिपोर्ट

मशीन का उद्घाटन डीजी रोटेरियन बिपिन चाचन, शिल्पी चाचन, रोटरी अध्यक्ष गौरव बागरॉय और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने किया। उद्घाटन के दौरान बताया गया कि यह मशीन जांच के परिणाम कुछ ही मिनटों में दे सकती है। यह फुल फील्ड डिजिटल मैमोग्राफी तकनीक पर आधारित है, जो मात्र 10 सेकंड में उच्च गुणवत्ता वाली इमेज तैयार कर सकती है। इसमें दर्दरहित जांच के लिए विशेष कंप्रेशन पैडल्स भी लगाए गए हैं। बिपिन चाचन ने कहा कि 40 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं में स्तन कैंसर का खतरा अधिक होता है। प्रारंभिक जांच से इलाज आसान हो जाएगा। वहीं गौरव बागरॉय ने बताया कि यह प्रोजेक्ट आरोग्यम बैटलिंग ब्रेस्ट कैंसर के तहत लगाया गया है, जिसमें दक्षिण कोरिया के रोटरी क्लब का सहयोग रहा है।

तकनीकी स्टाफ को दी जाएगी ट्रेनिंग

सदर अस्पताल में अब बीपीएल व आयुष्मान भारत कार्डधारकों के लिए जांच निःशुल्क होगी, जबकि अन्य मरीज सिर्फ 1100 में जांच करवा सकते हैं। इस मशीन के संचालन और रख-रखाव के लिए आने वाले तीन वर्षों तक चिकित्सकों और तकनीकी स्टाफ को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

इनकी रही मौजूदगी

इस अवसर पर डॉ. प्रीतीश प्रणय, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. अंबुज, डॉ. मुक्ता अग्रवाल, डॉ. आरके सिंह, डॉ. शिल्पी तिग्गा, डॉ. वंदिता, डॉ. सुजाता, डॉ. अखिलेश झा के अलावा क्लब के असिस्टेंट गवर्नर दीपक श्रीवास्तव, भंडारी लाल, मुकेश तनेजा, मनोज तिवारी, सुरेश साबू, रविंदर सिंह चड्ढा, ललित त्रिपाठी, प्रवीण राजगढ़िया, अमित अग्रवाल, ख्याति मुंजाल, जसदीप सिंह, आभा बागरॉय समेत अन्य मौजूद थे।

आयोग को समय-सीमा निर्धारित कर शपथ पत्र दायर करने का मिला निर्देश

सहायक आचार्य परीक्षा : जेएसएससी पर हाईकोर्ट ने जताई सख्त नाराजगी

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में प्रसिद्ध अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। खंडपीठ ने प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा की प्रगति रिपोर्ट पर सख्त नाराजगी जाहिर की। खंडपीठ ने कहा कि जेएसएससी (झारखंड कर्मचारी चयन आयोग) निर्धारित शेड्यूल से काफी पीछे चल रहा है। जेएसएससी को समय सीमा निर्धारित करते हुए शपथ पत्र दायर करने का निर्देश दिया गया। इस मामले की अगली सुनवाई 2 जुलाई को होगी। बता दें कि जेएसएससी ने पहले 26,000 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों की नियुक्ति के लिए समय-सीमा देने का आग्रह किया था, लेकिन उसके अनुसार भी नियुक्ति प्रक्रिया में प्रगति नहीं हुई।

परीक्षा की प्रगति रिपोर्ट से जुड़ा है केस, कल ही होगी मामले की अगली सुनवाई

जेएसएससी पेपर लीक : मास्टरमाइंड शशि भूषण दीक्षित को नहीं मिली बेल

झारखंड हाईकोर्ट ने पिछले वर्ष हुई जेएसएससी सीजीएल परीक्षा से जुड़े पेपर लीक के मास्टरमाइंड शशि भूषण दीक्षित को बेल देने से इनकार कर दिया है। सोमवार को शशि भूषण की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी। शशि भूषण की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के विशेष लोक अभियोजक विनीत वशिष्ठ ने जमानत याचिका का पुरजोर विरोध किया। पेपर लीक गिरोह के सरगना संदीप त्रिपाठी उर्फ शशिभूषण दीक्षित को 28 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। इसकी गिरफ्तारी गोरखपुर से हुई थी। उसके पास से जेएसएससी-सीजीएल के कुछ परीक्षार्थियों के नाम की सूची, पैसा लेने से संबंधित डिजिटल साक्ष्य और गिरोह के अन्य सदस्यों से संपर्क होने से संबंधित साक्ष्य बरामद हुए थे।

शराब घोटाले में आरोपी विनय सिंह को फिलहाल कोर्ट से राहत नहीं

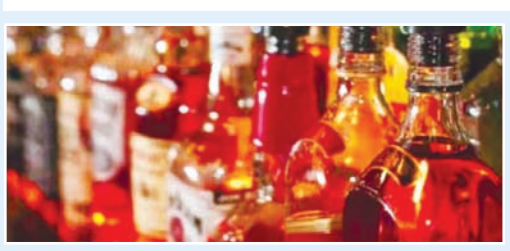

RANCHI : शराब घोटाले में आरोपित निलंबित आईएएस अधिकारी विनय चौबे के करीबी और रांची के प्रसिद्ध ऑटोमोबाइल कारोबारी विनय सिंह की अग्रिम जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई। इस मामले में आज एसीबी के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार सिंह की अदालत में सुनवाई हुई। इसमें एसीबी ने केस डायरी जमा करने के लिए समय मांगा। कोर्ट ने एसीबी के इस आग्रह को स्वीकार कर लिया। साथ ही अदालत ने विनय सिंह के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई है। एसीबी विनय सिंह के खिलाफ पूर्व में वारंट ले चुका है। शराब घोटाला की जांच में एसीबी ने विनय सिंह को नोटिस देकर पूछताछ के लिए बुलाया था। लेकिन विनय सिंह अब तक एसीबी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए हैं। उल्लेखनीय है कि झारखंड में एसीबी शराब घोटाला की जांच कर रही है। यह मामला 38 करोड़ रुपए से अधिक के शराब घोटाले से जुड़ा है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मामले में विनय कुमार चौबे एवं गजेंद्र सिंह, सुधीर कुमार दास, सुधीर कुमार और नीरज कुमार सिंह सहित एक छत्तीसगढ़ के कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया को गिरफ्तार किया था। फिलहाल सभी न्यायिक हिरासत में है।

झारखंड में लगातार बारिश से हो रहे नुकसान पर है सरकार की नजर : हेमंत सोरेन

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि शुरूआत से ही बारिश की तीव्रता चिंता का विषय है। यह बदलाव पर्यावरण के दृष्टिकोण से हो रहे हैं। इन बदलावों से प्रभावित होने और नुकसान उठाने वाले लोगों पर सरकार की नजर है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से राज्यवासियों से कहा है कि मानसून की शुरूआत में ही झारखंड में हो रही लगातार बारिश चिंता का विषय है। बारिश के कारण प्रभावित होने और नुकसान उठाने लोगों के साथ सरकार खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा है कि झारखंड में मानसून अभी शुरू ही हुआ है और शुरूआत से ही बारिश की तीव्रता चिंता का विषय है। यह बदलाव पर्यावरण के दृष्टिकोण से हो रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि झारखंड में मानसून के शुरूआत से ही लगातार बारिश हो रही है, जिससे झारखंड के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। ऐसी परिस्थिति में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोशल मीडिया के माध्यम एक वीडियो साझा कर राज्यवासियों को आश्वस्त किया है कि सरकार उन सभी लोगों के साथ खड़ी है, जो इस बारिश में प्रभावित हुए हैं। और वे सभी सरकार की निगरानी में हैं।

वियतनाम से बेहतर निवेश की उम्मीद के साथ लौटा चैंबर का प्रतिनिधिमंडल

PHOTON NEWS RANCHI : वियतनाम के व्यवसायिक दौरे पर गए फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार को रांची लौट आया।

इस मौके पर चैंबर के पूर्व अध्यक्ष केके पोद्दार और प्रवीण जैन छाबड़ा ने बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि चैंबर की इस पहल से वियतनाम के साथ व्यापारिक और निवेश साझेदारियां मजबूत होंगी और झारखंड के उद्योग-निवेश को नए अवसर मिलेंगे। वहीं चेंबर महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि हमें भरोसा है कि आनेवाले वर्षों में वियतनाम के साथ हमारे व्यापारिक संबंध और अधिक मजबूत होंगे। इससे राज्य के उद्यमियों को नई संभावनाएं प्राप्त होंगी। उन्होंने निर्यात के नए अवसरों पर भी अनुभव साझा किया। चेंबर के पूर्व अध्यक्ष पवन शर्मा और रंजीत गाड़ोदिया ने इस दौरे को राज्य के लिए ऐतिहासिक कदम बताते हुए झारखंड के उद्योग-व्यवसाय को नई राह देनेवाला बताया।

निवेश और औद्योगिक सहयोग की रखी नींव : अलंग

सह सचिव नवजोत अलंग ने कहा कि इस व्यावसायिक यात्रा ने झारखंड और वियतनाम के बीच व्यापार, निवेश और औद्योगिक सहयोग की नींव रखी है। भविष्य में इससे राज्य के उद्यमियों को बहुपक्षीय लाभ मिलने की उम्मीद है। इंचैम हनोई, वियतनाम के साथ हुए एमओयू को ऐतिहासिक बताते हुए कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने कहा कि यह साझेदारी झारखंड और वियतनाम के बीच व्यापार, निवेश और सांस्कृतिक सहयोग को खूब बढ़ावा मिलेगा।

गुरुजी के स्वास्थ्य लाभ के लिए झामुमो ने किया हवन

RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रांची जिला समिति की ओर से सोमवार को रातु रोड स्थित मां दुर्गा मंदिर में गुरूजी शिबू सोरेन के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए हवन-पूजन का आयोजन किया गया। अनुष्ठान में पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भाग लिया और गुरुजी की कुशलता के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम में उपस्थित पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि गुरुजी झारखंड आंदोलन की आत्मा हैं। राज्य की जनता उनके शीघ्र स्वस्थ होकर लौटने की कामना कर रही है। यह हवन हमारी आस्था और श्रद्धा का प्रतीक है। हवन-पूजन के संचालन में आशुतोष वर्मा और विक्की यादव ने प्रमुख भूमिका निभाई।

गृह मंत्री के समक्ष मंत्री ने की झारखंड के लिए विशेष आर्थिक सहायता की मांग

PHOTON NEWS RANCHI : कृषि और सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सोमवार को दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष पर आयोजित सहकार से समृद्धि नामक राष्ट्रीय मंथन कार्यक्रम में झारखंड की सहकारिता क्षेत्र की चुनौतियों और जरूरतों को मजबूती से उठाया। उन्होंने केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में कहा कि झारखंड सहकारिता के क्षेत्र में पिछड़ा हुआ राज्य है और इसे विशेष नीति और आर्थिक सहयोग की आवश्यकता है। मंत्री ने बताया कि राज्य में वर्तमान में 4,400 एमपीसीएस कार्यरत हैं, जिनमें अधिकांश आर्थिक रूप से कमजोर हैं। राज्य सरकार इन्हें चार श्रेणियों में बांटते हुए अब तक 28 करोड़ रुपये वर्किंग कैपिटल के रूप में दे चुकी है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि झारखंड के कुछ चयनित एमपीसीएस को वर्किंग कैपिटल मुहैया कराकर उन्हें सुदृढ़ किया जाए। गोदाम निर्माण पर बात करते हुए मंत्री ने कहा कि झारखंड को भंडारण क्षमता में 57 प्रतिशत की कमी का सामना करना पड़ रहा है। पैक्स के पास 10 प्रतिशत अंशदान की भी सामर्थ्य नहीं है, ऐसे में केंद्र को 100 प्रतिशत अनुदान देकर गोदाम का निर्माण करना चाहिए। कार्यक्रम में धान की एमएसपी को वैधानिक दर्जा देने, एनसीसीटी ट्रेनिंग सेंटर के रूप में फुदी सेंटर के विकास और झारखंड में नाफेड का रीजनल सेंटर स्थापित करने की मांग भी मंत्री ने रखी।

जर्जर भवनों को देखते हुए रांची नगर निगम तैयार कर रहा प्लान

ब्रांबे में 200 से अधिक परिवारों को दिया जाएगा नया आशियाना

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी के ब्रांबे एरिया में जर्जर मकानों में रहने वाले परिवारों के लिए राहत की उम्मीद जागी है। रांची नगर निगम ने 200 से अधिक ऐसे परिवारों की पहचान कर ली है, जिन्हें नया आशियाना बनाकर दिया जाएगा। वहां पर उन्हें सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। फिलहाल वहां रहने वाले लोगों को वैकल्पिक आवास मुहैया कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, ताकि जर्जर भवन में उन्हें रहना न पड़े।

बरसात और भवनों की खस्ता हालत को देखते हुए जिला प्रशासन और नगर निगम ने संयुक्त रूप से यह निर्णय लिया है, ताकि किसी भी संभावित हादसे को रोका जा सके। कुछ दिन पहले ही नगर निगम ने ब्रांबे के कई जर्जर मकानों पर नोटिस चिपका कर भवन खाली करने का निर्देश दिया था। इन भवनों की हालत इतनी खराब है कि किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।

- 3 हजार लोग रह रहे ब्रांबे आवास में, बहुत पुराने हो चुके हैं भवन
- जर्जर मकानों पर नोटिस चिपका कर भवन खाली करने का दिया गया था निर्देश

निगरानी टीमों को किया गया तैनात

वहां लोगों ने अपने वर्षों पुराने ठिकाने छोड़ने पर चिंता जाहिर की है। उनका कहना है कि यहां से उनकी आजीविका, परिवार और सामाजिक जीवन जुड़ा है, इसलिए वे जल्दबाजी में हटने को तैयार नहीं हैं। इसे देखते हुए निगम ने फिलहाल निगरानी टीमों को क्षेत्र में तैनात कर दिया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके। वहीं नगर निगम के जनसंपर्क पदाधिकारी गौतम कुमार साहू ने जानकारी दी कि ब्रांबे के प्रभावित परिवारों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की तैयारी की जा रही है। जब तक नए मकान नहीं बनते, तब तक सुरक्षित स्थान पर इन परिवारों को अस्थायी रूप से शिफ्ट करने की योजना तैयार है।

नए भवन में ये सुविधाएं देने की हो रही तैयारी

प्रशासन की योजना के अनुसार स्थायी मकानों में पेयजल, सीवरेज और ड्रेनेज जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी ताकि लोगों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन मिल सके। निगम का दावा है कि जल्द ही निर्माण का खाका तैयार कर कार्य शुरू किया जाएगा, हालांकि निर्माण की तारीख और अवधि स्पष्ट नहीं है। वहीं बॉम्बे भवन में रहने वाले लोगों में इस फैसले को लेकर कुछ लोगों में खुशी है तो कुछ नाराज हो गए हैं। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि परिवारों को जबरन नहीं हटाया जाएगा और पूरी प्रक्रिया सहमति से की जाएगी।

उषा मार्टिन के एमडी राजीव झंवर ने सीबीआई कोर्ट में सरेंडर किया पासपोर्ट

RANCHI : मनी लॉन्ड्रिंग और माइंस घोटाला के आरोपित उषा मार्टिन के एमडी राजीव झंवर ने सोमवार को रांची सीबीआई की विशेष कोर्ट में अपना पासपोर्ट सरेंडर कर दिया। पिछले दिनों उन्होंने विदेश यात्रा के लिए कोर्ट से अपना पासपोर्ट विमुक्त कराया था। विदेश यात्रा से वापस आने के बाद उन्होंने अपना पासपोर्ट वापस कोर्ट के जमा कर दिया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई ने उषा मार्टिन के खिलाफ 190 करोड़ से जुड़े आयरन ओर केस में चार्जशीट दायर की है। उषा मार्टिन ग्रुप और उसके अधिकारियों के खिलाफ आयरन ओर की खदान में गड़बड़ी करने को लेकर शुरूआत में सीबीआई ने केस दर्ज किया था।

प्रतिभावान छात्रों और शिक्षकों को किया गया सम्मानित

PHOTON NEWS RANCHI : पासवा की ओर से गंगा प्रसाद बुधिया सरस्वती विद्यालय, मोरहाबादी में कक्षा 10 वीं के टॉपर्स विद्यार्थियों के लिए सोमवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने विद्यालय के प्रतिभावान छात्रों को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जीवन में हम सब कुछ कर सकते हैं, लेकिन स्कूल दोबारा नहीं जा सकते। वह समय बीत चुका होता है। स्कूल ही वह स्थान है जहां जीवन के पहले संस्कार, अनुशासन और सामाजिक मूल्यों की नींव रखी जाती है। कार्यक्रम में 90 प्रतिशत या उसके आसपास नंबर लानेवाले छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में हीना परवीन, माल्वी कुमारी पाहन, आशुतोष कश्यप, सोहेल अली, आयुष कुमार, अनन्या कुमारी, नितेश मुंडा,तान्या कुमारी, बबली कुमारी यादव,यश राज को सम्मीानित किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य आशीष कुमार झा, उप-प्रधानाचार्य आनंद कुमार मिश्रा, वरिष्ठ शिक्षिका पूजा ठाकुर ने स्कूल परिवार की ओर से सभी अतिथियों का स्वागत किया।

स्वर्णरेखा व खरकई नदी खतरे के निशान से ऊपर

किनारे के इलाके डूबे, मानगो में खुला फ्लड कंट्रोल रूम, डीसी ने लिया जायजा

PHOTON NEWS JSR : लगातार हो रही बारिश से जमशेदपुर में स्वर्णरेखा और खरकई नदियां उफान पर हैं। सोमवार को सुबह में स्वर्णरेखा नदी खतरे के निशान से .10 मीटर ऊपर बह रही है, जबकि, खरकई 1.87 मीटर ऊपर थी। इससे नदी तट के इलाके डूब गए हैं। बागबेड़ा में नदी किनारे की कई बस्तियां डूब गई हैं। बागबेड़ा, जुगसलाई, शास्त्रीनगर, मानगो और भुइयांडीह क्षेत्र में कई मकानों में पानी भर गया है। मानगो में फिर कई अपार्टमेंट के बेसमेंट पानी में डूब गए हैं। नगर निकायों की लापरवाही से हर तरफ हाहाकार है। डिमना डैम के भर जाने के बाद इसके दो फाटक खोलने पड़े हैं। मानगो में बाढ़ की भयंकर स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन को फ्लड कंट्रोल रूम खोलना पड़ा है।

मानगो में इस साल अब तक नाला सफाई नहीं की गई है। इस वजह से यहां कई बस्तियों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। मानगो के आजादनगर इलाके में जाबिर पुल के ऊपर से पानी बह रहा था। हड्डी गोदाम समेत कई इलाके पानी में डूब गए। वारिस कालोनी में भी पुल के ऊपर से पानी बह रहा था। जिला प्रशासन बार बार मानगो में नाला सफाई कराने के निर्देश दे रहा है। डीसी ने सोमवार को मानगो नगर निगम के उप नगर आयुक्त को नालों की सफाई कराने का निर्देश दिया मगर, अधिकारियों के कान पर जूं नहीं रेंग रही है। नगर निगम के अधिकारी सोच रहे हैं कि कुछ दिन की बात है। जहां बरसात खत्म हो गई तो फिर नाला नहीं साफ होने का मुद्दा दब जाएगा। इसीलिए अब तक नाले की सफाई नहीं कराई जा रही है। छिटपुट यहां वहां काम हो रहा है। मानगो के जवाहर नगर रोड नंबर 15 से चेपा पुल तक सड़क

स्वर्णरेखा नदी का जायजा लेते उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी (दाएं) ● फोटोन न्यूज

डीसी ने किया मानगो इलाके का निरीक्षण

लगातार हो रही भारी बारिश से जर्जर हालात का सामना कर रहे जमशेदपुर के मानगो क्षेत्र का सोमवार को उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने निरीक्षण किया। उन्होंने स्वर्णरेखा नदी के तटीय इलाकों और जलजमाव से प्रभावित निचले क्षेत्रों का दौरा कर हालात की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उप नगर आयुक्त कृष्ण कुमार भी मौजूद रहे।

किनारे का लंबा नाला अब तक साफ नहीं कराया गया है। यह नाला कागजों पर हर साल साफ होता है मगर, जमीन पर काम नहीं हो पा रहा है।

उपायुक्त ने मौके से ही नगर निकाय के पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि जलभराव से उत्पन्न किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पंप सेट, ट्रैक्टर और सफाईकर्मियों की टीम अलर्ट मोड पर रहनी चाहिए। साथ ही उन्होंने सभी नालों की नियमित सफाई, तटीय क्षेत्रों के लोगों को सतर्क करने और कंट्रोल रूम को 247 एक्टिव रखने का निर्देश दिया।

मानगो नगर निगम में बाढ़ कंट्रोल रूम

सुबह 6 से दोपहर 2 बजे तक : 7004549847
दोपहर 2 से रात 10 बजे तक : 9031542938
रात 10 से सुबह 6 बजे तक : 7488676759
इसके अलावा जिला स्तरीय आपात नंबर 0657-2444233 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

स्वर्णरेखा नदी मानगो ब्रिज पर

खतरे का निशान - 121.50 मीटर
वर्तमान जलस्तर - 121. 60 मीटर

खरकई नदी आदित्यपुर ब्रिज पर

खतरे का निशान- 129 मीटर
वर्तमान जलस्तर -130 .65 मीटर

खानकाह रोड पर गिरा बिजली का पोल

इसी बीच मानगो उलीडीह खनका रोड पर बारिश के दौरान एक बिजली का पोल गिरने से पूरे इलाके में आवागमन 24 घंटे से बाधित है। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग से शिकायत की, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई है। गिरा हुआ पोल बारिश में भीग चुका है, जिससे करंट लगने का खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय लोगों ने पूर्व भाजपा नेता विकास सिंह को इस बाबत जानकारी दी। विकास सिंह ने बिजली विभाग के वरीय अधिकारियों को घटनास्थल की तस्वीरें भेजते हुए चेतावनी दी कि लोग जान जोखिम में डालकर मजबूरी में सड़क पार कर रहे हैं। उन्होंने विभाग से तुरंत कार्रवाई की मांग की ताकि जानलेवा खतरे से लोगों को राहत मिल सके।

बारिश में बह गई पावड़ा गांव के तालाब की मेड़

GHATSILA : पावड़ा गांव स्थित तालाब के मेड़ का एक हिस्सा रविवार को बारिश से बह गया। मेड़ बहने से गांव में अफरा तफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पंचायत प्रतिनिधि एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी यूनिका शर्मा को दी। सूचना मिलते हैं तत्काल पंचायत प्रतिनिधियों के साथ पदाधिकारी गांव पहुंचे। हालांकि इस घटना में किसी तरह की जान-माल की हानि नहीं हुई है। तालाब का पानी खेतों में बह गया। बाद में जिला परिषद सदस्य करण सिंह उर्फ टिंकू ने तालाब के मेड़ की मरम्मत करने की दिशा में पहल शुरू की। ग्रामीणों ने कहा कि यदि रात में यह घटना होती तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। इसी मेड़ के रास्ते से पावड़ा गांव से काफी लोग रेलवे स्टेशन और बाजार आते-जाते हैं। ऐसे लोग इसके शिकार हो सकते थे। हालांकि यह तालाब राजा जगदीशचंद्र धवल देव की निजी जमीन पर बनाया गया था।

समाचार सार

राजेंद्र विद्यालय में 130 यूनिट रक्त संग्रह

JAMSHEDPUR : साकची स्थित राजेंद्र विद्यालय में सोमवार को केदारनाथ सिंह शर्मा की पुण्यतिथि पर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। आयोजकों के अनुसार, इसमें 130 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। शिविर का उद्घाटन जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने किया, जबकि इस अवसर पर बिहार एसोसिएशन के महासचिव सीपीएन सिंह, उपाध्यक्ष डॉ. एसके सिंह, विद्यालय की प्रधानाचार्या अनिता तिवारी, उप प्रधानाचार्या किरण सिन्हा, बीए इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. संजय कुमार रॉय, व राजेंद्र विद्यालय की घुटिया शाखा की प्राचार्य खुशबू ठाकुर भी उपस्थित थीं।

शिबू सोरेन के लिए कंसरा मंदिर में हुई पूजा

CHAIBASA : पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान राज्यसभा सदस्य शिबू सोरेन की सलामती के लिए झामुमो कार्यकताओं ने माता कंसरा मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। सोरेन दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती हैं। अनुष्ठान में विधायक सुखराम उरांव के प्रतिनिधि पीरू हेम्ब्रम, विधायक प्रतिनिधि सह स्थानीय नकटी पंचायत के मुखिया मिथुन गागराई, दिनेश जेना, वेद प्रकाश दास, अरूप चटर्जी, सुनील लागुरी, भीमसेन केराई, दुम्बी सुरेन, सुभाष कलिंदी आदि शामिल रहे।

आवारा कुत्तों ने सब्जी विक्रेता को किया घायल

JAMSHEDPUR : मानगो स्थित सहारा सिटी में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा मामले में सोमवार को सब्जी बेचने आए राजू पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। कुत्तों के काटने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वह एमजीएम अस्पताल में इलाज चल रहा है। स्थानीय निवासी धीरज झा ने तत्काल मामले की जानकारी पूर्व भाजपा नेता विकास सिंह को दी। धीरज झा ने बताया कि कॉलोनी के लोग खासकर अपने छोटे बच्चों को अब डर के कारण बाहर नहीं निकलने दे रहे हैं। इस घटना से लोगों में दहशत का माहौल है।

सिदगोड़ा में मिली युवती को पुलिस ने मां से मिलाया

JAMSHEDPUR : सिदगोड़ा में पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवती बारीडीह चौक पर है। उसके कपड़े अस्त-व्यस्त हैं। इस पर पुलिस फौरन मौके पर पहुंची और युवती को थाने लाया गया। युवती के बारे में काफी चर्चा चल रही थी। पुलिस ने युवती को मेडिकल जांच के लिए भेजा। जहां डाक्टरों ने पुलिस को बताया कि युवती ठीक-ठाक है। इसके बाद पुलिस ने पता लगाया तो पता चला कि युवती की मां बैकुंठ नगर में रहती है। तब जाकर युवती को उसकी मां के सुपुर्द कर दिया गया।

झाड़ियों में मिला महिला का शव, हत्या की आशंका

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोन्टो थाना क्षेत्र अंतर्गत दुड़िरता गांव के समीप एक महिला की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। सोमवार की सुबह यहां सड़क किनारे झाड़ियों में लहूलुहान महिला का शव ग्रामीणों ने देखा था। उन्होंने इसकी सूचना टोन्टो थाना की पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की छानबीन शुरू कर दी। महिला का शव मिलने की सूचना आसपास के गांवों में आग की तरह फैल गई। पुलिस लोगों से पूछताछ के बाद भी मृतक महिला की पहचान नहीं कर सकी है। मृतक महिला की उम्र लगभग 50 वर्ष है।आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या कहीं और की गई और उसके बाद उसके शव को लाकर सड़क किनारे यहां फेंक दिया गया। मृतक महिला के सिर पर गंभीर जख्म हैं। फिलहाल टोन्टो थाना की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा स्थित सदर अस्पताल भेजा दिया है।

शहर के रंगकर्मियों ने शिमला में जीता राष्ट्रीय नाट्य पुरस्कार

बिष्टुपुर स्थित जी टाउन क्लब में रंगकर्मियों को सम्मानित करतीं रागिनी भूषण

JAMSHEDPUR : शहर की नाट्य संस्था डेट के कलाकारों ने शिमला में आयोजित राष्ट्रीय नाटक प्रतियोगिता में पुरस्कार जीता। असगर वजाहत द्वारा लिखित नाटक 'जिन लाहौर नई देख्यां वो जन्मेई नई' का मंचन किया था। इसका निर्देशन अनुज प्रसाद ने किया। इस नाटक ने हिमाचल प्रदेश के शिमला एवं सोलन में नाटक के राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सफलता के झंडे गाड़ दिए। 29 प्रांतों की 32 टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया था, जिसमें इस नाटक को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वहां से लौटने पर बिष्टुपुर स्थित जी टाउन क्लब में नाटक के कलाकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अमेरिका से पधारीं मुख्य अतिथि डेट की अध्यक्ष रेणुका सिंह, विशिष्ट अतिथि उपाध्यक्ष डॉ. प्रसेनजित तिवारी, समाजसेवी विजय सिंह राणा, शिक्षाविद जूही समर्पिता, वरिष्ठ रंगकर्मी हरि मित्तल, निजाम खान आदि उपस्थित थे।

वज्रपात से नौ भेड़ों की मौत, प्रशासन से लगाई मुआवजे की गुहार

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर प्रखंड अंतर्गत ढीपा पंचायत के ग्राम बड़पोस में वज्रपात से नौ भेड़ों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, रविवार की रात बड़पोस गांव निवासी शत्रुघन महतो के घर के बाहर भेड़ बंधे हुए थे। इसी बीच रात में बारिश के बीच जोरदार आवाज के साथ वज्रपात हुआ, जिससे 9 भेड़ों की मौत हो गई, जबकि तीन भेड़ बच गए। सोमवार सुबह घटना की सूचना मिलते ही ढीपा पंचायत के मुखिया अशोक बंदा ने घटनास्थल का जायजा लिया और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर मुआवजे का भरोसा दिलाया। मुखिया ने प्रशासन से क्षतिपूर्ति का मुआवजा दिलाने और इसकी लिखित सूचना स्थानीय प्रशासन को देने का आश्वासन दिया है। बता दें कि पीड़ित शत्रुघ्न महतो का जीवनयापन भेड़ से ही चलता है। इस घटना से उस पर आफत आ गई है। इससे पहले मनोहरपुर प्रखंड के गंगदा पंचायत के लेमरे गांव में वज्रपात से 12 मवेशियों की मौत हुई थी।

वाटर हार्वेस्टिंग पिट में तब्दील होंगी बागबेड़ा की 500 डेड बोरिंग

सुखी हुई बोरिंग का स्थल दिखाते सुबोध झा व अन्य

MUJTABA RIZVI @ JSR : बागबेड़ा में हैंडपंप की 500 डेड बोरिंग को वाटर हार्वेस्टिंग पिट में बदलने की कवायद शुरू हो गई है। बागबेड़ा महानगर विकास समिति ने यह काम करने का बीड़ा उठाया है। समिति ने अभी हैंडपंप की तीन बोरिंग को वाटर हावेस्टिंग पिट में बदल दिया है। अभी हैंडपंप की जिन बोरिंग में वाटर हार्वेस्टिंग पिट बनाया गया है वह बागबेड़ा के शाखा मैदान, कुंवर सिंह मैदान और बजरंगी खेल मैदान में हैं। इन बोरिंग से बरसात का पानी भूगर्भ में जाने लगा है।

समिति ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग और प्रशासन को पत्र लिखा है कि वह समिति का इस काम में सहयोग करें या फिर अलग से अभियान चला कर सभी 500 डेड बोरिंग को वाटर हार्वेस्टिंग पिट में बदल दें ताकि, बागबेड़ा का भूगर्भ जलस्तर ऊपर उठ सके।

गर्मी में 600 फीट से नीचे चला गया था पानी

इस बार गर्मी में बागबेड़ा का भूगर्भ जल स्तर अभी 600 फीट के नीचे चला गया है। यहां पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने जितने भी हैंडपंप लगाए हैं उनकी बोरिंग 400 फीट से कम है। इस वजह से बागबेड़ा के सभी हैंडपंप जवाब दे चुके हैं। गर्मी में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ था। वह पानी नहीं उगल रहे हैं। बागबेड़ा महानगर विकास समिति का कहना है कि अगर इन सभी डेड हो चुकी बोरिंग में वाटर हार्वेस्टिंग पिट बना दिया जाए तो बोरिंग का अच्छा इस्तेमाल हो सकेगा। बागबेड़ा महानगर विकास समिति के अध्यक्ष सुबोध झा का कहना है कि वह लोग अब अपनी क्षमता के अनुसार लगातार डेड बोरिंग को वाटर हार्वेस्टिंग पिट बनाएंगे। अगर, प्रशासन इस काम में सहयोग करेगा तो अभियान में तेजी आएगी जिसका लाभ बागबेड़ा के भूगर्भ जल स्तर को मिलेगा।

लगातार नीचे सरक रहा है जलस्तर

बागबेड़ा का भूगर्भ जल स्तर लगातार नीचे सरक रहा है। कभी यहां 250 फीट पर पानी था। मगर इस साल यह भूगर्भ जल स्तर काफी नीचे चला गया है। सरकार ने भूगर्भ जल स्तर के मामले में बागबेड़ा को काली सूची में डाल दिया है। इसके बाद भी अब तक इलाके का भूगर्भ जल स्तर ऊंचा उठाने और स्थिति को संभालने के कोई खास प्रयास नहीं किए गए हैं।

एनएच-33 के हनुमान मंदिर में हो गई चोरी

चोरी की सूचना पर जुटे लोग ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : मानगो में एनएच-33 स्थित राम लक्ष्मण हनुमान मंदिर में रविवार की रात चोरी हो गई। मंदिर से 6000 रुपये नकद के साथ-साथ ध्वनि यंत्र (माइक सेट) भी चोरी हो गई। मंदिर के मुख्य प्रबंधक दयाकांत तिवारी ने इस घटना की जानकारी पूर्व भाजपा नेता विकास सिंह को दी। सूचना मिलने के बाद विकास सिंह मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी मानगो थाना को दी। मुख्य पुजारी सूर्यकांत पांडे ने बताया कि रात 10 बजे मंदिर का पट बंद कर सभी लोग घर चले गए थे। सुबह जब मंदिर खोला गया, तो देखा कि सारा सामान बिखरा था। अलमारी में रखा माइक सेट सहित रुपये भी गायब थे। यह सारा सामान मंदिर की नियमित आरती और संचालन में उपयोग होता था।

गोलमुरी में लगा रोलेक्स सर्कस, चलेगा एक माह

करतब दिखाते सर्कस के कलाकार ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : गोलमुरी स्थित सर्कस मैदान में सोमवार से रोलेक्स सर्कस जमशेदपुर पूर्वी क्षेत्र की विधायक पूर्णिमा दास ने कोलकाता से आए सर्कस का उद्घाटन किया। सर्कस के मैनेजर आरके सिंह ने बताया कि सर्कस में करीब 80 कर्मचारी हैं, जिसमें भारत के विभिन्न प्रदेशों के प्रतिभावान कलाकार शामिल हैं। जमशेदपुर में यह सर्कस एक महीने रहेगा। जनता की भीड़ को देखते हुए आगे बढाने पर भी विचार किया जा सकता है। सर्कस तीन शो में चलेगा जिसका समय दोपहर 1 बजे से, शाम 4 बजे से और शाम 7 बजे से निर्धारित है। टिकट की बुकिंग एडवांस में भी की जाएगी। टिकट का दर 100, 150 और 200 रुपये है। उन्होंने कहा कि सर्कस में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हैं। उद्घाटन कार्यक्रम में सर्कस के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक करतब दिखाए, जिसे देखकर दर्शक काफी आनंदित हुए।

भुइयांडीह में धूमधाम से मनाया गया हूल दिवस, बलिदानियों को अर्पित किए गए श्रद्धासुमन, खूब लगे नारे

याद किए गए सिदो-कान्हू, चांद-भैरव व फूलो-झानो

PHOTON NEWS JSR : देश की आजादी के पहले बड़े जनआंदोलनों में शुमार हूल विद्रोह की 170वीं वर्षगांठ सोमवार को जमशेदपुर के भुइयांडीह में श्रद्धा और गर्व के साथ मनाई गई।

इस अवसर पर सिदो-कान्हू चौक पर उनकी प्रतिमा पर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और सामाजिक संगठनों ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

भाजपा से जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू, कांग्रेस के ज़िला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे, झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता व पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी और जदयू एसटी मोर्चा के नेताओं सहित कई गणमान्य लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए आदिवासी समाज के इन नायकों ने जो मशाल जलाई, वह आज भी हमें अन्याय के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा देती है।

कांग्रेस नेता आनंद बिहारी दुबे ने युवाओं से अपील की कि सिदो-कान्हू और अन्य वीरों का इतिहास पढ़ना जरूरी है ताकि आजादी की असली बुनियाद को समझा जा सके।

भुइयांडीह में सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि देने पहुंचे डीसी कर्ण सत्यार्थी (दाएं)

उपायुक्त ने वीर सपूतों को किया नमन

पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने भी सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि हूल विद्रोह ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को एक नई दिशा दी। उपायुक्त ने चांद-भैरव, फूलो-झानो जैसे अन्य वीरों को भी याद करते हुए कहा कि इन महान बलिदानियों का त्याग और साहस हमें आज सामाजिक न्याय और समरसता के लिए काम करने की प्रेरणा देता है।

जद (यू) ने भी किया आयोजन, सरयू हुए शामिल

जनता दल (यूनाइटेड) एसटी मोर्चा ने बिरसानगर चौक स्थित सिदो-कान्हू स्मारक स्थल पर हूल दिवस मनाया। विधायक सरयू राय की उपस्थिति में नेताओं ने श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में जदयू नेता प्रकाश कोया ने कहा कि सिदो-कान्हू और फूलो-झानो की जीवनगाथा सदियों तक लोगों को प्रेरणा देती रहेगी।

कार्यक्रम में कुलविंदर सिंह पन्नू, सुलोचना मुंडा, राहुल सिन्हा, शंकर कर्मकार समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने हूल क्रांति के नायकों को याद कर उनके सपनों के भारत की बात की।

सांसद व विधायक ने अर्पित की श्रद्धांजलि

CHAIBASA : आदिवासी मित्र मंडल, चक्रधरपुर में सोमवार को हूल दिवस मनाया गया। इस मौके पर सांसद जोबा मांझी और खरसावां के विधायक दशरथ गागराई ने हूल विद्रोह के नायकों को श्रद्धासुमन अर्पित किया। चेताम दिशोम माझी परगना पीढ़ पोड़ाहाट सारंडा, आनंदपुर, उसूल पिंडा पोटका चक्रधरपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में हूल क्रांति के अमर नायक सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर विधायक दशरथ गागराई ने आदिवासी मित्र मंडल भवन निर्माण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यहां रेलवे की जमीन पर कई धार्मिक स्थलों का निर्माण हुआ है, लेकिन रेलवे को केवल आदिवासी मित्र मंडल के भवन पर आपत्ति है। विधायक ने कहा कि सांसद के नेतृत्व में चक्रधरपुर व मनोहरपुर के विधायक भी डीआरएम से वार्ता कर शांतिपूर्वक भवन निर्माण की मांग करेंगे। विधायक ने कहा कि अगर रेलवे आनाकानी करता है तो रेलवे ट्रैक जाम कर देंगे। एक भी आयरन ओर की मालगाड़ी जाने नहीं देंगे। सांसद ने कहा कि जल्द ही डीआरएम से वार्ता के लिए समय निर्धारित किया जाएगा। कहा कि रेलवे लीज पर भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान करता है तो यहां डीएमएफटी से नए भवन का निर्माण कराया जाएगा। इस मौके पर देश परगना छोटो मुर्मू, राजनाथ हेम्ब्रम, लांगो माझी, कालिया जामुदा, जुझार मार्डी, अंतो माझी, राम मुर्मू, गणेश बेसरा, रेशमी मार्डी, कादम्बनी माझी, सीता मुर्मू समेत काफी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंची सांसद जोबा मांझी व विधायक दशरथ गागराई

हूल दिवस पर गालूडीह से निकली बाइक रैली

GHATSILA : हूल दिवस पर रविवार को गालूडीह से बाइक रैली निकाली गई। रैली का नेतृत्व झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष दुर्गाचरण मुर्मू व विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत ने किया। रैली जोजोगोडा, जगन्नाथपुर चौक, हंदलजुड़ी फुटबॉल मैदान, कालझोर और बैतालपुर में वीर शहीद सिदो-कान्हू एवं तमाम आदिवासी वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। रैली का स्वागत हूल माहा कमेटी ने किया। विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि रैली केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि हूल क्रांति की विरासत को पुनर्जीवित करने का संकल्प है। हमारी अस्मिता, संघर्ष और बलिदान की आवाज आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी। इस मौके पर काफी संख्या में झामुमो के नेता, कार्यकर्ता व ग्रामीण उपस्थित थे।

BRIEF NEWS

आरपीएफ व उत्पाद विभाग ने 98 बोतल कफ सिरप किया बरामद

SAHARSA : बिहार में शराबबंदी कानून का सख्ती से पालन करने हेतु आरपीएफ एवं उत्पाद विभाग द्वारा सतत निगरानी की जा रही है,जिस कारण अब तक शराब एवं कफ सिरप की कई खेप में पकड़ में आया है। सोमवार को आरपीएफ उप निरीक्षक सुजीत कुमार मिश्र एवं उत्पाद निरीक्षक संजीत कुमार के साथ समपार फाटक संख्या 30 पर प्रधान आरक्षी सोनेलाल टुडू द्वारा निरीक्षण क्रम में सहरसा मानसी रेलखंड पर सर्वा ढाला समपार फाटक आउटर सिग्नल के समीप रेललाइन के पास झाड़ी सें लावारिस बैग बरामद हुआ,जिसकी संयुक्त तलाशी में 98 बोतल कोडीनयुक्त कोरेक्स बरामद किया गया। उत्पाद निरीक्षक ने बताया कि सर्वा ढाला रेल लाइन सें सटे पश्चिम झाड़ी से एक स्लेटी रंग का पिट्ठू बैग पड़ा मिला।

वार्ड संख्या 10 के उप-चुनाव में गुनेश्वर मंडल ने मारी बाजी

BHAGALPUR : नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 10 में उपचुनाव के नतीजे सोमवार को घोषित कर दिए गए। इस चुनाव में तीन प्रत्याशी के रूप में गुनेश्वर मंडल, वहीदा प्रवीण और शाहिदा खातून ने पार्षद पद के लिए चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमाई थी। आज सदर एसडीओ कार्यालय के सभागार में संपन्न मतगणना के दौरान गुणेश्वर मंडल ने अपने दोनों प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए 238 मतों से शानदार जीत दर्ज की।

परिणाम घोषित होते ही उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। समर्थकों ने विजयी प्रत्याशी को फूल मालाओं से लाद दिया और गुलाल लगाकर जीत का जश्न मनाया। गुनेश्वर मंडल ने जीत के बाद कहा कि पहले मेरे बेटे जीवन मंडल वार्ड संख्या 10 के पार्षद थे। लेकिन बीपीएससी शिक्षक पद पर नौकरी लगने के बाद उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

दो ट्रकों के आमने-सामने की टक्कर में चालक व सह-चालक जख्मी

BHAGALPUR : भागलपुर खगड़िया मुख्य मार्ग पर भवानीपुर-पसराहा सीमा क्षेत्र के समीप सोमवार को दो ट्रकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस घटना में दोनों वाहनों के सामने का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं चालक और सह चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पसराहा पुलिस मौके पर पहुंच गई। उसके बाद ट्रक में फंसे चालक और सहचालक को बाहर निकालकर उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणपुर में भर्ती कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद घायल की गम्भीर स्थिति देखते हुए चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए भागलपुर मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि बांका जिला के सह चालक अंकज कुमार झारखंड से ट्रक में गिट्टी लोड कर खगड़िया जा रहे थे।

पटना में उमस भरी गर्मी, कई जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी

अधिकतम तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस की आ सकती है कमी

AGENCY PATNA : बिहार में मानसून की सक्रियता के साथ मौसम में तेजी से बदलाव देखा जा रहा है। राज्य के अधिकांश जिलों में हल्की या मध्यम दर्ज से बारिश हो रही है। इससे कई जिलों में लोगों ने गर्मी से राहत महसूस की है। राजधानी पटना में सोमवार सुबह से धूप निकली और आठ बजे के बाद कुछ समय हुई हल्की बारिश से मौसम उमस भरा रहा।

नालंदा, अररिया और पटना के कुछ इलाकों में आज बारिश होने से इन जिलों का मौसम काफी सुहावना हो गया है। किशनगंज और जमुई में सुबह से ही बादल छाए हुए हैं और मौसम विभाग ने जल्द ही यहां बारिश की भी संभावना जतायी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बिहार के लगभग सभी जिलों के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के अनुसार 19 जिलों में ऑरेंज अलर्ट और 19 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। ऑरेंज अलर्ट वाले जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी है, जबकि येलो अलर्ट वाले जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। इनमें पटना, नालंदा, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल, कटिहार, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास और औरंगाबाद शामिल हैं। बारिश के कारण तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट की उम्मीद है, हालांकि उमस बनी ही रहेगी।

मौसम विभाग ने 2 जुलाई तक दक्षिण बिहार में भयंकर बारिश की आशंका जताई है। खासकर गया, नवादा, औरंगाबाद, रोहतास और कैमूर जैसे जिलों में। तेज आंधी (40-60 किमी/घंटा) और वज्रपात का भी खतरा बना रहेगा।

आईएमडी ने लोगों से अपील की है कि वे खराब मौसम में खुले खेतों, पेड़ों के नीचे या ऊंचे स्थानों पर न जाएं और सुरक्षित स्थानों पर ही रहें।

कस्टम क्षेत्र में आता है यह लैंड, अधिकारियों ने निर्माण कार्य रोकने का किया प्रयास

भारत-नेपाल मैत्री पुल पर एसएसबी पोस्ट निर्माण को लेकर बढ़ा विवाद

निर्माण स्थल पर उपस्थित दोनों देशों के अधिकारी

AGENCY EAST CHAMPARAN : भारत-नेपाल सीमा पर स्थित मैत्री पुल के पैदल यात्री फुटपाथ पर उस समय तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई जब सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 47वीं बटालियन के जवानों ने नए पोस्ट निर्माण का कार्य शुरू किया। यह स्थान भारत के लैंड कस्टम क्षेत्र में स्थित है। निर्माण कार्य की सूचना मिलते ही कस्टम अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर इसे अवैध बताते हुए कार्य को रोकने का प्रयास किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लैंड कस्टम एरिया में किसी अन्य एजेंसी को बिना अनुमति के न तो निर्माण का अधिकार है और न ही वहां स्थायी रूप से तैनात होने का वैधानिक अधिकार है।

इस बीच, बड़ी संख्या में एसएसबी जवान हथियारों के साथ मौके पर पहुंच गए और घेराबंदी कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया। स्थिति और अधिक जटिल तब हो गई जब नेपाल सशस्त्र प्रहरी (एपीएफ) के परसा जिले के डीएसपी लोकेंद्र बहादुर सुब्बा भी मौके पर पहुंचे।

उन्होंने भारत द्वारा नो मेंस लैंड में हो रहे निर्माण को भारत-नेपाल मैत्री संबंधों का उल्लंघन बताया और इसका विरोध दर्ज कराया। घटना स्थल पर मौजूद एसएसबी 47वीं बटालियन के असिस्टेंट कमांडेंट दिव्यांशु चौहान, नेपाल के डीएसपी और कस्टम अधिकारियों के बीच इस मुद्दे पर लंबी चर्चा हुई, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। कस्टम अधिकारियों ने बताया कि इस मामले को लेकर हरैया थाना को सूचना दी गई है और कस्टम अधीक्षक द्वारा अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने का आवेदन भी दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि 10 मार्च 2024 को तत्कालीन एसएसबी आईजी पंकज दरार द्वारा गृह मंत्रालय के आदेश पर इसी स्थान पर बने अस्थायी पोस्ट को नागरिक शिकायतों के आधार पर हटा दिया गया था। तब समाधान स्वरूप हेल्प डेस्क के रूप में केवल दो महिला कांस्टेबल की तैनाती की गई थी। अब दोबारा उसी स्थान पर पोस्ट निर्माण किए जाने से विवाद ने फिर तूल पकड़ लिया है। फिलहाल पोस्ट निर्माण को लेकर सीमा पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और दोनों देशों के सुरक्षा बलों के बीच बातचीत का सिलसिला जारी है। एसएसबी 47 बटालियन के असिस्टेंट कमांडेंट दिव्यांशु चौहान ने बताया कि भारत नेपाल सीमा की सुरक्षा को लेकर 15 किलोमीटर के दायरा आता है। सीमा की सुरक्षा को लेकर अस्थाई पोस्ट का निर्माण कराया जा रहा है। वही कस्टम आयुक्त मोहन कुमार मीणा ने बताया की कस्टम एरिया में एसएसबी के द्वारा किये जा रहे अवैध निर्माण को लेकर पूर्वी चंपारण के डीएम व एसपी को सूचना की गई है।

नगर परिषद के पार्षद उप-चुनाव में चुन्नी खातून ने नजराना खातून को 254 मतों से किया पराजित

AGENCY ARARIA : फारबिसगंज नगर परिषद के वार्ड संख्या 15 के पार्षद पद के लिए शनिवार को हुए मतदान का मतगणना का कार्य भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सोमवार को अनुमंडल कार्यालय के सभागार में हुई। जिसमें चुन्नी खातून पति कुद्दूस अंसारी ने अपने एकमात्र प्रतिद्वंदी नजराना खातून पति मो.इस्लाम को 254 मतों के भारी अंतराल से पराजित किया। चुन्नी खातून को 541 मत प्राप्त हुए जबकि नजराना खातून को 287 मत प्राप्त हुआ। फारबिसगंज अनुमंडल निवार्ची पदाधिकारी अविनाश कृष्ण ने चुन्नी खातून को विजय घोषित करते हुए परिणाम की घोषणा की और जीत के सर्टिफिकेट प्रदान किया। मौके पर बीडीओ संजय कुमार, सीओ ललन कुमार ठाकुर, पर्यवेक्षक के रूप में किशनगंज के योजना विकास विभाग के कार्यपालक अभियंता अजीत कुमार हाजरा, डीपीआरओ शशिरंजन कुमार, मार्केटिंग ऑफिसर भरगामा और फारबिसगंज मौजूद थे। चुनाव परिणाम की घोषणा के साथ ही मतगणना केंद्र के बाहर जमा समर्थकों की भीड़ ने जमकर जश्न मनाया और एक दूसरे को अबीर और गुलाल लगाकर बधाई दी।सर्टिफिकेट मिलने के बाद ओपन रूफ वाली कार में सवार होकर विजयी हुई चुन्नी खातून समर्थकों के साथ विजयी जुलूस निकालते हुए वार्ड पहुंचकर अपने मतदाताओं का आभार प्रकट की। इस दौरान उनके समर्थक बैंड बाजे के धुन पर थिरकते और गुलाल उड़ाते हुए जमकर पटाखे फोड़े और आतिशबाजियां की। मौके पर विजयी हुई चुन्नी खातून ने कहा कि वार्ड में साफ सफाई के साथ सबों को साथ लेकर वार्ड में विकास का कार्य करेगी।जनता ने उन पर जो भरोसा दिखाया है और उन्हें दायित्व सौंपी है, उस पर पूरी तरह से खड़ी होने की सकारात्मक प्रयास करेगी। उल्लेखनीय हो कि फारबिसगंज नगर परिषद का वार्ड संख्या 15 के पार्षद पद के चुनाव को लेकर शहर के कई बड़े सियासतदानों ने अपनी नाक की लड़ाई बना रखी थी।

सफाई कर्मियों ने किया रोषपूर्ण प्रदर्शन

प्रदर्शन करते सफाई कर्मी

AGENCY NAVADA : बिहार राज्य स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ शाखा नवादा के बैनर तले सोमवार को नगर परिषद के सैकड़ो कर्मचारियों ने 18 हजार वेतन करने की मांग को लेकर नगर परिषद कार्यालय का घेराव किया। कर्मचारियों ने कार्यपालक पदाधिकारी के विरुद्ध नारेबाजी की। जुलूस नगर भवन से पुरानी कचहरी रोड होते हुए नगर परिषद कार्यालय के समक्ष पहुंची, जहां रोषपूर्ण प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद तीन सूत्री मांग पत्र कार्यपालक पदाधिकारी को सौंपा गया। मांगों में सीवान नगर परिषद की तर्ज पर सभी सफाई कर्मियों को 18000 हजार रुपए मासिक वेतन देने , 20-30 वर्षों से सफाई कार्य में लगे मजदूरों को नियमित करने, सभी सफाई कर्मियों को वर्दी, जूता, टोपी, दवा आदि की व्यवस्था करने, 44 सफाई कर्मियों को खाता खोलकर खाता में वेतन डालने की मांग शामिल है। प्रदर्शन को संबोधित करते खेगरामस जिला सचिव अजीत कुमार मेहता ने कहा नगर परिषद प्रशासन मजदूरों से न्यूनतम से भी कम मजदूरी पर काम ले रही है। यह मजदूर विरोधी है, जबकि श्रम संगठन के फैसले में हर छह माह पर महंगाई को देखते हुए 10% वेतन बढ़ोतरी करना जरूरी है, परन्तु आज तक उस दिशा में कोई प्रयास नहीं करना, श्रम संगठन के फैसले का उल्लंघन है। माले कार्यकर्ता कॉम श्यामदेव विश्वकर्मा ने कहा नीतीश बीजेपी राज में नगर परिषद की राशि को लूटने की खुली छूट ठीकेदारों को दे दिया है, उस राशि को बंदरबांट कर सभी अधिकारी व नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष लूटकर मालामाल हो रहे।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

BHAGALPUR : गणपत राय सलारपुरिया सरस्वती विद्या मंदिर सैनिक स्कूल भागलपुर में सोमवार को जी डी सलारपुरिया फाऊंडेशन कोलकाता के तत्वावधान में राकेश सलारपुरिया स्मृति प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध समाजसेवी लक्ष्मी नारायण डोकानिया, विद्यालय के अध्यक्ष डॉ चंद्रभूषण सिंह, डॉक्टर पवन कुमार पोद्दार पूर्व कुलपति, विनोद बिहारी महतो, दिलीप कुमार ढाढानिया एवं प्रधानाचार्य अमरेश कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लक्ष्मी नारायण डोकानिया ने कहा कि प्रतिभावान छात्रों को और अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है। वैसे छात्रों से देश को अपेक्षा है। मौके पर चंद्रभूषण सिंह ने कहा कि जीवन में नैतिकता, ईमानदारी, लक्ष्य के प्रति समर्पण और कठिन परिश्रम सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

ग्रामीण इलाकों में कल से स्वच्छता सर्वेक्षण

AGENCY ARARIA : स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अंतर्गत सोमवार को डीआरडीए सभागार में डीडीसी रोजी कुमारी की अध्यक्षता में स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण का उन्मुखीकरण किया गया। मौके पर डीडीसी रोजी कुमारी ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 का कार्य अररिया जिला में 02 जुलाई से आरंभ किया जायेगा, जिसमें घर-घर जाकर सूचना संग्रह की जायेगी। इसमें शौचालय की सुलभता, गांवों की साफ सफाई एवं अपशिष्ट का प्रबंधन इत्यादि पहलुओं का अवलोकन कर अंक दिये जायेंगे, जिससे जिला स्तर पर पंचायतों की रैंकिंग की जायेगी। अच्छे अंक एवं अच्छी रैंकिंग के लिए जिला में प्रतिस्पर्धा का वातावरण ग्रामीण क्षेत्रों में प्रारंभ होगा।जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 का कार्य कराया जा रहा है। 1000 अंक का सर्वेक्षण होगा,जिसमें शौचालय, साफ सफाई, कचरा प्रबंधन के क्रियान्वयन का अंक दिए जायेंगे। इसमें स्वच्छता के कार्य हेतु मानव संसाधन गांवों घरो और सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता की स्थिति का आकलन किया जायेगा एवं नागरिकों से साक्षात्कार एवं मोबाईल ऐप के माध्यम से फीडबैक भी प्राप्त किया जायेगा। जिले के पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केन्द्र, हाट बाजार, धार्मिक स्थल, सामुदायिक शौचालय एवं धूसर जल प्रबंधन, स्वास्थ्य सुविधा का केन्द्र,स्कूल आदि का 15 सदस्यीय टीम द्वारा सर्वे किया जायेगा, जिसमें प्रखंड विकास पदाधिकारीयों एवं पंचायत के मुखिया, पंचायत सचिव, प्रधानाध्यापक, एएनएम आदि सर्वेकर्ता को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।

भारतीय निर्वाचन आयोग ने अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दी है वोटर लिस्ट

4.96 करोड़ वोटरों को नहीं है किसी डॉक्यूमेंट की जरूरत

AGENCY PATNA : भारतीय निर्वाचन आयोग ने बिहार की 2003 की मतदाता सूची को अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। इस सूची में 4.96 करोड़ मतदाताओं के नाम दर्ज हैं। इससे विधानसभा चुनाव से पहले चल रहे विशेष पुनरीक्षण अभियान में बड़ी राहत मिलेगी।

क्यों किया गया सार्वजानिक

भारतीय निर्वाचन आयोग के 24 जून 2025 के निदेर्शों के तहत यह सूची सीईओ, डीईओ और ईआरओ के जरिए बीएलओ को हार्ड कॉपी में दी जाएगी। साथ ही, इसे ऑनलाइन भी सार्वजनिक किया गया है ताकि लोग नाम जोड़ने या संशोधन के लिए इसका उपयोग कर सकें।

आयोग ने बताया कारण : 2003 की सूची में जिनका नाम दर्ज है, उन्हें बस विवरण सत्यापित कर फॉर्म भरना होगा। जिनके माता-पिता का नाम सूची में है उन्हें उनके दस्तावेज देने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आयोग ने कहा कि हर चुनाव से पहले संशोधन जरूरी है ताकि सूची में मृत्यु, स्थानांतरण, शादी, रोजगार या उम्र पूरी करने जैसे बदलावों को दर्ज किया जा सके। संविधान के आर्टिकल 326 के तहत 18 साल से अधिक उम्र के निवासी मतदाता बनने के योग्य हैं। आयोग का यह कदम पारदर्शी सूची सुनिश्चित करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

क्या बोले कांग्रेस नेता : बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस ने सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसे लेकर कांग्रेस के नेता भाजपा को भी कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। इसी बीच बिहार की राजधानी पटना पहुंचे राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन बड़ा मुद्दा है। पता नहीं इनकी मंशा क्या है? हम बार-बार कहते हैं कि ये लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं।

आयुष हत्याकांड की निष्पक्ष जांच कराने की मांग

SAHARSA : कोशी विकास संघर्ष मोर्चा के संरक्षक व पूर्व जिला पार्षद प्रवीण आनंद के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने सोमवार को डीआईजी से मिलकर आयुष हत्याकांड की निष्पक्ष जांच कराने के लिए आग्रह किया। मोर्चा के अध्यक्ष विनोद कुमार झा ने कहा कि पुलिस प्रशासन निष्पक्ष जांच करे तो आयुष के माता पिता को न्याय मिल सकता है। परिवार के अन्य सदस्यों सहित ग्रामीणों पर किए गए मुकदमों को वापस लेने मोबाइल और लैपटॉप की जांच कराने सुसाइड नोट की लिखावट की जांच सहित 14 बिन्दुओं पर जांच करने का आग्रह करते हुए शिष्टमंडल को डीआईजी मनोज कुमार ने कहा कि हमें समय दिजिए हम सही से सभी बिन्दुओं पर जांच करेंगे और दोषी कोई भी रहे उसे सलाखों के पीछे भेजेंगे।

छात्रा आर्या अग्रवाल को राज्यपाल ने मेडल देकर किया सम्मानित

AGENCY BHAGALPUR : राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने आनंदराम ढांढनियां सरस्वती विद्या मंदिर, भागलपुर के दशम कक्षा की छात्रा आर्या अग्रवाल को आज अंग वस्त्र, मोमेंटो और मेडल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उनके माता-पिता को भी प्रांत प्रचारक उमेश रंजन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सम्मानित किया। आर्या अग्रवाल ने सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा में 96.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया है। राज्यपाल ने विद्या भारती के इस सम्मान समारोह की सराहना करते हुए कहा कि बालकों के सर्वांगीण विकास के लिए यह प्रयास सराहनीय है। इस उपलब्धि से निश्चित रूप से विद्यालय के अन्य छात्रों को भी प्रेरणा मिलेगी और वे अपने शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार करने के लिए प्रेरित होंगे। इस अवसर पर क्षेत्रीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख राणा प्रताप ने कहा कि आर्या अग्रवाल की इस उपलब्धि से विद्यालय का गौरव बढ़ा है और यह अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है।

सृजन से लोकमंगल

अस्तित्व की अभिव्यक्ति है प्रकृति। अस्तित्व है अंतहीन। सृजन प्रकृति का धर्म है। प्रतिपल नई कोंपल, नई कली, नव पराग, नव मकरंद। कीट-पतिंग भी नवसृजन हैं। नन्ही गौरैया के मुंह में दाना डालती गौरैया माता या अपने बच्चे को पेट में चिपकाए इस डाल से उस डाल पर छलांग लगाती बंदरिया। बछड़े को चाट-चूमकर शक्तिशाली गोवंश तैयार करती गोमाता। सृजन के विधाता देव ब्रह्मा हैं। वे कभी थकते नहीं। बार-बार अथक सृजन। अकथ विस्तार। गीत, काव्य, संगीत और समूचा साहित्य प्रकृति की सृजन शक्ति ही विस्तार है। प्रकृति रचती-गढ़ती है तो यह कर्म प्रकृति है और मनुष्य रचता है तो संस्कृति। प्रकृति में सत चित आनंद की त्रयी है तो संस्कृति में सत्य, शिव और सुंदर की त्रय-दिव्यता है। प्रकृति में सुंदरतम् सृजन की गहन अभीप्सा है। मनुष्य प्रकृति का भाग है, इसलिए मनुष्य भी सुंदरतम् सृजन की कामना से भरापूरा है। बस चित्त प्रशांत होना चाहिए। आनंद हमारी सर्वोत्तम अभीप्सा है। हरेक सृजन का लक्ष्य आनंद है। यह आनंद स्वयं तक ही सीमित नहीं है। सृजन धर्म स्वयं का अतिक्रमण करता है और लोक आनंद व लोकमंगल का हेतु सेतु बनता है। प्रकृति के पास असीम अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य है। प्रकृति का अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य संविधान की देन नहीं। वह वर्षा रचती है, कभी आंधी के साथ, कभी आंधी के पूर्व और कभी आंधी के बाद भी। वह गहन उमस के बीच भी वर्षा ले आती है। आकाश में इंद्रधनुष रचने के लिए उसे इंद्र या वरुण देवों की अनुमति नहीं चाहिए। मनुष्य को भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है। इस स्वतंत्रता का सदुपयोग लोकमंगल के लिए ही होना चाहिए। अंतस् में सत चित आनंद का गीत है। सत्य, शिव और सुंदर इसी की अभिव्यक्ति है। भारतीय परंपरा में सृजन का दिक्सूचक यही केंद्र है। शाश्वत तत्वों को सृजन का विषय बनाने की भारतीय परंपरा महत्वपूर्ण है। तात्कालिक विकृतियों को हटाना और शाश्वत मूल्यों की प्रतिष्ठा जरूरी है। संस्कृति के सारगर्भ से जुड़ने की यह बात महत्वपूर्ण है। साहित्य का प्रभाव समाज पर पड़ता है और समाज का साहित्य पर भी। रामकथा में रावण के चरित्र वर्णन का समाज पर गहरा असर पड़ा है, कोई भी व्यक्ति अपने बच्चों का नाम रावण नहीं रखता। विभीषण भी नहीं रखता, यद्यपि विभीषण ने राम का सहयोग किया था, लेकिन देशभक्ति प्रश्नवाचक थी। लोक ने अच्छे कार्य के बावजूद उसे घर का भेदी ही कहा। लेखन सृजन निरुद्देश्य नहीं होते। तुलसीदास ने अपने सृजन को स्वांतः सुखाय बताया था। स्वसुख के लिए काम करना उचित भी है। सबके अपने सुख होते हैं। तुलसी का सुख लोकमंगल का विस्तार है। प्रत्यक्ष भूमंडल के सभी लोगों और लोकों का मंगल। फिर स्वसुख और स्वांतः सुख में अंतर भी है। स्वांतः में अंतस् का अंतिम छोर है। भारतीय चिंतन में स्व अंतस का अंतिम छोर विराट से जुड़ा हुआ है। तुलसी के राम अखिल लोकदायक विश्रामा हैं, उनकी राम कथा सुरसरि सम सबका हित होई से ध्येयबद्ध है। सृजन का उद्देश्य लोकमंगल ही है। होना भी चाहिए। सृजन का लक्ष्य लोकमंगल है। यह निराशा की तमस में आशा का दीप प्रज्वलन है। शाश्वत और चिरंतन का नूतन आख्यान है। दृश्यमान विभाजित अनेकता के भीतर एकता का दर्शन है और सामूहिक उल्लास का संयोजन भी। भरत मुनि ने नाट्यशास्त्र में सुखांत पर जोर दिया था। सांस्कृतिक मयार्दा का संवर्द्धन और शीलरस का संवर्द्धन भी साहित्यकार का दायित्व है। कथित प्रगतिशीलता में नेह-स्नेह के आत्मीय रिश्तों के प्रति आक्रामकता है। पिता भारतीय परंपरा में देव कहे गए हैं। हम सब माता-पिता का विस्तार हैं। वे न होते तो हम न होते, लेकिन नवलेखन में प्रायः माता-पिता की वैसी प्रतिष्ठा नहीं है। महाभारतकार भी कवि या साहित्यकार थे। उनके सृजन में यक्ष प्रश्न हैं। यक्ष ने पूछा, युधिष्ठिर। धरती से भी भारी क्या है और आकाश से भी ऊंचा क्या। युधिष्ठिर ने कहा, माता पृथ्वी से भारी है और पिता आकाश से भी ऊंचा। ऐसे लेखन में माता-पिता की प्रतिष्ठा है। परिवार प्रीतिकर संस्था है। प्रगतिशीलता उसे तोड़ रही है। परिवार का विकल्प नहीं। परिवार को मजबूत करने वाला लेखन समय की आवश्यकता है। ऋग्वेद में नदियों को प्रणाम किया गया है। नदियां प्रणाम के योग्य हैं भी। वे जलमाताएं हैं। विज्ञान भी नदियों की महत्ता स्वीकार कर चुका है। वैदिक साहित्य में विश्वामित्र और नदी का संवाद अनूठा है। विश्वामित्र जैसे पूर्वजों ने नदियों से संवाद में भरतवंशियों की तरफ से तमाम आश्वासन दिए थे। वे आश्वासन हमारे साहित्य का हिरण्य कोष हैं। लेकिन, हम सबने वे आश्वासन तोड़े हैं। नदी और मनुष्य की प्रीति शून्य हो चुकी है। नदियों ने कहा था, यह संवाद याद रखना, हमारा ध्यान रखना। तुम पार उतरो, हम वैसे ही नीचे झुक रही हैं जैसे बच्चे को स्तनपान कराने के लिए मां झुकती है। विश्वामित्र ने कहा था, हे नदियों, मैं आपकी स्तुति करता रहूंगा। सामंती काल में अनेक चारण राजाओं की प्रशंसा गाते थे। लेकिन, वे स्तोता नहीं थे, उनके गायन स्तुति नहीं थे और न ही स्तोत्र। स्तोता होना बड़ी कठिन साधना है। मन, क्रम, वचन और अंतस से उगा सृजन ही किसी को स्तोता बनाता है। विश्वामित्र ने नदियों को आश्वासन दिया था- हम भारत के लोग आपके स्तोता रहेंगे, जलमाताओं का पोषण करेंगे, तन से, मन से। वैदिक साहित्य में प्रकृति के कण-कण के प्रति आत्मीयता है। कथित प्रगतिशील दृष्टि में प्रकृति उपभोक्ता सामग्री है और भारतीय परंपरा में यही प्रकृति नमस्कारों के योग्य है। तुलसीदास के सृजन में भौतिक जगत सियाराममय है और बारंबार प्रणम्य है- सियाराममय सब जग जानी, करूऊ प्रणाम जोरि जुग पानी। प्रकृति के प्रति अंगांगी भाव की सतत अभिव्यक्ति जरूरी है। भारतीय संविधान में राज्य के नीति निदेशक तत्व हैं। लेखन, सृजन के भी नीति निदेशक तत्व हैं। भले ही वे संहिताबद्ध नहीं हैं, लेकिन उनका अस्तित्व है। मां-पिता की प्रतिष्ठा महत्वपूर्ण तत्व है। कथा, कहानी और काव्य में इस तत्व को ध्यान में रखना चाहिए। स्त्री आदरणीया है, मां है, बहन है, पुत्री है, श्रद्धेय है। संपूर्णता का भाग है। उसे अलग करके देखना-लिखना अनुचित है। भारतीय काम सेक्स नहीं, सृजन अभिलाषा है। यहां काम भी अध्यात्म है। हम सांस्कृतिक राष्ट्र हैं। करोड़ों भरतवंशी एक जन हैं।

संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते राहुल गांधी

ANALYSIS

✍ डॉ. आशीष वशिष्ठ

राहुल गांधी ने मैच फिक्सिंग महाराष्ट्र शीर्षक से 7 जून को एक लेख लिखा, जो कई अखबारों में छपा। उन्होंने भाजपा पर सुनियोजित तरीके से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाया। यह कोई पहला ऐसा मौका नहीं है, जब राहुल गांधी ने संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठया हो या फिर उन्हें कटघरे में खड़ा करने का काम किया हो। वो आदतन अक्सर ऐसा करते रहते हैं। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र और स्वायत्त संस्था के रूप में स्थापित करता है, जिसे संसद, राष्ट्रपति, विधानसभा और सभी निर्वाचित निकायों के चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से संपन्न कराने का दायित्व दिया गया है। यह संस्था न तो कार्यपालिका के अधीन है और न ही किसी राजनीतिक दबाव में काम करती है। भारतीय निर्वाचन आयोग केवल एक प्रशासनिक निकाय नहीं, बल्कि विवाद निराकरण और मतदाता विश्वास निर्माण की भी जिम्मेदारी निभाता है। आयोग मतदान प्रक्रिया को विश्वसनीय बनाने के लिए कई स्तर पर काम करता है। राहुल गांधी सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए कुछ भी बयान देते हैं, पर तर्क और तथ्य की कमी होती है।

नवंबर 2024 में महाराष्ट्र चुनाव में करारी पराजय के बाद कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगी दलों ने चीखना शुरू कर दिया था- ईवीएम में भूत है, जो भाजपा को ही वोट भेजता है। अप्रैल 2025 में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने अमेरिका दौरे में बोस्टन की एक मीटिंग को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र चुनाव का उल्लेख कर चुनाव पर बड़े सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में चुनाव आयोग कंप्रोमाइज्ड है। राहुल गांधी ने मैच फिक्सिंग महाराष्ट्र शीर्षक से 7 जून को एक लेख लिखा, जो कई अखबारों में छपा। उन्होंने भाजपा पर सुनियोजित तरीके से चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाया। यह कोई पहला ऐसा मौका नहीं है, जब राहुल गांधी ने संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठया हो या फिर उन्हें कटघरे में खड़ा करने का काम किया हो। वो आदतन अक्सर ऐसा करते रहते हैं। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र और स्वायत्त संस्था के रूप में स्थापित करता है, जिसे संसद, राष्ट्रपति, विधानसभा और सभी निर्वाचित निकायों के चुनाव निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से संपन्न कराने का दायित्व दिया गया है। यह संस्था न तो कार्यपालिका के अधीन है और न ही किसी राजनीतिक दबाव में काम करती है। भारतीय निर्वाचन आयोग केवल एक प्रशासनिक निकाय नहीं, बल्कि विवाद निराकरण और मतदाता विश्वास निर्माण की भी जिम्मेदारी निभाता है। आयोग मतदान प्रक्रिया को विश्वसनीय बनाने के लिए कई स्तर पर काम करता है। राहुल गांधी सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए कुछ भी बयान देते हैं, पर तर्क और तथ्य की कमी होती है। इससे समाज में भ्रम फैलता है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है। विदेशी धरती पर जाकर वो देश का अपमान, मोदी सरकार की आलोचना और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठाने का कोई अवसर चूकते नहीं हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने अमेरिका के नेशनल प्रेस क्लब में कहा कि भारत में लोकतंत्र पिछले 10 सालों से टूटा

(ब्रोकेन) हुआ था, अब यह लड़ रहा है। उनका यह कहना लोकतंत्र की मूल भावना पर ही सवाल उठाता है। खासकर तब जब, भारत में लगातार चुनाव होते रहे हैं और सरकारें बदलती रही हैं। बीते 10-11 वर्षों में देश में कई ऐसी सरकारें बनी हैं, जिसमें भाजपा को हराने के बाद कांग्रेस को मौका मिला है। मतलब, अगर नतीजे राहुल और उनकी पार्टी के लिए अच्छे रहें तो लोकतंत्र ठीक है और नहीं तो वह ब्रोकेन हो जाता है। सितंबर 2023 में राहुल गांधी ने ब्रसेल्स में यूरोपियन यूनियन में कहा कि भारत में फुल स्केल एसॉल्ट हो रहा है। उन्होंने भारतीय संस्थाओं की निष्पक्षता पर संदेह जताया। मई 2022 में लंदन में आइडियाज फॉर इंडिया सम्मेलन में राहुल ने कहा कि भारत की संस्थाएं परजीवी बन गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि डीप स्टेट भारत को चबा रहा है। यहां डीप स्टेट का मतलब सरकार के अंदर छिपे हुए ऐसे ताकतवर लोग हैं, जो अपने फायदे के लिए काम करते हैं। राहुल गांधी ने भारत की तुलना पाकिस्तान जैसे अस्थिर लोकतंत्र से भी कर दी। 2017 में ही अमेरिका में राहुल गांधी ने कहा कि भारत अब वह नहीं रहा, जहां हर कोई कुछ भी कह सकता है। उन्होंने विदेश की धरती पर भारत में फ्री स्पीच की स्थिति पर संदेह पैदा करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि भारत में सहनशीलता खत्म हो गई है

जबकि, हकीकत ये है कि राहुल गांधी संसद से लेकर सड़क तक जब जो जी में आता है, बयान देते रहे हैं और सरकार को छोड़ दें, शायद ही कोई संवैधानिक संस्था बची हो, जिस पर उन्होंने निशाना न साधा हो। राहुल गांधी यह क्यों भूल जाते हैं कि भारतीय चुनाव आयोग ने ही वे चुनाव संपन्न करवाए हैं, जिनके दम पर वह आज विपक्ष के नेता पद पर बैठे हुए हैं। उनके परिवार के तीन-तीन सदस्य इन्हीं चुनावी प्रक्रियाओं का सहारा लेकर संसद में मौजूद हैं। यहीं की संवैधानिक संस्थाओं ने उन्हें इतनी राहत दी हुई है कि नेशनल हेराल्ड केस में गंभीर आरोपों के बावजूद वो और उनकी मां सोनिया गांधी को जमानत मिली हुई है। बीते कुछ वर्षों में राजनीतिक तौर पर भले भारत की चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने का चलन बन गया हो, लेकिन भारत के चुनाव आयोग की प्रशंसा केवल देश के भीतर ही नहीं संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय चुनाव पर्यवेक्षकों और कई विदेशी सरकारों द्वारा भी की गई है। हार्वर्ड कैनेडी स्कूल के 2020 के एक अध्ययन में भारत के चुनाव आयोग को वन ऑफ द मोस्ट रोबस्ट इलेक्टोरल इंस्टीट्यूशंस ग्लोबलीह्व (विश्व स्तर पर सबसे मजबूत चुनावी संस्थाओं में से एक) कहा गया। यही नहीं 2014, 2019 और 2024 के आम चुनावों में भारत ने पूरी दुनिया को दिखाया कि तकनीक, प्रशिक्षण और जनता की भागीदारी के माध्यम से एक निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संभव है। बीते मई को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने चुनाव आयोग से मुलाकात कर चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने से जुड़े कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को उठाया था। यह बातचीत निर्वाचन आयोग की उस नई पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राजनीतिक दलों की चिंताओं और सुझावों को सीधे तौर पर सुनकर चुनावी प्रक्रिया को अधिक मजबूत और पारदर्शी बनाना है। चुनाव आयोग ने अब तक देशभर में कुल 4719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की हैं। इन बैठकों में अब तक 28 हजार से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया है। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से लिखित में तथ्यों की मांग की और चर्चा के लिए भी आमंत्रित किया है और अब यह दायित्व बनता है कि आरोप लगाने वाले नेता उन्हें उचित प्रक्रिया के अनुसार प्रस्तुत करें। हालांकि राहुल गांधी के पूर्व रिकार्ड के हिसाब से ऐसा लग नहीं रहा है कि वो चुनाव आयोग के सामने जाएंगे। इसके लिए उन्होंने अभिषेक सिंघवी, विवेक तन्खा जैसे बड़े वकीलों और पार्टी के अन्य नेताओं को रखा हुआ है। राहुल गांधी का काम सिर्फ आरोप लगाना है। अगर एजेंसी आरोपों का जवाब देना चाहती है, तो वह सुनना उनका काम नहीं है। कमोबेश ऐसा ही आचरण उनका संसद में भी है। असल में राहुल गांधी आरोप लगाकर सामने वाले का पक्ष या जवाब सुनने की बजाय कोई नया आरोप लगाने की तैयारी में जुट जाते हैं। तथ्य और तर्क से उनका कोई लेना-देना नहीं रहता। तथ्य यह भी है कि नवंबर 2024 में विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस की ओर से इसी तरह के मुद्दे उठाए गए थे। आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को कांग्रेस पार्टी को एक विस्तृत जवाब दिया था, जिसकी प्रति चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इससे यह साफ जाहिर होता है कि राहुल गांधी इस अध्याय का पटाक्षेप नहीं चाहते हैं। उनकी पार्टी इस मामले को जिंदा रखना चाहती है, ताकि आगे के चुनाव नतीजों को सुविधा के हिसाब से संदिग्ध बनाया जा सके।

राजनीतिक एजेंडे की भेंट चढ़ता पुरातत्व

इतिहास के राजनीतिकरण ने देश में लगातार विवादों को जन्म दिया है। तमिलनाडु के कीलड़ी पुरातात्विक स्थल के साथ इसमें एक और अध्याय जुड़ गया। राज्य की द्रमुक सरकार ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण यानी एएसआई पर कीलड़ी उत्खनन को रोकने और राज्य में पुरातात्विक प्रयासों की उपेक्षा के आरोप लगाए हैं। इस विवाद का जन्म एएसआई निदेशकों द्वारा कीलड़ी के मुख्य पुरातत्वविद अमरनाथ रामाकृष्णन की रिपोर्टों पर स्पष्टीकरण और अतिरिक्त साक्ष्य मांगने के कारण हुआ है, क्योंकि पुरातात्विक सर्वेक्षण बहुविषयी समझ पर आधारित होते हैं। प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए एएसआई में विशेषज्ञों द्वारा ऐसे स्पष्टीकरण मांगना सामान्य प्रक्रिया है। हालांकि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इन सवालों को तमिल संस्कृति पर हमला बताया है। राज्य के एक अन्य मंत्री थंगम तेन्नरसु ने कहा है कि कीलड़ी रिपोर्ट को नकारना तमिलों को दोयम दर्जे का नागरिक बनाए रखने का षड्यंत्र है। यह आरोप इसलिए हास्यास्पद है, क्योंकि स्वयं प्रधानमंत्री मोदी ने तमिल को विश्व की सबसे पुरानी भाषा बताया है। तथ्यात्मक न होने पर भी यह कथन केंद्र की मंशा व्यक्त करता है। मोदी सरकार ने ही चेन्नई के बाद तिरुचिरापल्ली में एएसआई के दूसरे सर्किल का गठन किया है और देश के जिन पांच पुरातात्विक स्थलों को संग्रहालय बनाने का निर्णय लिया है, उनमें तमिलनाडु का आदिच्चनल्लूर भी शामिल है। द्रमुक सरकार के आरोपों के जवाब में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि उत्खनन रिपोर्ट जारी करने में किसी को आपत्ति नहीं है, परंतु तमिलनाडु की विरासत का सम्मान विभाजनकारी भावनाएं भड़काने के बजाय बौद्धिक ईमानदारी से होना चाहिए। असंतुष्ट द्रमुक अमरनाथ के नियमसम्मत तबादले को भी षड्यंत्र बता रही है। 2015 से 2017 के बीच दो चरणों के उत्खनन में अमरनाथ द्वारा कीलड़ी का काल निर्धारण 200 ईसा पूर्व किया गया, जो 400 ईसा पूर्व से 300 ईस्वी की सर्वमान्य संगम काल अवधि में पहुंचता है, परंतु बाद में उन्होंने इसकी अवधि को 800 ईसा पूर्व में पहुंचा दिया। दिलचस्प बात यह है कि राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा 2018 में चौथे चरण के उत्खनन से प्राप्त छह अवशेषों की कार्बन डेटिंग में एक सैंपल की डेटिंग 580 ईसा पूर्व ही बताई गई थी। पुरातत्व में डेटिंग का अपना महत्व है, लेकिन रेडियोकार्बन प्रयोगशाला केवल चारकोल में परिवर्तित होने वाले पेड़ की मृत्यु की तिथि बता सकती है। यह तिथि उस स्थान के बारे में तब तक कुछ अधिक नहीं बता सकती जब तक इस डेटिंग को स्थल की स्ट्रैटीग्राफी और लेयर मार्किंग से जोड़कर न देखा जाए। रामाकृष्णन की रिपोर्ट में स्ट्रैटीग्राफी स्पष्ट नहीं थी। साथ ही कुछ खंदकों से संबंधित मिट्टी एवं जैविक नमूनों आदि की जांच रिपोर्ट भी शामिल नहीं थीं। रामाकृष्णन ने यह कहते हुए अपनी रिपोर्ट में परिवर्तन-संपादन से इनकार कर दिया कि इससे निष्कर्षों का महत्व कम हो जाएगा, लेकिन उन्होंने विवादास्पद ईसाई मिशनरी फादर जगत गैस्पर राज को उत्खनन स्थल का दौरा कराया। याद रहे कि लिट्टे को हथियार सप्लाई करने के मामले में जगत गैस्पर राज का नाम एफबीआई की वांछित अपराधियों की लिस्ट में रहा है। गैस्पर राज के दौरे के बाद हाई कोर्ट की मदुरई बेंच में कीलड़ी की कलाकृतियों को राज्य से बाहर न ले जाने की अर्जी डाली गई। रामाकृष्णन का नाम केरल के संदिग्ध पट्टनम उत्खनन से भी जुड़ा है। पट्टनम उत्खनन ईसाई लाबी के दबाव में सेंट थामस के प्रथम शताब्दी में केरल आगमन वाले मिथक को इतिहास के रूप में गढ़ने का प्रयास था। प्रो. वसंत शिंदे, आर. नागस्वामी और टी. सत्यमूर्ति जैसे वरिष्ठ पुरातत्वविदों ने पट्टनम उत्खनन की तीखी आलोचना की है। विश्वविख्यात पुरातत्वविद प्रो. दिलीप चक्रवर्ती ने तो पट्टनम को ईसाई लाबी की कारगुजारी बताया है। जब एएसआई ने इसकी जांच का जिम्मा सौंपा तो रामाकृष्णन ने कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की। पट्टनम की तर्ज पर ही कीलड़ी उत्खनन में भी अतिशयोक्तिपूर्ण दावे किए गए, जो उत्कट तमिल राष्ट्रवाद को उभारने का प्रयास करते हैं। अमरनाथ समेत कई शोधार्थी कीलड़ी को नदी घाटी सभ्यता करार दे रहे हैं, जबकि जिस वैगई नदी पर कीलड़ी स्थित है वह मात्र 250 किमी लंबी मौसमी नदी है। कुछ शोधार्थियों द्वारा इस स्थल को सिंधु घाटी सभ्यता से जोड़ने का प्रयास भी बेतुका है, क्योंकि छठी शताब्दी की काल गणना मान लेने पर भी कीलड़ी सिंधु घाटी सभ्यता के परिपक्व काल 2500 ईसा पूर्व से 1900 साल बाद आती है। कीलड़ी के संबंध में एक अनूठा दावा यह भी किया गया कि यह एक गैर-धार्मिक पुरातात्विक स्थल है। राज्य पुरातत्व की रिपोर्ट में कीलड़ी उत्खनन के हवाले से तमिल ब्राह्मी की तारीख को पीछे करने का प्रयास भी किया गया है। कीलड़ी में तमिल ब्राह्मी केवल दो टुकड़ों पर लिखी मिली है। यह भी नहीं पता कि ये टुकड़े कार्बन-डेटेड चारकोल से कितनी दूरी पर स्थित थे। यही रिपोर्ट कहती है कि इस स्तर पर जो कुछ भी मिला वह 600 ईसा पूर्व और 300 ईस्वी के बीच की अवधि का हो सकता है। इतने सतही आधार पर तमिल ब्राह्मी की तिथि दो शताब्दी पीछे धकेलना चौंकाने वाली बात है। ब्राह्मी लिपि के सबसे बड़े विशेषज्ञ हैरी फाक तो रेडियोमेट्रिक आधार पर तमिल ब्राह्मी के 500 ईसा पूर्व दावे को भी गलत बताते हैं। फाक ऐसी रिपोर्ट को 'क्षेत्रीय अंधराष्ट्रवाद' की उपज मानते हैं। राज्य के पुरातात्विक स्थलों को सिंधु सभ्यता से जोड़कर आर्य-द्रविड़ खांचे को पुख्ता करना, अपने इतिहास को गैर-धार्मिक और शेष देश की संस्कृति से भिन्न बताना, तमिल ब्राह्मी को अशोक ब्राह्मी का जनक बताना-ये सभी बातें तमिलनाडु में पुरातात्विक उत्खनन को जबरन द्रमुक राजनीति के प्रमुख एजेंडा बिंदुओं की दिशा में धकेलती दिखती हैं। इस एजेंडे को स्वयं स्टालिन आगे बढ़ा रहे हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

'ईशावास्यम् इदम् सर्वम्' के जीवन मूल्य पर आधारित हमारी संस्कृति, सभी जीव-जंतुओं में ईश्वर की उपस्थिति को देखती है। जब विभिन्न प्राणियों का संवर्धन होगा, तब जैव-विविधता बढ़ेगी और यह धरती तथा मानव जाति खुशहाल होगी। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान जैसी संस्थाओं से मेरी अपील है कि वे जैव-विविधता को बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाएं और आदर्श प्रस्तुत करें। आप सब ने निरीह और बेजुबान पशुओं की चिकित्सा और कल्याण के क्षेत्र को अपने आजीविका के रूप में चुना है। मैं सोचती हूं कि आपके इस चुनाव के पीछे सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः की भारतीय सोच का भी योगदान रहा होगा। ईश्वर ने मनुष्य को जो सोचने-समझने की शक्ति दी है उसका उपयोग सभी जीव-जंतुओं के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का 'एक्स' पर पोस्ट)

हूल दिवस हमें अपने आदिवासी समाज के अदम्य साहस और अद्भुत पराक्रम की याद दिलाता है। ऐतिहासिक संथाल क्रांति से जुड़े इस विशेष अवसर पर सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो के साथ ही उन सभी वीर-वीरांगनाओं का हृदय से नमन और वंदन, जिन्होंने विदेशी हुकूमत के अत्याचार के खिलाफ लड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान कर दिया। उनकी शौर्यगाथा देश की हर पीढ़ी को मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए प्रेरित करती रहेगी।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

देश और सरकार के विरोध में भेद करे कांग्रेस

वर्तमान में कांग्रेस संतुलित एवं सामान्य राजनीतिक गतिविधियों वाली पार्टी नहीं दिख रही। राहुल गांधी और उनके सलाहकार-रणनीतिकार, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे आदि के वक्तव्य-क्रियाकलाप देखकर ऐसा ही लगता है। कई कांग्रेस नेताओं की भी ऐसी ही धारणा है कि उनकी पार्टी की दशा-दिशा और रीति-नीति वह है ही नहीं, जो कांग्रेस की होनी चाहिए। पिछले दिनों मणिशंकर अय्यर ने कहा था कि आज की कांग्रेस न पं. नेहरू की कांग्रेस है, न इंदिरा गांधी की और यह राजीव गांधी की भी कांग्रेस नहीं है। यह सच है कि कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल है। इस कारण सरकार के फैसलों की निर्मम समीक्षा और विभिन्न मुद्दों पर आक्रामक होकर उसे घेरना कांग्रेस का कर्तव्य है, लेकिन जब बात देश हित की आए तो पार्टी से उम्मीद की जाती है कि वह सामान्य परिपक्वता दिखाएगी, परंतु कांग्रेस इसके ठीक उलट विरोध के नाम पर अतिवादी आचरण करती दिख रही है। यह स्वस्थ लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। ऐसा लगता है कि राहुल गांधी देश के अंदर युद्ध लड़ रहे हैं और भारत में राजनीतिक बदलाव के लिए विदेश से समर्थन पाने की कोशिश में लगे हैं। वे विदेश में भारत की ऐसी डरावनी तस्वीर प्रस्तुत करते हैं- जैसे देश में धर्म, अभिव्यक्ति, राजनीतिक गतिविधियों और अन्य वैयक्तिक स्वतंत्रताओं को सत्ता के दुरुपयोग से नष्ट कर दिया गया है। सोनिया गांधी ने हाल में एक अंग्रेजी दैनिक में लिखे आलेख में ईरान-इजरायल युद्ध में सरकार की नीति की आलोचना करते हुए मांग की कि केंद्र सरकार को इस पर मुंह खोलना चाहिए। उनके कहने का आशय था कि भारत को ईरान के साथ खड़ा होना चाहिए। इजरायल-हमास संघर्ष के दौरान भी कांग्रेस फलस्तीन के बहाने हमास और उसकी समर्थक इस्लामिक शक्तियों के साथ खड़ी दिखी, किंतु उसने हमास द्वारा निरपराध इजरायलियों की हत्या पर एक शब्द नहीं बोला। ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुनिया में पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए भारत सरकार ने सात सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों में भेजे। इसमें कांग्रेस के भी सदस्य थे। हैरानी की बात है कि कांग्रेस के रणनीतिकारों ने अपने ही सदस्यों- शशि थरूर, सलमान खुर्शीद, मनीष तिवारी के चरित्र हनन का प्रयास किया। अपने ही नेताओं के वक्तव्यों और भूमिका पर लगातार कटाक्ष से बड़ा अतिवाद क्या हो सकता है। थरूर के विरुद्ध तो पार्टी के अंदर ऐसा अभियान चल रहा है जैसे उन्होंने कांग्रेस से गंभीर विश्वासघात कर दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश के अंदर भी एक बड़ा दुष्प्रचार अभियान चला, जो आज तक जारी है। राहुल गांधी यहां तक कहने लगे कि ट्रंप ने फोन किया और प्रधानमंत्री ने युद्ध विराम कर दिया। उन्होंने इसकी कोई चिंता नहीं की कि इससे भारत की कमजोर देश की छवि बनती है, जो अमेरिका के दबाव में पाकिस्तान जैसे आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले देशों के विरुद्ध भी कार्रवाई से पीछे हट सकता है। राहुल गांधी चुनाव आयोग जैसी संस्था को भी भाजपा का आदेशपालक साबित करने के लिए हर सीमा लांघ चुके हैं। महाराष्ट्र चुनाव परिणाम के किसी तथ्यात्मक आंकड़े और उत्तर से उनका लेना-देना नहीं है। ईवीएम के विरुद्ध दुनिया भर में अभियान और भारत की चुनाव प्रणाली को बदनाम करना इन दिनों कांग्रेस के एजेंडे में सबसे ऊपर दिख रहा है, जबकि सुप्रीम कोर्ट भी इस पर सुनवाई कर चुका है। बावजूद इसके कांग्रेस के रवैए में बदलाव नहीं आ रहा है। क्या कांग्रेस यह सब अनजाने में कर रही है या इसके पीछे उसकी कोई सोची-समझी दूरगामी नीति और योजना है। मुस्लिम वोट पाने और उसे बनाए रखने की उसकी रणनीति तो साफ है, पर लगता है यह यहीं तक सीमित नहीं है। एक समय दुनिया भर में हिंसक क्रांति से सत्ता परिवर्तन करने या सत्ता पर कब्जा करने की राजनीति करने वाली वामपंथी पार्टियां इसी तरह दुष्प्रचार से छवि बनाती थीं कि संपूर्ण सत्ता कुछ लोगों, पूंजीपतियों की गिरफ्त में है।

गंवा दिया गया मौका

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की चिंगदाओ बैठक, जो बिना साझा बयान के समाप्त हुई, 10 देशों के इस समूह के भीतर दिक्कत का इशारा करती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह साझा घोषणा से पीछे हटने को मजबूर हुए, क्योंकि इसमें एक राष्ट्र (पाकिस्तान की ओर संकेत) के कहने पर आतंकवाद का कोई जिक्र नहीं था। यह देखते हुए कि बैठक पहलगाम हमले तथा ऑपरेशन सिंदूर, जिसके पश्चात आतंकवाद से लड़ने का भारत का संकल्प और मजबूत हुआ है, के बस महज कुछ हफ्तों बाद हुई है, इसे सहज ही समझा जा सकता है। अधिक आश्चर्यजनक यह लगता है कि मसौदा प्रस्ताव न सिर्फ आतंकवाद का जिक्र करने में नाकाम रहा, बल्कि रूस और मेजबान चीन सहित सदस्य देशों ने कथित तौर पर पाकिस्तान के कहने पर बलूचिस्तान में गड़बड़ियों का जिक्र करने पर विचार किया था, जबकि उस पहलगाम हमले और सीमा पार आतंकवाद को छोड़ दिया गया, जिसके लिए भारत ने कहा था। यह बात इसलिए भी गंभीर है क्योंकि साल 2002 में आया एससीओ का स्थापना चार्टर आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद पर नियंत्रण के लिए परस्पर अंतःक्षेत्रीय प्रयासों की जरूरत पर केंद्रित था और एससीओ के क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी ढांचे के निदेशक मौजूद थे। एससीओ सचिवालय और चीनी विदेश मंत्री के बयान आधुनिक सुरक्षा चुनौतियों और खतरों पर सहयोग जैसे नीरस बयानों तक सीमित रहे। अब सभी निगाहें एससीओ विदेश मंत्रियों की जुलाई की बैठक और अगस्त-सितंबर में एससीओ शिखर सम्मेलन पर यह देखने के लिए होंगी कि क्या भारत की चिंताओं का अधिक उपयुक्त ढंग से निवारण किया जाता है। नई दिल्ली को यह अध्ययन करना होगा कि क्या ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोदी द्वारा घोषित तीन सिद्धांतों वाले नए सामान्य (न्यू नॉर्मल) पर अपना संदेश पहुंचाने में कोई कमी रह गई है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Capt Kohli's spirit will forever echo in the mountains

An era came to an end with the peaceful passing of Captain Mohan Singh Kohli, aged 94, on June 23 in New Delhi. All his dear ones were there by his bedside: his wife Pushpa (his rocklike support in life), sons Maninder and Ravinder, with their wives and children. He had led a full life.By far India's most renowned mountaineer, he is best known as the leader of the epoch-making Indian Everest Expedition 1965. Nine climbers reached the summit, creating a world record which held for 17 years. Indira Gandhi, while describing it as one of India's six major achievements since Independence, paid a rich tribute: "The record of Commander Kohli's expedition will find a special mention in history. It was a masterpiece of planning, organisation, teamwork, individual effort and leadership."According to mountain writing legend Walt Unsworth, the Indian success by its very magnitude completed the mountaineering subjection of the Southeast Ridge. All this added immensely to national pride and the great resurgence of mountaineering in India.Captain Kohli was born on December 11, 1931, at Haripur surrounded by Kaghan hills, on the banks of the Indus, in the foothills of the Karakoram mountains in the erstwhile NWFP, now in Pakistan. His love affair with the mountains began in his childhood itself. Psychologically, the 1947 Partition, where he survived the mass massacre of innocents, was a major turning point in his life: emerging physically and mentally stronger with a survivor's instincts.These traits came to the fore in 1962 when as the deputy leader of the Everest expedition and leader of the summit party, he, along with two others, spent three nights, two without oxygen, in raging blizzards. They had, in Unsworth's words, almost passed the point of no return. The descent had the qualities of a nightmare.Earlier, in 1960, on India's first expedition to Everest, he reached the South Col as a member of the second summit party when the expedition had to be called off due to bad weather and the onset of monsoon.He was commissioned into the Indian Navy in 1954, reporting to INS Shivaji at Lonavala, the offshore training institute. He later joined the Indo-Tibetan Border Police and developed the force into a formidable mountaineering organisation.Starting with Saser Kangri (25,170 ft) in 1956, Captain Kohli was a member/leader of 20 major expeditions, which included the first ascents of Nandakot (1959) and Annapurna iii (1961).Having reached the pinnacle of his mountaineering career in 1965, Captain Kohli did not rest on his laurels. Later that year, he was involved in an exciting Indo-US secret mission to install nuclear-powered listening devices on the Himalayan peaks, notably Nanda Devi and Nandakot, to monitor Chinese missile capabilities, vividly described in his book, 'Spies in the Himalayas'.He joined Air India in 1971. He began by promoting trekking in the Himalayas and India's other vast outdoors with their unlimited scope for adventure. There is hardly any discipline in the realm of aero, water and terrestrial sports that escaped his attention. In 1978, he flew over the South Pole.He became deeply involved in the 'Save the Himalayas' movement. In 1989, he cofounded the Himalayan Environment Trust (HET) with Sir Edmund Hillary, also involving mountaineering legends such as Maurice Herzog, Chris Bonington, Reinhold Messner and Junko Tabai and eminent Indian personalities like Dr Karan Singh.He had a long stint as the vice-president and president of the Indian Mountaineering Foundation and his achievements were many. He mentored the 1984 Everest expedition which had the distinction of having the first Indian woman, fifth in the world, Bachendri Pal, reaching the summit. I was the leader of this expedition.

Universe: Buddhism was pushed out, or pulled out

When people speak of how Buddhism was driven out of India, they often overlook the possibility that it could have simply moved out to lands of receptive kings

Buddhism that rose in India around 500 BC did not thrive in the land of its origin after 1200 AD. When people speak of how Buddhism was driven out of India — either by Brahmins or Islamic invasion — they often overlook the possibility that Buddhism could have simply moved out to greener pastures, to lands of receptive kings.In Buddhist lore, the decline of Buddhism was always prophesied, in keeping with the doctrine of impermanence. It was related to the failure of kings to protect Buddha's legacy (sasana). But this failure was compensated by the resilience of monks. Brahmins believed journeys to distant lands would result in loss of caste. The fear also restricted the movements of Jain monks. By contrast, Buddhist monks were adventurous, willing to travel to spread Buddha's word.Much of Buddhism's initial success lay in its appeal to foreign kings such as Yavanas, Shakas and Kushans, who controlled the Gandhara-Mathura-Ellora-Sopara-Amravati trade routes between 200 BC and 200 AD. When the Shakas and Kushans were pushed out by local kings, Buddhism moved with them to Central Asia.India, which was the centre of the Buddhist world, or Jambudvipa, in 700 AD, came to be seen on the edge by 1700 AD. By then, China was known as the land of Manjushri, Mongolia the land of Vajrapani Mahakala, and Tibet the land of Avalokiteshvara Padmapani. The most magnificent Buddhist temples and pagodas were built in South-East Asia: Angkor Wat in Cambodia, Borobudur in Java, Ayutthaya in Thailand, Bagan in Burma, and Anuradhapura in Sri Lanka. The last of the great Buddhist kings in India was Harshavardhan of Thaneshwar, a contemporary of Tang dynasty in China, and Prophet Muhammad in Arabia.The Theravada school of Buddhism had reached Sri Lanka by the 5th century AD. It spread further in the 10th century to Burma and Thailand. Meanwhile, the Mahayana school of Buddhism became popular in China from as early as 300 AD. Chinese emperors imported relics from India and imitated Ashoka in building stupas. They sent monks to study original texts in Nalanda and other universities.

New forms of Buddhism emerged in the East, focused not on Gautama Buddha, but more on future Buddha Maitreya, wise Buddha Manjushri and King Buddha Amitabha, of Pure Land Buddhism. There was even a female Bodhisattva, Kwanyin.In Tibet, the Vajrayana, or the occult school of Buddhism, thrived from 1000 AD, introducing ideas such as "war magic". Buddhist Mahakala and the fierce Heruka deities of Tibet were venerated by the Mongols who conquered China.Opposition to Buddhism began in the Ganga river basin during the Gupta period, 400 AD. Gupta kings saw themselves as the wild-boar Vishnu-Varaha saving the earth and dharma from Buddhism-patronising foreign rulers. Sun-worshipping Hunas attacked Buddhist monasteries in Gandhara in north-west India and wiped out Taxila universities around 500 AD. In the Deccan region, long-trade routes collapsed with the fall of the Roman Empire. Attention of kings, after 600 AD, shifted from trade to agricultural income. Brahmin skills in managing farm lands through temple-corporations made them popular amongst Chalukyas, Pallavas, Pandavas, Gangas and Cholas.

By 800 AD, India had three major religious influences: a powerful Buddhist lobby in the east led by Palas, a dominant Jain lobby in the south led by Rashtrakutas, and a significant Shaivite presence in the north led by Gurjara-Pratihara. Many wars were fought between the three. Hindu hagiographies from India and Nepal, composed after 1300 AD, claim that Adi Shankara (who lived around 700 AD) won many debates against Buddhists. But Tibetan books, composed after 1500 AD, claim he lost to Buddhist masters. Relying on texts is unreliable.By 1000 AD, the Buddhist Palas were replaced by Shiva and Vishnu worshipping Senas. Jain Rashtrakutas were replaced by Shiva and Vishnu worshipping Chalukyas and Gangas, and later Hoysalas, Kakatiyas and Yadavas. After 1300 AD, Islamic Sultanates stopped supporting Buddhist universities.

To survive, many monks migrated to Sri Lanka and South-East Asia.Emphasising the "pushing out" of Buddhism frames it as a passive victim. Its "pull out" strategy in response to local hostility, and greater opportunities in foreign lands, reminds us that even ideologies can have agency.

Dumping threat looms elsewhere as India nears U.S. deal

While the contours of the proposed deal are unknown, it's likely that it would enhance economic partnership, transform bilateral trade and lower tariffs, making products competitive across sectors

Donald Trump has dropped a big hint about signing a "very big" trade deal with India. The remarks, coming ahead of his July 9 deadline for striking deals or resuming 'reciprocal' tariffs, offer a significant relief for markets, policy makers and industry. Tariff-related uncertainties have triggered a massive sell-off in global and domestic equity markets, with foreign portfolio investments remaining volatile. While the contours of the proposed deal are unknown, it's likely that it would enhance economic partnership, transform bilateral trade and lower tariffs, making products competitive across sectors such as energy, agriculture, defence and aviation. It's also possible that India would gain market share in some American sectors owing to lower tariffs; although the gains would depend on India's comparative advantage against other countries. The anticipated direct export loss is pegged at $14 billion, amounting to 0.38 percent of India's GDP, according to a working paper published by the National Institute of Public Finance and Policy.

The export basket might change, too. Some of India's top 10 exports to the US—including electronic goods and gems & jewellery—may lose market share as competing

countries are subject to lower tariffs on these products. On the other hand, we may gain in the footwear, apparel, electrical machinery and toy markets. For instance, according to the NIPFP paper, China, Vietnam, Indonesia, Italy and Cambodia account for 45.5 percent of the total in footwear exports to the US. Even if China is excluded, India can potentially corner a bigger share from Vietnam and Indonesia, which are subject to much higher tariffs of 46 percent and 32 percent, respectively. Similar opportunities exist in the furniture and sports equipment markets, tooAt the same time, a multi-product, multi-country dumping threat looms over India. We should be watchful as China, Vietnam, Taiwan and others facing higher tariffs look to flood us with cheaper goods. While India reduces the tariff deficit with the US, it needs to offer calibrated concessions on select US goods like aerospace components. We should secure sector-specific exemptions, negotiate duty waivers for auto components and electronics, and diversify export markets away from the US, pursuing opportunities in the EU, the UK and ASEAN. Above all, India should strengthen domestic manufacturing, boost Make in India initiatives in key areas such as semiconductors, renewable energy and electronics to reduce import reliance and attract investments.

Turning back the pages of time

At any given time, I always have 10 or 15 unread books on my shelves and feel the richer for it

Hazaribagh in Bihar in the early 1960s. I was 10 when I first got to know Dr Binoy Chatterjee. I don't know how old he was, but he looked pretty old to me because when you are 10, everyone beyond 40 looks like a centenarian. Dr Chatterjee was our family doctor, a homeopath, and I don't think he charged us a penny. He was a big, burly man but I think he had some problems with his feet because they were always bandaged and he never stepped out of his house. Why do I remember him after almost 60 years? Because he introduced me to the wonders of the English language and the habit of reading.I was studying in St Xavier's and, as you can imagine, we were given a constant overdose of the classics, Wren and Martin and Palgrave. These did not, however, excite Dr Chatterjee much. "Abhoy," he used to counsel me in that rolling Bengali accent which in later days Mamata Banerjee transformed into a rolling pin, "Classical literature is useful, but it puts the English language into a strait-jacket. Na, baba, it makes it too serious. Language must be fun, you should be able to play with it like a puppy with a ball; it should be capable of many meanings, like the fleeting glance of a beautiful woman." I saw what he meant, vaguely; I had a puppy at home and every woman looked beautiful to me, but each in a different way. And so the good doctor took it upon himself to initiate me into the unfettered world of an English language that could convey the joy of living, and not just its grim tragedies.Leave the classics in school, he told me sternly, and plied me instead with Mark Twain, Steinbeck, Oscar Wilde, JH Chase, Perry Mason, Bennett Cerf, JJ Hunter, Jim Corbett, Max Brand, Billy Bunter, Zane Grey, Manohar Malgaonkar, Alistair Maclean, Spike Milligan, Richard Gordon, even the first edition of Fitzgerald's 'Rubaiyat of Omar Khayyam'! He had the most wonderful collection, carefully packed in cartons, catalogued and indexed. On top of his list was PG Wodehouse.

The prescription was simple: one's reading must be eclectic, every genre is as important as the next, if reading is not fun then it's a waste of time. And then there were the magazines: Punch, RD, Imprint and a glossy precursor of the National Geographic whose name I now cannot recall. And I didn't have to buy a single book: Dr Chatterjee had trunk loads and disbursed them to me lovingly, after conducting a short viva voce on each book returned by me!The good doctor's bug made me a bookworm for life. My family moved to Calcutta, where my grandfather had two bookshops in New Market and one in the Grand Hotel. I soon struck a Trumpian deal with him: during my school/college holidays, I would help in selling the books (for which I received a commission of 4 annas per book), and spend the rest of the time devouring as many more as I could. I could never afford to buy a new book, of course, having started life on a pocket money of 5 rupees a month, which subsequent inflation took to 25 in my college days.

So, one scoured College Street in Calcutta, Navin Market in Kanpur and the Red Fort/Chor Bazaar markets in Delhi in later life for second-hand books. I still have them — handsome, leather-bound, picked up for as little as 8 annas in those pre-globalisation days. Till today, I cannot buy a book at its printed price — it has to be a discounted Amazon

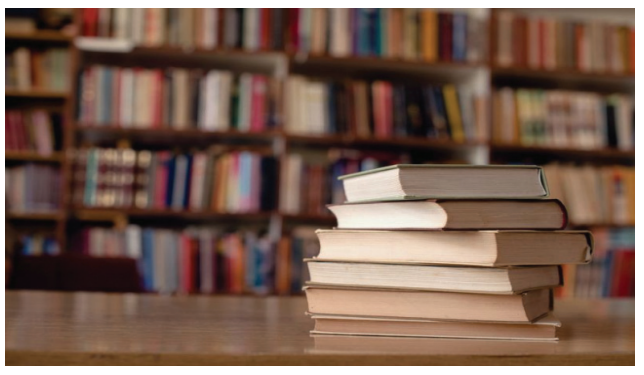

bookshop when in a severe state of penury, which was most of the time. The SOP was quite simple, really: walk in with three books and walk out with four, the desired title sandwiched between the others. Fortunately, this phase didn't last long, preventing me from becoming the head librarian in Tihar jail.I don't like people borrowing books: I consider it an invasion of my private space and akin to borrowing someone's girlfriend. I hoard newly bought books and defer reading them for as long as I can. It's like these tomes are my capital, a kind of fixed deposit, and reading them would amount to breaking the FD and depleting this precious stock. So, at any given time, I always have 10 or 15 unread books on my shelves and feel the richer for it.My sons have tried to introduce me to Kindle and digital reading, without success. How does one explain to them that a book is a living entity and not a jumble of algorithms? That it must feel good to touch; the smell of paper, ink and time fondly reminds one of where and when it was bought (or filched); enables one to make notes in the margins. It's a difficult feeling to convey, but I think Jawaharlal Nehru came closest to it, though in an entirely different context. At a formal dinner, Nehru and Lord Mountbatten were having tandoori chicken. Nehru was eating with his fingers, but Mountbatten was making heavy weather of it with knife and fork. Panditji could not contain himself: "My lord, use your fingers. Eating tandoori chicken with a knife and fork is like making love to a beautiful woman through an interpreter, you know!" That is exactly what Kindle does to reading: it can make you a promiscuous reader but not a faithful or satiated one.I have just acquired my latest tome, Yuval Harari's 'Home Deus'. It's at number 16 of my waitlisted books, and in the normal course its turn for reading should come in 2026 or 2027. But it is all of 1,000 pages and weighs about 2 kg. If I wait too long, the Grim Reaper may knock on my doors before I finish it.I have seriously considered doing a Chetan Bhagat to it, i.e. read the first and last pages only, and instantly get the gist of all that lies in-between. But that would be worse than using an interpreter — it would be like employing a stenographer. So I think I'll just give it away to Arnab Goswami. It will fill the yawning gaps in his education but best of all.

Adani Enterprises to raise Rs 1,000 crore via retail bonds

New Delhi. Billionaire Gautam Adani's flagship firm, Adani Enterprises, is planning to raise Rs 1,000 crore through a retail bond issue, according to stock exchange filings. The company has submitted a draft prospectus for the same.This would mark the conglomerate's second foray into the public debt market within a year.Back in September 2024, Adani Enterprises raised Rs 800 crore in its maiden retail bond issue, which received strong investor response.The latest proposed issue includes a green-shoe option of Rs 500 crore, allowing the company to retain oversubscription if demand is strong.

The bonds will be managed by Nuvama Wealth Management, Trust Investment Advisors, and Tip Sons Consultancy Services. However, key details such as the interest rate (coupon), tenure, and launch date are yet to be announced.

The proposed bonds have been rated AA- by both ICRA and Care Ratings, signalling a relatively stable credit outlook.This move comes at a time when more corporate giants are looking to tap the retail bond market, as investor appetite for fixed income products grows amid volatile equity markets.

Most corrupt I've seen: Finfluencer on Indian metro real estate market

New Delhi. India's metro real estate market is "one of the most corrupt" spaces in the country, according to finfluencer and financial educator Akshat Shrivastava, who recently stirred debate online with a blunt critique of how property prices in big cities remain inflated by black money and speculative hoarding.In a widely shared LinkedIn post, Shrivastava claimed that just nine families control nearly 20% of Mumbai's real estate, wielding disproportionate power over pricing."Real estate in Indian metros is one of the most corrupt I have ever seen," he wrote, pointing to how untaxed money continues to fuel demand—not out of necessity, but to park wealth securely in physical assets."Rich businessmen deal with black money the only option is to buy real estate or physical gold," he explained. That capital, according to him, goes into properties that are often left vacant. "These rich guys don't need to rent. They're cool with keeping properties vacant," Shrivastava added.He explains that the result is a distorted market where home prices soar, rental yields shrink, and the average middle-class buyer is left chasing an increasingly unattainable dream. "You don't need to own a house in a metro," Shrivastava said, arguing that many end up buying at inflated rates for paltry rental returns—typically around 2–3%—while locking in long-term debt.

"Anyone telling you to buy a property in metros to get your 2-3% yield is a sales agent disguised as YouTuber," he warned.He urged potential buyers to do the math before investing, especially in metros, and suggested buying homes only when rental yields exceed 4%. "Treat your house as lifestyle, not investment," Shrivastava wrote. "People lie, math does not."

Sensex falls over 100 points, Nifty down slightly; Jio Financial rises 1%

New Delhi. Benchmark stock indices opened slightly lower on Thursday despite easing geopolitical tensions and strong global cues. The weak start on Dalal Street appeared to stem from mild profit booking in banking and financial services stocks, even as broader sentiment remained cautiously optimistic.Around 9:24 am, the BSE Sensex was down 56.62 points at 84,002.28, after briefly falling over 100 points in early trade. The NSE Nifty50 slipped 10.55 points to 25,627.25. The 50-share index, which has rallied in recent sessions, remains just shy of its all-time high of 26,277.Broader market indices opened largely in the green, but volatility ticked higher, signalling a likely tug of war between bulls and bears as the session progresses.Early gainers included Jio Financial Services, Eternal, ONGC, Trent and IndusInd Bank. Among the top laggards

were Hero MotoCorp, NTPC, Tata Consumer Products, Bharti Airtel and HDFC.

Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Financial Services, pointed to favourable global tailwinds. "With the S&P 500 and Nasdaq setting new record highs, and most global markets in bullish mode, the overall market construct looks positive," he said. "The decline in geopolitical tensions in West Asia, a sharp pullback in Brent crude to $67, and progress on trade deals between the US and major partners are all supportive of equities."He noted that recent gains in Indian markets have been driven by institutional accumulation in large-cap stocks such as HDFC Bank, ICICI Bank, RIL and L&T. Meanwhile, a weak dollar index continues to favour foreign investor inflows, while steady retail participation is supporting domestic fund flows.However, Vijayakumar cautioned that while staying invested in this bull market makes sense, "making fresh investments at elevated valuations would be risky."

Alembic Pharma stock jumps 12% on US nod for its generic cancer drug

One of India's pioneering pharma companies, Alembic has been steadily building its presence in the US market recently.

CHENNAI. Shares of Vadodara-based drug maker Alembic Pharmaceuticals jumped over 12% after the company received approval from the US Food and Drug Administration (USFDA) for its generic version of Doxorubicin Hydrochloride Liposome injection. This drug is used in cancer treatment and is part of a high-value and competitive segment in the US pharmaceutical market. The approval marks another important step in Alembic's efforts to expand its US generics portfolio.

One of India's pioneering pharma companies, Alembic has been steadily building its presence in the US market, with more than 180 Abbreviated New Drug Applications (ANDAs) filed and over 120 already approved. This latest approval is expected to add to its revenue stream and improve market visibility, especially in the oncology segment.

The company, which was previously focused mainly on the domestic market through its active pharmaceutical ingredient (API) and formulation businesses—primarily in antibiotics—has only recently begun actively expanding into international markets."While the stock gained strongly on this development, it comes shortly after Alembic reported its financial results for the fourth quarter of FY25. The company posted a 17% year-on-year increase in revenue, reaching around ?1,770 crore. However, its net profit declined by about 12% to ?157 crore due to increased investment in R&D, manufacturing capacity, and regulatory compliance. Despite the dip in profit, the company's EBITDA rose 9% to ?286 crore, showing that its core operations remain strong.The US business continues to be a major growth driver for Alembic. In the fourth quarter, US sales contributed around ?521 crore, with strong year-on-year growth. The company has also been actively launching new products and investing in new facilities --in Jarod and Karakhadi -- to support future growth.

Investor reaction to the USFDA approval has been positive, as the market sees this as a sign of Alembic's growing capabilities in complex generics. Although recent profit numbers were slightly lower, the long-term outlook remains promising with more product launches and international market expansion expected.The sharp rise in Alembic Pharma's share price reflects investor confidence in its US growth strategy and the commercial potential of its newly approved cancer drug.

IndusInd Bank submits CEO shortlist to RBI after leadership exits: Report

The candidates include Rajiv Anand, Rahul Shukla, and Anup Saha — all experienced financial sector leaders. The move comes after the abrupt exits of CEO Sumant Kathpalia and deputy Arun Khurana in April, following a $230 million hit from years of misaccounting in internal derivative trades.

New Delhi. IndusInd Bank has submitted a shortlist of three senior bankers to the Reserve Bank of India (RBI) for consideration as its next chief executive officer, reported news agency Reuters, quoting two people familiar with the matter.

The candidates include Rajiv Anand, Rahul Shukla, and Anup Saha — all experienced financial sector leaders. The move comes after the abrupt exits of CEO Sumant Kathpalia and deputy Arun Khurana in April, following a $230 million hit from years of misaccounting in internal derivative trades.The central bank, which has the final say in leadership appointments at Indian banks, had directed IndusInd to provide a list of potential successors by June 30. The board has proposed a three-year term for the incoming CEO, one of the sources said.Anand, currently deputy managing director at Axis Bank, has held senior positions at global and domestic financial institutions.Shukla, presently on sabbatical, was group head at HDFC Bank with over three decades of industry experience. Saha, meanwhile, serves as managing director at Bajaj Finance and has worked in financial services for 25 years."Rajiv Anand's name has been given as the first priority by the board, given his reputation and the experience he brings to the table," one of the sources said.

IndusInd Bank, the RBI, and Saha did not respond to requests for comment. Anand and Shukla also did not respond to messages seeking comment.Shares of IndusInd Bank were up 1% around 12:35 pm, but have declined over 10% so far this year.

Government's favourite baby: Investment banker on India's real estate boom

New Delhi. Is India's real estate market in a bubble? Not even close, says investment banker Sarthak Ahuja. In a LinkedIn post, Ahuja argues that the sector isn't just growing, it's structurally protected and relentlessly supported by policy. Why? Because real estate, he says, is the Indian government's "favourite baby."

"They will always keep making policy for its growth compared to all other children," he wrote, using a metaphor to highlight the long-standing tilt in favour of the housing market over other asset classes.At the heart of Ahuja's argument is taxation. No other investment avenue, he says, enjoys the kind of fiscal privileges that real estate does. From a flat 30% standard deduction on rental income—without the need for proof or bills—to the capital gains exemption that lets investors reinvest profits from any long-term asset into residential property tax-free, the system is built to reward real estate ownership. Even housing loan repayments offer twin deductions on both principal and

interest from taxable salary income."How many other expenses can you reduce from your salary income for taxability?" Ahuja asked, pointing out that this isn't just a loophole, it's policy by design.

But his reasoning goes beyond tax. India's unique demographics, he explains, also make a compelling case. The average Indian household has around five members, far higher than the 2–3 seen in most developed countries. As nuclearisation grows and millions remain without homes, the pressure to double housing stock Add to this the sector's economic footprint—real estate is India's second-largest employer—and it becomes clear why the government would continually prioritise its growth. "Given the skill level of the masses, they will need to continue boosting the sector to create more jobs," he said.

Ahuja's post is a rebuttal to the popular belief that India's property market is overheated or on the verge of correction. On the contrary, he believes the real action is still ahead."Anyone who says India's real estate is in a bubble can't see what the sector will do in the next one decade," he wrote.

8 years of GST: Top 5 achievements you should know

New Delhi. It has been eight years since India rolled out the Goods and Services Tax (GST), one of the country's biggest tax reforms. Back in July 2017, GST promised to bring 'One Nation, One Tax' by merging various indirect taxes under one umbrella. Today, it is part of our daily lives, from a cup of tea to a car, almost everything we buy has GST added to its bill.But what has GST really achieved in these eight years? Let's look at five key highlights that show how far the system has come.

'ONE NATION, ONE TAX' MADE REAL

Before GST, businesses dealt with multiple taxes like VAT, service tax and excise duty, which often made things complicated. With GST, these different taxes were replaced by a single, uniform

tax.This made doing business smoother and easier for companies and shopkeepers alike. Goods can now move freely across states without long queues at checkposts.

A BOOST TO FORMAL ECONOMY

GST helped bring more businesses into the tax net. Small traders, start-ups and online sellers now have to register under GST if they cross certain turnover limits.This push towards formalisation means more tax compliance and better transparency in the system. Also, over the years, the number of GST-registered businesses has grown steadily.According to Karthik Mani, Partner, Indirect Tax, BDO India, "Beyond any doubts, implementation of GST in India is one of the key taxation reforms that not only changed the way business manage their taxes but also helped business to adopt technology and improve efficiencies. From multiple State level tax system to a unified tax law, the GST law has grown from ~ Rs.7.19 lakh crore in FY 2017-18 (for 9 months) to Rs. 22.08 lakh crore in FY 2024-25, which reflects the level of economic growth in the country and growth in tax compliance."

STRONGER REVENUE COLLECTION

Since its launch, the Goods and Services Tax (GST) has boosted India's revenue growth and broadened its taxpayer base.

Rural India holds steady as urban consumption slows, finds Equirus Securities

New Delhi. India's consumption story is beginning to fracture along old lines again. While urban markets cool off under the weight of inflation, high ownership costs, and erratic weather, signs of resilience are starting to re-emerge in the countryside.

Equirus Securities, in its latest round of channel checks across sectors, reports a patchy but telling picture of the current demand environment. The mood remains subdued overall, but analysts note an undercurrent of recovery in rural pockets, led by fast-moving consumer goods (FMCG), electric mobility and segments of real estate.The report suggests that short-term momentum in auto (excluding electric two-wheelers), building materials and consumer durables will likely stay weak until the festive cycle kicks in around late August. But within that broad softness, some encouraging patterns have begun to surface.

WHAT'S HAPPENING ACROSS SECTORS?Electric two-wheelers are holding ground. Registrations rose on a year-on-year basis, with players like TVS, Bajaj and Hero seeing growing traction, even as Ola faced sharp declines. In the FMCG space, rural demand has quietly outpaced urban, especially across essentials like staples, oral care and beverages.Retailers are adapting to urban fatigue with smaller SKUs and price discounts, but that hasn't masked the underlying caution."Rural volume growth has meaningfully outstripped urban in recent months," the Equirus note states, adding that demand for summer-linked products like juices and cooling personal care was dented by unseasonal rains.Consumer durables, especially air conditioners and coolers, took a hit as milder-than-expected temperatures and erratic rainfall suppressed peak season sales. After a strong showing in March, volumes dropped by 10–15% in April and up to 25% in May. The southern markets were the most affected.

CAUTIOUS REVIVAL FOR REAL ESTATE

In real estate, momentum is slowly rebuilding. Pre-sales remained strong in key markets like NCR, Bengaluru and Pune, driven by recent big-ticket launches. But Mumbai's construction pipeline remains sluggish due to regulatory headwinds. Even in markets showing energy, the earlier frenzy around redevelopment project bids is visibly

easing.Leasing activity is seeing a steady uptick across cities, though infrastructure construction, especially contract awards, remains muted. Where approvals are now falling into place, construction work has started to pick up. Hybrid Annuity Model (HAM) projects continue to dominate the bidding landscape.Still, the building materials segment, which depends on final-stage demand from both new builds and renovations, remains in the doldrums. Spending is tight and recovery from real estate launches that began in FY22 hasn't filtered into this segment yet.Ceramic tiles, bathware, and wood panels are seeing slower offtake, delayed both by seasonal construction pauses and wider volatility in retail demand. Labour shortages, pollution-related construction bans, and cost concerns continue to cloud the outlook.A TALE OF TWO ECONOMIESThe auto sector, often a microcosm of the broader economy, reflects this divergence. Two-wheeler demand slowed after the wedding season, though brands like TVS and Royal Enfield continued to post better numbers. Passenger vehicle sales are still soft, dragged by rising ownership costs and a lull in new launches.

In QSRs and large appliances, the urban consumer's fatigue is becoming clearer. March brought a brief spurt, with consumer durables logging 25% growth year-on-year, but that energy faded fast.

Volumes in April and May have trended sharply downward. It's an early sign that optimism around urban discretionary spending may have been premature.

Improper parking, no PUCC, riding without helmet top 3 traffic offences in Delhi, shows data

Agency New Delhi.

With over four lakh challans issued till May 31, improper and obstructive parking is the top offence going by the challans issued by the Delhi Traffic Police (DTP) this year. Plying vehicles without a pollution under control (PUC) certificate and riding two-wheelers without helmets also make the list of the top three traffic violations in the Capital.

A total of 4,19,230 challans were issued against obstructive parking, 3,73,197 against vehicles plying without PUC certificate, and 2,59,123 against helmetless riders on two-wheelers, as per the official data till May 31. More than two lakh challans were issued against drivers not carrying a licence.

Dr S Velmurugan, Chief Scientist and Head, Traffic Engineering and Safety Division, Central Road Research Institute, opined, "There are many ways to control such offences… some require enforcement, while some need basic sense among people. For PUCC, refilling of fuel can be denied, or the vehicle can be impounded.

Even AI-based solutions can be adopted to find a possible solution."

On improper parking as an offence, he said, "The population of humans and the number of vehicles are way beyond what the city can accommodate, and it is next to impossible for policemen and even technology to be omnipresent. The issue of improper parking is more of a civic and behavioural problem. The same is the issue of riding without a helmet. Considering that road accidents lead to loss of lives, especially in a scenario where people are riding without helmets, it should be more of a practice at an individual level than an imposition," Velmurugan said.

He added that wearing the right quality of helmet is also another practice that must be followed.

The Delhi Traffic Police takes several measures on the ground to ensure that rules are followed. Apart from on-ground challans, notices are also issued for violations caught on cameras."Some of the offences like driving without a licence, underage driving, driving on the wrong side of the road, improper parking are the issues wherein the individual is well aware of the violation… yet they are doing it.

Parking on the roadside or improper parking also adds to the traffic woes as a lane is occupied, and if just one car is parked, others follow. In some scenarios, due diligence is a must," said Ajay Chaudhary, Special CP Traffic.

Despite facelift, many find Arogya Mandirs as old wine in new bottle

Agency New Delhi.

The newly launched Urban Ayushman Arogya Mandirs (U-AAMs), transformed from existing dispensaries operated by the government and municipal bodies, are being projected as a significant overhaul of the city's primary healthcare system. These centres promise a wider range of services, including online registration, advanced diagnostic facilities, daycare admissions, regular yoga sessions, and more.

"Infrastructure has drastically improved. There was a lot of seepage earlier. CCTV cameras will also be installed. DOT and malaria centres are being upgraded too," said a nurse at the Sewa Nagar U-AAM.

Doctors reported that footfall has increased since the transformation, indicating growing public interest in the initiative. "We are seeing a significant rise in patients coming to the facility ever since it turned into a U-AAM. It may also be due to the online registration facility. Patients don't have to stand in a queue for consultation. It's saving their time," said Dr Nikhil Kumar, medical officer at the Defence Colony U-AAM. A medical officer at the Molarband centre said that minor trauma care—previously unavailable—is now functional across all U-AAMs. "We have a dresser now. Minor accidents can be managed at the facility itself," he said.

Dr Kumar added that the centres now offer daycare admissions and oxygen support. "Patient admission for oxygen support is available. We have enough equipment like oxygen cylinders, concentrators, and masks," he further said.

Currently, 11 types of diagnostic tests—including HIV, blood sugar, typhoid, and malaria—are conducted at U-AAMs. For advanced investigations, a private diagnostic firm has been engaged, the officials said.Additionally, each centre is preparing a dedicated space for biweekly yoga sessions for patients. While the upgraded infrastructure—with fresh paint, floor tiling, and improved waiting areas—has enhanced the appearance of these centres, many long-time patients say the quality of care remains largely unchanged.

In public transport boost, Noida to get 8 double-decker e-buses. Here are the details

Agency New Delhi.

In a boost to Noida's public transport, the city is set to receive eight double-decker electric buses, which will run between Botanical Garden Metro Station and Greater Noida West, said officials.

Of the eight buses, four will operate between Botanical Garden and Pari Chowk, while the remaining four will run deeper into Greater Noida West. Officials said the routes and stops for these buses are still under consideration. An announcement in this regard is expected soon. The authorities are expected to launch a trial run around mid-July.

Earlier, the plan was to transport the buses to Noida by road. However, due to the lack of charging facilities along the route, the Uttar Pradesh Transport Corporation has now decided to bring them by rail instead. "The buses are expected to arrive by mid-July," Manoj Kumar, Regional Manager, Gautam Buddha Nagar, told the media.

Surveys are being conducted to finalise the routes for the four buses that will serve Greater Noida West. Authorities are taking into account infrastructure constraints such as underpasses and foot overbridges to ensure the buses can move safely and without obstruction. Officials also said the buses would run on service lanes to avoid congestion on main roads and reduce the chances of flyover-related accidents.

At present, a large number of private buses operate between Botanical Garden and Pari Chowk. Commuters have raised repeated complaints about high fares, lack of designated stops, and frequent overcrowding. "These double-decker buses are expected to provide a safer and more reliable option," Kumar said. The fare structure for the new service will be announced soon. The transport department is also working on a monthly pass system for regular passengers to make daily travel more convenient. The buses are likely to operate till 10 pm each day, even as this schedule may be revised based on ridership patterns once the service is started, officials said.

Fuel ban policy faces key hurdles

Agency New Delhi.

In a bold move to combat pollution, the government is set to launch an unprecedented solution: a complete fuel ban on end-of-life vehicles (ELVs). The initiative, the first-of-its-kind in the country, aims to curb the emissions from vehicles that are believed to be the most polluting. Backed by cutting-edge technology, including Automatic Number Plate Recognition (ANPR) cameras, the new system will automatically detect and block fuel access for these vehicles at petrol pumps, preventing them from refuelling at petrol stations, effectively taking them off city roads.

But with just one day left before the highly anticipated rollout, all is not smooth sailing. A visit at over a dozen petrol stations revealed a troubling lack of preparation.

There's confusion among petrol pump staff, many of whom are still unaware of how the new system works, and missing standard operating procedures (SOPs). Adding to the chaos is an absence of coordination between the gas stations and the implementing agencies responsible for enforcing the order, which raises concerns about how effectively the ambitious plan will take off. As the countdown begins, the question remains: can this unprecedented solution deliver on its promise or will it stumble at the starting line?

What's behind fuel ban system

Despite previous attempts at curbing pollution through odd-even schemes, BS-VI fuel adoption, and EV incentives, older internal combustion engine vehicles remain a major hurdle. Majority of the ELVs are operating on below BS VI emission standards or even lower to BS III and BS II.

Vehicles particularly those operating below BS-VI emission standards, have significantly higher emission potential. BS IV vehicles have 5.5 times higher PM emissions than the BS VI vehicles. The new rule, announced by the Delhi Transport

Department under directives from the Commission for Air Quality Management (CAQM), defines end-of-life vehicles (ELVs) as those diesel vehicles that are more than 10 years old and petrol vehicles older than 15 years.

The policy draws on a 2015 order of the National Green Tribunal (NGT) banning such overaged vehicles from the capital's roads, which was later upheld by the Supreme Court in 2018.

Delhi government seeks Rs 1K crore for measures to clean up air

PWD Minister Verma along with Environment Minister Manjinder Singh Sirsa, was inspecting the Nehru Park area as part of the government's initiative to install air purifiers in the city.

Agency New Delhi.

The Delhi government has requested a grant of Rs 1,000 crore from the Centre to deploy new technology and implement measures to improve the Air Quality Index (AQI) of the national capital, PWD Minister Parvesh Sahib Singh said on Sunday.

Verma, along with Environment Minister Manjinder Singh Sirsa, was inspecting the Nehru Park area as part of the government's initiative to install air purifiers in the city.

"Since we have formed the government, our cabinet minister Singh Sirsa and his department have taken several steps in lowering pollution and AQI in Delhi. We will identify spots in Delhi and come forward with our best technology. We have requested a funding of Rs 1000 crore from the central government for this,"Sahib Singh said.

The ministers visited Nehru Park to review the feasibility of creating a pilot Clean Air Zone. The government is evaluating whether the installation of

outdoor air purifiers across public parks can create micro-climates of significantly cleaner air, particularly during days with increased AQI levels.

This is part of a larger exploratory study that could lead to Delhi's first Clean Air Zone if found viable. The 85-acre Nehru Park has been identified as a potential pilot site for the installation of 150 advanced air purification machines, subject to further analysis.

"We are conducting a study. The technology has shown promise in limited applications, and we aim to determine whether it can work across larger green zones, such as Nehru Park. We aim to ask people if the technology fit to work or not in their feedback," said Sirsa. "This is part of a proactive approach — testing innovation before scale, and only where it truly benefits people." Each proposed purifier is over 9 feet tall and uses advanced filtration technology to capture harmful PM2.5 particles. If implemented in the future, these could cover a 400–600 square meter radius and offer year-round relief to walkers, joggers, and children using the park.

'We maintain parks well, can oversee sweeping': Gurgaon RWAs seek speedy handover of sanitation duties from civic body

Agency New Delhi.

Residents in Gurgaon have called for the municipal corporation to promptly transfer sanitation duties to Residents' Welfare Associations (RWAs) amid a rising garbage menace in the area. Despite a proposed agreement for RWAs to take over these responsibilities, no formal policy has been established, they said.

In a meeting on May 18, more than 60 RWAs in Gurgaon resolved to take over sanitation duties from the municipal corporation. The decision received in-principle approval from the previous municipal commissioner Ashok Garg, but the handover of sanitation duties has not commenced formally. A corporation official also confirmed that no policy in this regard has been finalised and notified yet, despite the civic body having accepted the handover of sanitation duties to RWAs.

Residents alleged that current policies do not adequately address the garbage issues, leading residents to hire additional labour at their own expense. The existing policy only deals with the operation and maintenance of sanitation in sectors without specifying the number of labourers needed to be posted, said residents.

"For two years now, residents have been crying about this, but nothing has happened. We sent a representation, but the commissioner said there is no policy. When we have been maintaining parks, which are under the horticulture department, we can oversee sweeping, too, rather than let the situation slide further," said Kusum Sharma, a Suncity RWA member. Sharma added that the civic officials in power appear not to be concerned about the sanitation issue.

Two years on, Jamia's medical college still a distant dream

Agency New Delhi.

In 2023, the then Vice Chancellor of Jamia Millia Islamia, Najma Akhtar, made a major announcement that sparked hope and excitement within the university and among medical aspirants: the launch of a full-fledged medical college, with admissions expected to begin as early as 2024.

Nearly two years later, the promise remains unfulfilled, with no visible signs of construction or official updates on the project.

The ambitious plan, aimed at bringing Jamia on par with other central universities housing medical institutions, was touted as a step forward in expanding access to quality medical education. However, as of mid-2025, there is little to suggest that any groundwork—figuratively or literally—has been laid.

"No construction has started. No announcements, no tenders, no official circulars. We don't even know if the plan is alive anymore," said a senior faculty member on condition of

anonymity. Najma Akhtar had proposed setting up the medical college within the campus as an eight-storey building, previously referred to as the 'Health Sciences Building.'

Before her retirement, she announced that the work was in progress.

She also revealed that the university had reserved five acres of land near Jasola for a 150-bedded hospital. The medical college and the hospital could be at different locations, and ideally, the hospital should be away from the university premises due to hygiene concerns. The former Vice Chancellor had intended to have the project framework ready before leaving office.

Attempts to reach current Vice Chancellor Mazhar Asif for comments went unanswered. Meanwhile, students and staff have grown increasingly skeptical. Setting up a medical college in India requires approval from the National Medical Commission (NMC), along with infrastructure, faculty appointments, and substantial funding.

Nearly 1/4th of MCD drains in Delhi are yet to be desilted: Report

Desilting is an ongoing process, said officials — it started on January 1 and is being carried out in a phased manner. The target is set for the entire year, as per the report

Agency New Delhi.

The Southwest monsoon has reached the Capital, and 77.5% of drains have been desilted across the city, as per the Municipal Corporation of Delhi's status report. A total of 2,29,018 metric tonnes of silt has been removed from the drains that come under the civic body's jurisdiction in 12 zones till June 23, the report underlined.

The report was issued by the civic body after questions were raised on monsoon preparedness at the first meeting of the Standing Committee on June 27.

At 59%, Karol Bagh was at the bottom of the list of 12 zones achieving the total desilting target. In some areas, such as Central Zone and Keshav Puram, the total silt removed exceeded the estimated tonnes of silt.

Desilting is an ongoing process, said officials — it started on January 1 and is

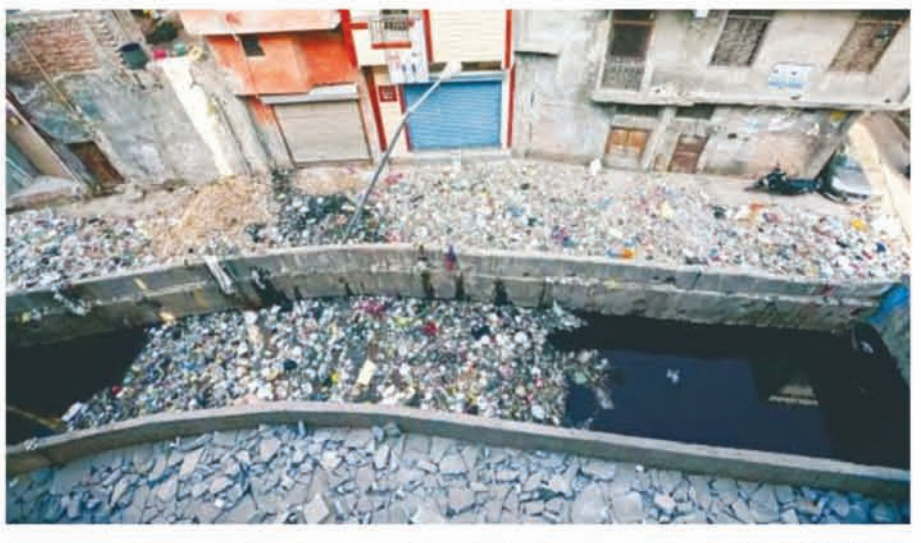

being carried out in a phased manner. The target is set for the entire year, as per the report. The civic body said a Rs 36 crore budget has been allocated for 2025-2026 for drain cleaning.

The report has been segregated into two parts: drains with a depth or width of less than 4 feet, and more than 4 feet. As per an overview of the data, the civic body has desilted small drains in large numbers, but deeper and larger drains remain to be cleared.

While Najafgarh, the longest running drain in Delhi, achieved 110% of the desilting target, only 67% of the drains of height or width of 4 feet and above have been desilted in the area.

For North Shahdara Zone, the MCD cleared 100 of % silt from small drains (less than 4-ft deep), but only 60% of the targeted silt had been removed from bigger drains.

Likewise, for the South Zone, only 63% of silt from the 45 km stretch of deeper drains has been removed before the monsoon. For the West Zone, while 86% of the small drains are cleared, only 67% of the targeted silt from deeper drains has been cleared, as per the report.

NEWS BOX

Canada rescinds tax on US tech firms in hopes of Trump trade deal

OTTAWA. Canada will rescind taxes impacting US tech firms that had prompted President Donald Trump to retaliate by calling off trade talks, Ottawa said Sunday, adding that negotiations with Washington would resume.The digital services tax, enacted last year, would have seen US service providers such as Alphabet and Amazon on the hook for a multi-billion-dollar payment in Canada by Monday, analysts have said.Washington has previously requested dispute settlement talks over the tax -- but on Friday Trump, who has weaponized US financial power in the form of tariffs, said he was ending trade talks with Ottawa in retaliation for the levy. He also warned that Canada would learn its new tariff rate within the week.But on Sunday, Ottawa binned the tax, which had been forecast to bring in Can$5.9 billion (US$4.2 billion) over five years.

Finance Minister Francois-Philippe Champagne "announced today that Canada would rescind the Digital Services Tax (DST) in anticipation of a mutually beneficial comprehensive trade arrangement with the United States," a government statement said.It added that Trump and Canadian Prime Minister Mark Carney "have agreed that parties will resume negotiations with a view towards agreeing on a deal by July 21, 2025." There was no immediate comment from the White House or Trump.

US Treasury Secretary Scott Bessent told CNBC on Friday that Washington had hoped Carney's government would halt the tax "as a sign of goodwill."Canada has been spared some of the sweeping duties Trump has imposed on other countries, but it faces a separate tariff regime.

Since returning to the White House in January, Trump has also imposed steep levies on imports of steel, aluminum and autos.Canada is the largest supplier of foreign steel and aluminum to the United States.

Debate is underway in the Senate on Trump's big bill. It may go all night

WASHINGTON: Debate is underway in the Senate for an all-night session Sunday, with Republicans wrestling President Donald Trump's big bill of tax breaks and spending cuts over mounting Democratic opposition — and even some brake-pumping over the budget slashing by the president himself.

The outcome from the weekend of work in the Senate remains uncertain and highly volatile. GOP leaders are rushing to meet Trump's Fourth of July deadline to pass the package, but they barely secured enough support to muscle it past a procedural hurdle in a tense scene the day before. A handful of Republican holdouts revolted, and it took phone calls from Trump and a visit from GOP Sen. Thom Tillis of North Carolina announced Sunday he would not seek reelection after Trump badgered him for saying he could not vote for the bill with its steep Medicaid cuts. A new analysis from the nonpartisan Congressional Budget Office found that 11.8 million more Americans would become uninsured by 2034 if the bill became law. It also said the package would increase the deficit by nearly $3.3 trillion over the decade.But other Senate Republicans, along with conservatives in the House, are pushing for steeper cuts, particularly to health care, drawing their own unexpected warning from Trump."Don't go too crazy!" the president posted on social media. "REMEMBER, you still have to get reelected."

All told, the Senate bill includes some $4 trillion in tax cuts, making permanent Trump's 2017 rates, which would expire at the end of the year if Congress fails to act, while adding the new ones he campaigned on, including no taxes on tips.

Canada To Bring New Permanent Residency Route: What We Know So Far

Ottawa. In a move to strengthen its economic immigration framework, Canada is planning to launch a new permanent pathway to residency in 2025, building on the success of the existing Economic Mobility Pathways Pilot (EMPP). The program aims to offer a stable route to skilled refugees and displaced individuals to live and work in the country, according to a report by CIC News.The announcement about the launch of the new program was part of Immigration, Refugees and Citizenship Canada's (IRCC) annual plan for 2025-2026. The Mark Carney government has said the new program will be launched before the EMPP expires on December 31, 2025, but has not announced the program structure or the eligibility criteria.The EMPP was launched in 2018, and to date, nearly 970 individuals have settled in Canada under this initiative, according to official data as of March 2025.

Other Initiatives Under IRCC's 2015-26 Program

IRCC said Canada is also planning to create a new foreign labour stream and a type of work permit for the agriculture and fish processing sector.In a good move for students, including Indians, seeking to study in Canada, IRCC is planning to establish a framework for updating the field of study requirements for post-graduation work permits (PGWPs).Canada also wants to change the eligibility requirements for spousal open work permits (SOWPs) issued to spouses of foreign workers and international students. The details regarding the new requirements are not known yet.The IRCC also reaffirmed its commitment to prioritise permanent residency for healthcare workers, trades workers, education workers, and French speakers under Express Entry's category-based selection.

Priority will also be given to temporary residents already in Canada for PR admissions, with an aim of at least 40 per cent of PR admissions coming from temporary residents (TRs) already in Canada.

Canada also plans to speed up the processing of family sponsorship applications for family members living outside Canada.

Key moments from the closing arguments at Sean 'Diddy' Combs' sex trafficking trial

Two prosecutors insisted that he had coerced, threatened and sometimes viciously forced two ex-girlfriends to have sex with male sex workers to satisfy his sexual urges. They cited multiple acts of violence he carried out against them as proof that they had no say.

NEW YORK. A jury will begin deliberations on Monday over the fate of Sean "Diddy" Combs after hearing wildly differing views from prosecutors and a defense lawyer over whether he engaged in sex trafficking for two decades.Two prosecutors insisted that he had coerced, threatened and sometimes viciously forced two ex-girlfriends to have sex with male sex workers to satisfy his sexual urges. They cited multiple acts of violence he carried out against them as proof that they had no say.A defense lawyer then mocked the government's closing argument and warned that prosecutors were employing a novel approach to sex crimes that risked turning the swinger lifestyle that Combs and his girlfriends enjoyed into potential crimes for all Americans.Combs, 55, the founder of Bad Boy Entertainment, has pleaded not guilty to sex trafficking and racketeering conspiracy charges in the trial, which continues Monday when the judge will read instructions on the law to jurors before they begin deliberations.Here are key moments from closing arguments on Thursday and Friday:Prosecutors showed they weren't withdrawing claims against CombsProsecutors triggered headlines last week that they had backed off or eliminated claims of arson and kidnapping against Combs when they said they were removing instructions on the law regarding them to be given jurors on Monday in response to the judge's request to streamline the case for the jury."The Government is no longer planning to proceed on these theories of liability so instructions are no longer necessary," prosecutors wrote in a letter to the judge.But when Assistant US Attorney Christy Slavik launched closings on Thursday, she gave the allegations of arson and kidnapping a starring role in her first

sentences, naming them before any others.

"Over the last several weeks, you've learned a lot about Sean Combs. He's the leader of a criminal enterprise. He doesn't take no for an answer. And now you know about many crimes the defendant committed with members of his enterprise: Kidnapping of one of the defendant's employees; arson by trying to blow up a car; forced labor, including of an employee the defendant repeatedly sexually assaulted; bribery of a security officer to keep damning evidence against the defendant buried; and of course, the brutal crimes at the heart of this case — sex trafficking," she said.The arson claim stemmed from evidence that Slavik said showed Combs was behind the firebombing of rapper Kid Cudi's Porsche in 2012. The kidnapping allegation also related to Cudi. Slavik said Combs kidnapped one of his employees to join him when he broke into Cudi's home after learning the rapper was dating his girlfriend.

A defense lawyer strikes back, belittling government's caseAttorney Marc Agnifilo in an at-times folksy presentation spared few theatrics in mocking the government's case against Combs as overreach, saying hundreds of agents poured into Combs' residences in Miami and Los Angeles to seize hundreds of bottles of baby oil and Astroglide lubricant.

Lone shooter who killed three first responders found dead after ambush on US firefighters in Idaho

world. US authorities said late Sunday that one shooter was found dead and is believed to have acted alone, after firefighters were ambushed while tackling a blaze in the northwestern state of Idaho.

"Based on preliminary information, we believe that was the only shooter," Kootenai County Sheriff Robert Norris told a news conference, adding, "there is no threat to the community at this time."Firefighters were ambushed by sniper fire while responding to a blaze in a northern Idaho mountain community Sunday.Authorities said that the man armed with a rifle started the wildfire and then began shooting at first responders. Three firefighters were killed during a barrage of gunfire over several hours in an attack the goveror called a "heinous" assault.

The three victims were brought to Kootenai Health, said hospital spokesperson Kim Anderson.Two were dead on arrival and the third was

being treated for injuries, Anderson said. The wounded firefighter was "fighting for his life" after surgery and was in stable condition, Norris said.A shelter-in-place order was lifted Sunday night after a tactical response team used cell phone data to "hone in" on a wooded area where they found the suspect's body with a firearm nearby as flames rapidly approached, Kootenai County Sheriff Bob Norris said.

Officials did not release his name, nor did they say what kind of gun was found."We do believe that the suspect started the fire, and we do believe that it was an ambush and it was intentional," Norris said at a Sunday night news conference. "These firefighters did not have a chance."Three victims were brought to Kootenai Health, said hospital spokesperson Kim Anderson. Two were dead on arrival and the third was being treated for injuries, Anderson said. The wounded firefighter was "fighting for his life" after surgery and was in stable condition, Norris said.Sheriff's officials said crews responded to a fire at Canfield Mountain just north of Coeur d'Alene around 1:30 p.m., and gunshots were reported about a half hour later.

The scene was sheer pandemonium as the brush fire burned and firefighters rushed to the scene only to come under heavy fire.

A week into the fragile Israel-Iran peace agreement, here's what we still don't know

The fragile peace, brokered by the U.S. the day after it dropped 30,000-pound "bunker-busting" bombs on three of Iran's key nuclear sites, is holding. But much remains unsettled.

DUBAI. It's been a week since the United States pressed Israel and Iran into a truce, ending a bloody, 12-day conflict that had set the Middle East and globe on edge.The fragile peace, brokered by the U.S. the day after it dropped 30,000-pound "bunker-busting" bombs on three of Iran's key nuclear sites, is holding. But much remains unsettled.How badly Iran's nuclear program was set back remains murky. The prospects of renewed U.S.-Iran peace talks are up in the air. And whether U.S. President Donald Trump can leverage the moment to get Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu 's government and Hamas focused on a ceasefire and hostage deal that brings about an end to the 20-month war in Gaza remains an open question.

Here is a look at what we still don't know:

How far Iran's nuclear program has been set backTrump says three targets hit by American strikes were "obliterated." His defense secretary said they were "destroyed."A preliminary report issued by the U.S. Defense Intelligence Agency, meanwhile, said the strikes did significant damage to the Fordo, Natanz and Isfahan sites, but did not totally destroy the facilities.Rafael Grossi, head of the International Atomic Energy Agency, said on CBS' "Face the Nation" on Sunday that the three Iranian sites with "capabilities in terms of treatment, conversion and enrichment of uranium have been destroyed to an important degree." But, he added, "some is still standing" and that because capabilities remain, "if they so wish, they will be able to start doing this again." He said assessing the full damage comes down to Iran allowing inspectors access.What future US-Iran relations might look like

After the ceasefire deal came together, Trump spoke of potentially easing decades of biting sanctions on Tehran and predicted that Iran could become a "great trading nation" if it pulled back once-and-for-all from its nuclear program. talks.

China resumes some Japanese seafood imports after Fukushima ban

BEIJING. China has lifted a ban on seafood imports from most regions of Japan, partially mending a years-long dispute over Tokyo's handling of nuclear wastewater.

China and Japan are key trading partners, but increased friction over territorial rivalries and military spending has frayed ties in recent years.

Japan's brutal occupation of parts of China before and during World War II remains a sore point, with Beijing accusing Tokyo of failing to atone for its past.

Japan began gradually releasing treated wastewater from the stricken Fukushima nuclear plant into the Pacific Ocean in 2023.The move was backed by the International Atomic Energy Agency and the plant operator TEPCO says all radioactive elements have been filtered out except for tritium, levels of which are within safe limits.But it drew sharp criticism from Beijing, which banned imports of Japanese seafood as a result. Russia later followed suit.Samples from long-term monitoring of nuclear-contaminated water from

Fukushima had "not shown abnormalities", China's General Administration of Customs said in a statement Sunday.As a result, China "decided to conditionally resume" seafood imports from Japan, with the exception of imports from 10 of the country's 47 prefectures, including Fukushima and Tokyo, which remain banned.The Japanese government received the decision "positively", Kazuhiko Aoki, deputy chief cabinet secretary, told reporters in Tokyo.

But Japan "will strongly demand the Chinese side lift remaining import regulations on seafood from 10 prefectures", he added.Japanese Agriculture Minister Shinjiro Koizumi also called China's move "a major milestone".In 2011, a huge earthquake triggered a deadly tsunami that swamped the Fukushima nuclear facility and pushed three of its six reactors into meltdown.China vociferously opposed the release of the treated wastewater, casting it as environmentally irresponsible. But in September last year it said it would "gradually resume" importing the seafood.

Production companies that had suspended trade must reapply for registration in China and would be "strictly" supervised, Beijing's customs administration said Sunday.

Ukrainian woman beat cancer, but her fight to free captive husband isn't over

KYIV. "You have no moral right to die." That's what Olha Kurtmalaieva told herself as she lay in intensive care, her body shutting down after emergency chemotherapy. Her cancer had progressed to Stage 4, meaning it had spread to other parts of her body and was now incurable. The pain was unbearable. The doctors weren't sure she'd make it through the night.She was facing death alone in the Ukrainian capital, while her soldier husband was in Russian captivity in the more than three-year war."If I die now, who will bring him back?" Olha thought to herself. "He has no one else in Ukraine."

Against the odds, she learned she was in remission last year. But even after multiple prisoner exchanges, including one that freed over 1,000 people, her husband, a Ukrainian marine, remains a captive.

She hasn't given up. At nearly every exchange, she's there waiting, one of hundreds of Ukrainian women still trying to bring home their husbands, sons and brothers."He's everywhere in my life," Olha said."His (photo) is on my phone screen, in my wallet, on the kitchen wall, in every room."

Day and night, questions circled in her mind: "What can I do to speed this up? What did I do today to bring him home?"Life before Russia's full-scale invasionOlha was just 21 when she learned she had cancer. It was Hodgkin's lymphoma, Stage 2. The tumours were growing but were still treatable."At that age, you're thinking: cancer? Why me? How? What did I do?" she recalled. Her husband, Ruslan Kurtmalaiev, promised to stay by her side through every round of chemotherapy.

When they met, in 2015, he was 21 and she was just 15. ?It wasn't love at first sight,? she said with a wide smile, eyes sparkling.

Their attraction blossomed gradually that summer in Berdiansk, in what is now the Russian-occupied zone in the southern Zaporizhzhia region. Three years later, as soon as she turned 18, they wed.

When they first met, it was not long after Russia illegally seized Crimea, Ruslan's homeland, in 2014, and also invaded eastern Ukraine. Ruslan, a professional soldier, had already served on the front line.

From the beginning, Olha understood that life as a military wife meant constant sacrifice ? long separations, missed milestones, and the uncertainty of war. But she never imagined that one day she would be waiting for he husband to return from captivity.When she describes Ruslan, tears well up in her eyes. "He's kind, he has a heightened sense of justice," she said."For him, it was a matter of principle to return home and bring our Crimea home," she said, a loss she fully comprehended only after Russia's full-scale invasion of Ukraine in Febrary 2022.

"Only when I lost my home did I fully understand him."Facing cancer and hair lossOlha managed to complete only two sessions of chemo before the full-scale invasion. When her long hair began to fall out, she shaved her head. When she sent Ruslan a photo, he didn't hesitate: "God, you're so beautiful," he told her.

Later, he made a confession.

"He told me, 'Yeah, I saw your hair falling out in the mornings. I gathered it all from your pillow before you woke up ? so you wouldn't get upset.'"At the time, she believed that losing her hair was the worst thing that could happen to her. But soon after, she discovered what real tragedy meant.

NEWS BOX

Who is Ayush Shetty? India's 6ft 4in-tall badminton hope wins US Open 2025

New Delhi. A 39-shot rally in the semi-final of the US Open, a Super 300 tournament, spoke volumes about Ayush Shetty's hunger to excel on the big stage against established names. Across the net stood top seed and World No. 6 Chou Tien Chen, one of the most experienced players on the circuit. Ayush showcased his powerful jump smashes, and his improved ability to retrieve from the front court was evident throughout.In the third game, the 20-year-old played an excellent drop from the back court, but Chou lunged forward to retrieve it. As Ayush advanced to the net, he attempted a cross-court jab, hoping to catch Chou off balance. However, Chou, with his lightning reflexes, played a passing shot that nearly clinched him the point. But Ayush wasn't ready to give up. Diving backwards from the front court, he somehow managed to return the shot and eventually secured a sensational point.Ayush has been making waves at the highest level over the past couple of years, but the US Open has truly helped him grab headlines. After a hard-fought three-game win over Chou in the semi-final, Ayush clinched his first major title of 2025, defeating Canada's Brian Yang in the final on Sunday. In doing so, he became the first

Indian to win a title on the senior tour this year—signalling a bright future ahead.He became the toast of the crowd in Iowa, where strong Indian support cheered him throughout the week.It means a lot—it's my first title on the senior circuit," Shetty said. "So I'm really happy. There are a lot of positives to take away. I played some excellent badminton here, and I'm looking forward to the Canada Open next week."

On social media, his tall frame has already drawn comparisons with Olympic champion Viktor Axelsen.For the 20-year-old from Mangalore, 2025 has been a breakthrough year. Earlier this season, Shetty reached the semi-finals of the Orleans Masters Super 300, defeating former world champion Loh Kean Yew and Rasmus Gemke along the way. In May, he beat senior compatriot Kidambi Srikanth to reach the semi-finals of the Taipei Open.

US gets past Costa Rica in Gold Cup quarterfinals on penalty kicks

MINNEAPOLIS. Damion Downs scored in the sixth round of a shootout after three saves by Matt Freese, sending the U.S. to the semifinals of the CONCACAF Gold Cup with a 4-3 penalty-kicks win over Costa Rica after a 2-2 tie on Sunday night.

The U.S. advanced to a Wednesday matchup in St. Louis against Guatemala, which upset Canada on penalty kicks in the opener of the quarterfinal doubleheader."They showed today great character," U.S. coach Mauricio Pochettino said.Freese batted away shootout attempts by Juan Pablo Vargas, Francisco Calvo and Andy Rojas.

"Penalties are my thing," Freese said. "On the plane ride over here to Minnesota I was studying the penalties and I've been studying them all week."Mexico plays Honduras in the other semifinal on Wednesday in Santa Clara, California. The championship is in Houston on July 6.The U.S. has reached the semifinals in 17 of 18 Gold Cups, including 13 straight since a penalty-kicks loss to

Colombia in a 2000 quarterfinal.

Diego Luna and Max Arfsten scored in regulation for the No. 16 U.S., which faced its highest-ranked opponent of the tournament in Costa Rica (54th) after breezing through the group stage with an 8-1 goal differential.Alonso Martinez scored the tying goal for the Ticos in the 71st minute with a left-footed shot after Carlos Mora split Luca de La Torre and Arsten to take a shot on Freese and seize the rebound to set up Martinez.CONCACAF changed the rules for this edition of the biennial championship for North America, Central America and the Caribbean, eliminating extra time except for the championship game.John Tolkin had the first chance to win the shootout for the U.S. Keylor Navas knocked down his try in the fifth round.Freese then denied Rojas with a diving hand, climbing to his feet while nodding his head and sticking out his tongue toward his cheering teammates at midfield. That set up the winner by the 20-year-old Downs.

ENG vs IND: Can India make a comeback in Birminghamn Here's what history suggests

- India have never won a Test match in Birmingham
- India lost the opening Test in Leeds by 5 wickets
- India won a Test series vs England last year after going 0-1 down

New Delhi. India will be looking to bounce back when they take on England in the second Test, starting July 2 at Edgbaston in Birmingham. Despite having the hosts on the ropes for most of the series opener at Headingley in Leeds, India failed to seize the decisive moments on Day 5, ultimately losing by five wickets as England chased down a daunting target of 371.With the series now tilted in England's favour, the pressure is on the visitors to stage a strong comeback and keep alive their hopes of winning a Test series on English soil for the first time since 2007.Can India turn things around at Edgbaston? Will they find inspiration from their comeback at home last year, when they bounced back after losing the Hyderabad Test by 28 runs?Here's what history has to say.India's record in Birmingham is far from encouraging. Since 1967, they have played eight Tests at Edgbaston and lost seven. Their only draw came in 1986, during a historic series win under Kapil Dev's captaincy.In that match, India were chasing 236 but found themselves in deep trouble at 105 for five. A gritty, unbeaten 69-run stand between Mohammad Azharuddin and Kiran More rescued the visitors and ensured a draw.More recently, in 2022, India had a golden opportunity to break their Birmingham jinx. After setting England a target of 378, they looked well-placed. But Joe Root and Jonny Bairstow stitched together a massive 269-run partnership to guide the hosts to a record-breaking chase.As India prepare to take the field in Birmingham once again, they will be eager to bury the ghosts of the Leeds defeat. A comeback is the need of the hour - but history suggests it won't be easy.If India falter in Birmingham, salvaging the series - let alone winning it - will become an uphill task.

RCB head coach joins Southern Brave for Hundred Women's 2025

- Luke Williams has joined Southern Brave as their head coach
- Williams coached RCB to their maiden WPL title in 2024
- Williams also helped Adelaide Strikes win the WBBL two times

New Delhi. Luke Williams has been appointed head coach of Southern Brave for the 2025 edition of The Hundred Women's competition. He takes over from the legendary Charlotte Edwards, who recently assumed the role of head coach of the England women's team, replacing Jon Lewis.Williams had served as Edwards' assistant at Southern Brave since the inaugural season of the Women's Hundred. Under their leadership, the Brave finished as runners-up in 2021 and 2022, before clinching the title in 2023.Williams also enjoyed success in the Women's Premier League (WPL), guiding Royal Challengers Bengaluru (RCB) to the title in 2024. He has been RCB's head coach since replacing Ben Sawyer in 2023."It's a privilege to take charge of Southern Brave this year from Charlotte Edwards," Williams was quoted as saying in a statement."Having worked with the team since for a number of years, we have an excellent group of players and staff and recruited well in the draft earlier this year, so hopefully we can get back to Finals Day and lift the trophy this summer," Williams added.He also enjoyed a successful stint in the Women's Big Bash League (WBBL), guiding the Adelaide Strikers to back-to-back championships in 2022 and 2023.In addition to Williams' appointment, the Brave have brought in former England men's batter Marcus Trescothick as their new batting coach. He replaces Jimmy Connors, who will be coaching Hampshire in the Men's One-Day Cup this August.The Brave had a torrid time last season as they finished at the bottom of the points table with three points after wins in one out of eight matches.

From Bublik to Medvedev: 5 men who can spring a surprise in Wimbledon 2025

2025 has been the year for the bottlers. From RCB winning the IPL to Tottenham winning the Europa League and PSG winning their first Champions League title and more, many first-timers got their hands on a major title, and the upcoming edition of Wimbledon could see an unexpected individual laying their hands on the prestigious title.The men's singles competition is very likely going to produce some iconic battles, play out storylines that could be remembered for ages and so forth. As always, the spotlight will always be on the top draws like Carlos Alcaraz and Jannik Sinner, who are at present the best players in the world, alongside an ageing Novak Djokovic, who is eyeing that record-levelling eighth title.But the question remains if one of these stars can break the deadlock and beat the top stars to be crowned champions in one of tennis's iconic tournaments. Let us look at the top five contenders that could spring a surprise in the men's singles competition:

JACK DRAPER

The fourth-seed and British talent seems to be finding his best form in recent times. He made it to the semi-finals of the recently concluded Queen's Club tournament in London, showing

that he can be a nuisance to play against on grass.Despite being the fourth seed, it would be very interesting to see if the British number one can go far in the tournament. If he can make it to the knockout stages, he is surely going to fancy his chances of putting up a good fight and hopefully see himself through.The draw has been fairly kind to start things off, but he could be up against Alexander Bublik in the third round, which could be his first big test before the round of 16 stages.

JIRI LEHECKA

The 23-year-old from the Czech Republic had a very positive showing at the Queen's Club, where he took down some fairly big names like Jack Draper, Alex de Minaur and Gabriel Diallo. While he may have fallen short in the final, he did give a good fight to Carlos Alcaraz. He won five games in the first set and took the game to the third by winning the second set as well. Considering his recent form, it would come as no surprise if he can put up a strong showing at Wimbledon.

Pakistan appoint former all-rounder as 'acting coach' for Test team

New Delhi. The Pakistan Cricket Board (PCB) has named Azhar Mahmood as the acting head coach of the men's red-ball team, effective Monday, June 30. He replaces Aaqib Javed, who had stepped in after Jason Gillespie resigned in April 2024 - just eight months into his stint.Mahmood's first assignment is expected to be the two-match Test series against South Africa at home, scheduled for October later this year.A seasoned cricketing mind, Azhar Mahmood steps into the role with an impressive portfolio of experience. Having served as the assistant head coach of the national side, Azhar has long been a pivotal part of the team's strategic core. His deep knowledge of the game, combined with hands-on international exposure and proven success in the English county circuit, make him exceptionally well-suited for this position," the PCB wrote in a statement.Mahmood brings a wealth of coaching experience to the role. He previously served as Pakistan's bowling coach from 2016 to 2019. In 2023, he took charge as head coach during the T20I series against New Zealand. On the domestic front, Mahmood has worked as bowling coach for both the Karachi Kings and Multan Sultans in the Pakistan Super League (PSL), and also served as head coach of Islamabad United."His red-ball pedigree is underscored by two County Championship titles - an achievement that speaks volumes about his leadership, tactical acumen and unwavering commitment to excellence. The PCB is confident that under Azhar's guidance, the red-ball squad will continue to grow in strength, discipline and performance on the global stage," the PCB added.

Pakistan failed to qualify for the finals in both editions of the World Test Championship. In the ongoing 2023-25 cycle, they currently sit at the bottom of the standings, having suffered a shock home defeat to Bangladesh.

Armed with English wisdom, Kuldeep Yadav makes bold promise ahead of Test comeback

- Kuldeep spent time with Pietersen during IPL, discussed bowling in England
- Kuldeep is likely to play the second Test against England in Birmingham
- The left-arm wrist-spinner last played for India in October 2024

Birmingham. Spinner Kuldeep Yadav spent valuable time with English great Kevin Pietersen during the latter's stint as mentor of the Delhi Capitals in the Indian Premier League. While Kuldeep's primary focus was on performing in the IPL, he also absorbed key insights from Pietersen on how to succeed as a spinner in English conditions.With India's bowling attack under scrutiny following a defeat in the series opener at Headingley, speculation is rife that Kuldeep will be drafted into the playing XI for the second Test of the Anderson-Tendulkar Trophy in Birmingham. In Leeds, India fielded five bowlers, including all-rounder Shardul Thakur, but it was Jasprit Bumrah who carried the bulk of the workload. Despite a five-wicket haul in the first innings, Bumrah received little support in the second, as England chased down 371 to take a 1-0 series lead.Kuldeep, who last played a Test for India in October 2024, has been bowling at full

intensity in the nets. Having recovered from a groin injury earlier this year, he also contributed to India's Champions Trophy triumph. Reports suggest India may opt for a dual spin attack at Edgbaston, pairing Kuldeep with Ravindra Jadejato strengthen their bowling firepower.Speaking to The Indian Express, Kuldeep made it clear that he's focused on playing an attacking brand of spin if given the opportunity in the second Test."If you don't take wickets, you can't justify your place in the side-especially in England. Whether you're playing at home or abroad, the goal is the same: get revs on the ball, generate drift, and take wickets," he said.Kuldeep has a strong record against England, with 21 wickets from six Tests. However, his only appearance on English soil came at Lord's in 2018, where he bowled just nine overs.Now older and wiser, Kuldeep is hoping to make a bigger impact, helped by Pietersen's guidance."He [Pietersen] gave me a lot of insights for the England tour. We discussed field placements, pitches, and the mindset of their batters. He walked me through their line-up and stressed the importance of an attacking mindset," Kuldeep said."Pietersen told me that most spinners come to England with a defensive mindset. They assume the fast bowlers will do the damage, and that they'll just play a supporting role.

Priyanka Chopra

Mourns Mujhse Shaadi Karogi Co-Star Shefali Jariwala's Death, Sends Condolences To Parag

Priyanka Chopra paid tribute to Shefali Jariwala, extending her condolences to her husband Parag Tyagi and family. Priyanka and Shefali worked together in Mujhse Shaadi Karogi, which also starred Salman Khan and Akshay Kumar. Popularly known as the Kaanta Laga girl, she passed away on Friday night.Priyanka Chopra took to her Instagram stories and posted a solo photo of Shefali. Mourning her, she extended condolences to her husband Parag and family. She wrote, "So shook. She was too young. Sending condolences to Parag and the family (sic)." Take a look:

Shefali Jariwala made a memorable appearance in the 2004 romantic comedy film, Mujhse Shaadi Karogi. Though her role was brief, she brought her signature charm and screen presence to the film, riding high on the popularity of her iconic music video Kaanta Laga, which also played in the background during her cameo.

Meanwhile, Varun Dhawan recently called out paps and the media or their coverage of Shefali Jariwala's death. The Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari actor wrote, "Again one more passing of a soul being insensitively covered by the media. I just don't understand why do u have to cover someone's grief everyone looks so uncomfortable with this how is this benefitting anyone. My request to my friends in the media this isn't the way someone would want their final journey covered."Last night, after Shefali's funeral, a devastated Parag appeared in front of the media and requested privacy with folded hands. He also said, "Meri pari ke liye pray kijiyega aap sab log, please." Parag was surrounded by police personnel while he urged the media to pray for Shefali's soul to rest in peace.

How did Shefali Jariwala die?

Shefali Jariwala passed away late Friday night, between June 27 and 28. She was rushed to Bellevue Multispeciality Hospital in Mumbai by husband Parag Tyagi, and three close aides. She was declared brought dead.Initial reports of Shefali's death claimed she died of cardiac arrest. However, Mumbai Police stated that her body was found in her apartment and her mortal remains were sent to Cooper Hospital for a postmortem. The reason behind her death couldn't be confirmed as yet.

Hina Khan Praises Supportive In-Laws, Shares Hilarious 'Expectations Vs Reality' Video

Actress Hina Khan seems to be living like a princess post her wedding to Rocky Jaiswal. She took to her Instagram and dropped a fun video of expectations vs reality of life with in-laws.

In the expectation part, Hina was seen serving food to everyone with a smile on her face just like a good bahu, whereas in the reality part she was being served by all of them.

Hina said that she feels blessed to have such a supportive group of people in her life. She penned a heartfelt note that read, "Expectations vs Reality…What a feeling it is to have In-laws so supporting.. Yes they have been my family for a long time now and they do make me feel like a princess. Not just after the official marriage but from the beginning. Even though almost all of them are Camera Shy, but they came together for this one without any hesitations or questions..Just to make me happy…Blessed to have so much Love around me, blessed to have people who understand fun and how it's important to have a happier life. Thank you guys for being a Sport."

"PS- Iss video ke saare patra kalpanik hai," Hina concluded.On June 4, the 'Yeh Rishta Kya Kehlata Hai' actress announced her wedding with her long-time boyfriend with a social media post comprising some love-filled photos from the court ceremony.

The post had stills of the lovebirds embracing each other on their special day, some close-up shots of the Mehendi, along with them signing the marriage document.They wrote in the caption, "From two different worlds, we built a universe of love. Our differences faded, our hearts aligned, creating a bond to last lifetimes. We are our home, our light, our hope and together, we transcend all barriers. Today, our union is forever sealed in love and law. We seek your Blessings and Wishes as Wife and Husband. #MM'sMinimalistBride #TwinFlame #OurLoveStory #SoulBound A special piece from the one and only MM".

Hina looked beautiful as a bride in a custom-made saree by designer Manish Malhotra.

Rupali Ganguly Lauds Brother Vijay's Work In Aamir Khan's Sitaare Zameen Par: 'So Proud'

Anupamaa actress Rupali Ganguly has shared a lovely post on Instagram to celebrate her brother Vijay Ganguly's milestone as the solo choreographer for Aamir Khan and Genelia Deshmukh starrer 'Sitaare Zameen Par'. Sharing pictures with Aamir Khan and Vijay from the set of the film, she expressed that she is incredibly proud of her brother. In her post, Rupali also praised Rishi Shahani, who plays Sharmaji in the film. She revealed that he is her 'dancing partner' in SDIPA, where Vijay is their teacher. She wrote that she is so happy he got the chance to make his debut with Sitaare Zameen Par, a film that celebrates his abilities and uniqueness. Lastly, she also lauded the powerful dialogues by Divy Nidhi Sharma, mentioning that he is the reason why her television show Anupamaa's dialogues go viral.

On Sunday, Rupali Ganguly took to her Instagram to share a series of pictures with Aamir Khan, Vijay Ganguly, and Rishi Shahani from the sets of Sitaare Zameen Par. Another picture shows her brother Vijay's name in the end credits as the film's choreographer. In her caption, she wrote, "Sitaare Zameen Par ….. a film with a heart A film special to me for many reasons….This marks a journey for my super gifted sibling … my Pappas favourite child @vijayganguly ….from a beginning with "Bum Bum Bole " in Taare Zameen Par , to this film with Aamir Sir where he has solo credits as a choreographer …I feel so so so proud when i see ur name on screen I know how special this film is to you because you could revisit training of 15 years of training specially abled children and The beauty of your choreography here is that it blends in so beautifully with the narrative here and when it has to stand out it does that too fantastically."

Rupali Ganguly Gives A Shoutout To Sitaare Zameen Par Actor Rishi Shahani

She further added, "Also big thank u for inviting me to your set where I met fabulous people like Prasanna Sir and Aamir Sir and along with my sweetheart Rishi @rishi.shahani.24 my dancing partner in SDIPA with Vijay himself as our teacher …. A friend for more than 25 years I m so so so proud of you that you got to make your debut with this beautiful story that celebrates your ability and your uniqueness And ofcourse our biggest asset of #Anupama… the reason why Anupama's dialogues goes viral, the most amazing writer and human being @divynidhisharma sir for adding soul to this film The dialogues uff uff uff @rs.prasanna you are a genious.

Mouni Roy's

Film Salakaar Inspired By National Security Advisor Ajit Doval's Life?

National security, mystery, and espionage seem to be at the heart of Mouni Roy's next film, Salakaar, which is reportedly based on the life of one of India's most respected intelligence officers, Ajit Doval. Directed by Faruk Kabir, the film is said to follow a gripping spy narrative and will premiere on JioHotstar this Independence Day, August 15, 2025.While the makers haven't officially confirmed the connection, a report by Filmfare claims Salakaar draws from the real-life story of Ajit Doval, who currently serves as India's National Security Advisor. Details about the rest of the cast are still being kept under wraps, but Mouni is confirmed to play a key role.

Earlier, Mouni had posted a picture with director Faruk Kabir, hinting at their collaboration for Salakaar, though at the time, plot details were minimal. The film's storyline unfolds across two different time periods, tracing the journey of a young Indian spy as he uncovers secrets that tie into India's complex legacy of espionage.

In a statement, director Faruk Kabir described his approach to the film:"Salakaar is not just a spy thriller, it's a deeply emotional narrative about fractured legacies and the cost of silence. We're looking at espionage not only as a mission but as a burden, as a debt that passes from one generation to another."Mouni Roy, who became popular through Indian television before venturing into Bollywood with films like Brahmastra and Gold, was last seen in Vedaa. Mouni rose to fame with her role as a shape-shifting serpent in the popular supernatural series Naagin (2015–2016) and its sequel Naagin 2 (2016–2017). She began her acting journey in 2006 with the iconic TV show Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi. Her portrayal of Sati in Devon Ke Dev…Mahadev and Meera in Junoon – Aisi Nafrat Toh Kaisa Ishq further solidified her position on television.Mouni made her film debut in 2011 with the Punjabi romantic drama Hero Hitler in Love.

Her entry into Hindi cinema came with the 2018 period sports drama Gold, for which she was nominated for the Filmfare Award for Best Female Debut. In 2022, her performance in the fantasy epic Brahmāstra: Part One – Shiva earned her critical acclaim.